हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची • मंगलवार • 10.12.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 138 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से कारोबारी विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते भारत ने जो विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री राजस्थान के जयपुर में जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और विस्तारित बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले एक दशक में ही भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। 2014 से पहले के दशक की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी दो गुना से अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा व्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से बढ़कर 11 ट्रिलियन रुपये हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की असली ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा और भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या के साथ-साथ सबसे बड़ा कुशल युवा समूह भी होगा।

आज की दुनिया में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डेटा के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि यह सदी तकनीक-संचालित और डेटा-संचालित है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और डेटा की अपनी वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। मोदी ने कहा, भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और समुदाय को लाभान्वित कर रहा है। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीवीसी) जैसी भारत की विभिन्न डिजिटल पहलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि इनका व्यापक प्रभाव राजस्थान में भी स्पष्ट होगा।

पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न तो देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका खामियाजा राजस्थान को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र पर काम कर रही है जिससे राजस्थान को बहुत फायदा होगा। भारत के समृद्ध भविष्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में प्रकृति, संस्कृति, रोमांच, सम्मेलन, गंतव्य विवाह और विरासत पर्यटन के लिए अपार संभावनाएं हैं। मोदी ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच करीब 5 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए, जबकि 2014 से 2024 के बीच तीन-चार साल कोविड प्रभावित रहने के बावजूद 7 करोड़ से ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत आए हैं। मोदी ने कहा कि कोविड के दौरान पर्यटन ठप रहने के बावजूद भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी हद तक बढ़ोतरी हुई है।

भारत में विनिर्माण को बढ़ाने में पीएलआई योजना की निरंतर बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएलआई योजना के कारण लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, लगभग 11 लाख करोड़ रुपये के उत्पाद बनाए जा रहे हैं और निर्यात में 4 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि लाखों युवाओं को रोजगार मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई के मामले में राजस्थान भारत के शीर्ष 5 राज्यों में से एक है। मोदी ने कहा कि राजस्थान में 27 लाख से अधिक लघु और सूक्ष्म उद्योग हैं, जिनमें 50 लाख से अधिक लोग छोटे उद्योगों में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें राजस्थान का भाग्य बदलने की क्षमता है।

विधानसभा का विशेष सत्र शुरू निर्वाचित 80 विधायकों ने ली शपथ

प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी का अभिवादन करते मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन

रबिंद्रनाथ महतो होंगे स्पीकर पक्ष और विपक्ष में बनी सहमति

रांची : झारखंड विधानसभा में स्पीकर पद का सस्पेंस भी अब समाप्त हो गया है। नाला से विधायक रबिंद्रनाथ महतो के नाम पर पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से इसके लिए सहमति बन गयी है। कल विधिवत चयन की प्रक्रिया पूरी कर इसकी घोषणा कर दी जायेगी। सोमवार को विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान संसदीय कार्य विभाग मंत्री राधा कृष्ण किशोर स्पीकर पद के लिए रबिंद्र नाथ महतो के नाम पर सहमति को लेकर सक्रिय रहे। इस बीच रबिंद्रनाथ महतो ने एक ट्वीट कर सीएम हेमन्त सोरन के प्रति आभार व्यक्त किया है। जारी पोस्ट में महतो ने कहा है, हेमंत सोरेन जी ने मेरे प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए हार्दिक आभार। मेरा प्रयास रहेगा कि सदन में संवाद को अधिक सशक्त बनाते हुए आम सहमति से राज्यवासियों की आशाओं-अपेक्षाओं को पूरा करें।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को दिन के 11 बजकर 15 मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने 80 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाई गयी। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। स्टीफन मरांडी मंगलवार को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमन्त सोरेन को शपथ दिलायी। इसके बाद राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, बोरियो विधायक धनजंय सोरेन, लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, पाकुड विधायक निसात आलम, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, नाला विधायक रविंद्र नाथ महतो, दुमका विधायक बसंत सोरेन सहित 80 विधायकों ने झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली। इसके अलावा चम्पाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली। कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली। जबकि पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

इस बार सदन में 21 नये चेहर दिखे, जो पहली बार विधायक बने हैं। सदन में पहली बार पहुंचने वाले विधायकों में रौशन लाल चौधरी, शुत्रघ्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं। वहीं, 18 ऐसे सदस्य हैं, जो पहले विधायक रह चुके हैं। इसमें सबसे अधिक आठ भाजपा के हैं जबकि छह झामुमो, तीन कांग्रेस के हैं। राजद, माले, आजसू एवं जेएलकेएम के एक-एक विधायक शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और सीपी सिंह लगातार सातवीं बार तो प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया।

सदन पहुंचने वाले विधायकों में दस ऐसे विधायक शामिल हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है। इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल हैं। पिछले विधानसभा के 42 विधायक फिर से विधानसभा पहुंचे हैं। स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं, जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं। सबसे पहले उन्होंने 1980 में जीत हासिल की थी। चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की। जीत का चौका लगाने वालों में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, मंत्री दीपक विरुआ, चमरा लिंडा और विधायक नवीन जायसवाल शामिल हैं। झारखंड विधानसभा सत्र में पहली बार शामिल हुए जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया। इसके बाद सदन के अंदर नंगे पांव घुसे। शपथ लेने के बाद जयराम महतो ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, विधायक मथुरा महतो और मंत्री दीपिका पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। वहीं, जयराम महतो के हाथ में मौजूद लाल डायरी ने भी सबका ध्यान खींचा। जयराम ने कहा कि इस डायरी में मैं वह शपथ लिखूंगा, जो मैं विधानसभा में लूंगा। यह मेरे लिए लोकतंत्र के प्रति मेरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी में बने मंत्रियों के आवासों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को स्मार्ट सिटी, रांची में राज्य सरकार के मंत्रियों के लिए बने नवनिर्मित आवास सहित पूरे आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित आवास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर कई दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवनिर्मित आवास और पूरे आवासीय परिसर के सभी कार्य 15 जनवरी, 2025 तक पूर्ण कर लिए जाएं ताकि मंत्रियों को आवास आवंटित की जा सके। मुख्यमंत्री ने आवासीय परिसर में बने क्लब हाउस, बैडमिंटन कोर्ट तथा पुलिस बैरेक इत्यादि का निरीक्षण कर सभी सुविधाओं से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आवासीय परिसर में बच्चों के खेलने की व्यवस्था और झूला इत्यादि लगाने के भी निर्देश दिए।

इस मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, सचिव भवन निर्माण विभाग अरवा राजकमल, सीईओ स्मार्ट सिटी अमित कुमार और जीएम स्मार्ट सिटी राकेश नंदकुलियार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संजय मल्होत्रा होंगे रिजर्व बैंक के नए गवर्नर

नयी दिल्ली : राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे। वे वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के आईएएस अधिकारी और वर्तमान में राजस्व विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत संजय मल्होत्रा को गवर्नर के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। यह कार्यकाल 11 दिसंबर, 2024 से प्रभावी होगा। वह शक्तिकांत दास का स्थान लेंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं। आईएएस अधिकारी संजय मल्होत्रा के पास वित्त, कराधान, बिजली, सूचना प्रौद्योगिकी और खनन सहित प्रमुख क्षेत्रों में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अनुभवी नौकरशाह मल्होत्रा शीर्ष बैंक के 26वें गवर्नर होंगे, जो दास का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल मंगलवार को समाप्त होने वाला है। दिसंबर 2018 में आरबीआई गवर्नर के रूप में नियुक्त किए गए दास ने हाल के दशकों में मानक पांच साल के कार्यकाल को पार कर लिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने एक अधिसूचना में कहा कि 1990 बैच के राजस्थान कैडर के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा 11 दिसंबर, 2024 को तीन साल की अवधि के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। मल्होत्रा की नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हुई है, जब आरबीआई मुद्रास्फीति नियंत्रण और आर्थिक विकास में मंदी जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। मल्होत्रा वर्तमान में वित्त मंत्रालय में सचिव (राजस्व) के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने वित्तीय सेवा विभाग में भी सचिव का पद संभाला था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर से कंप्यूटर विज्ञान में इंजीनियरिंग स्नातक, मल्होत्रा ने प्रिंसटन विश्वविद्यालय, अमेरिका से सार्वजनिक नीति में मास्टर डिग्री भी प्राप्त की है।

एक नजर

दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को ई-मेल भेजकर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इन स्कूलों में आरके पुरम का दिल्ली पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार का जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल प्रमुख हैं। सभी स्कूलों में स्थानीय पुलिस के अलावा डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दल और दमकल अधिकारी पहुंचे। खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ई-मेल में लिखा है-मैंने स्कूलों के अंदर कई बम लगाए हैं।

जल्द शुरू होगा पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत का काम, एएसआई ने नीति समिति से मांगी मंजूरी

एजेंसी

पुरी : ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' की मरम्मत का काम 16 दिसंबर से शुरू हो सकता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने प्रस्तावित मरम्मत कार्य के लिए मंदिर की नीति उप-समिति से मंजूरी मांगी है। एएसआई के अधीक्षक डी बी गरनाइक ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंदिर की नीति समिति से मंजूरी मिलने के बाद जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' की मरम्मति का काम शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि संभवत मरम्मति का काम 16 दिसंबर से शुरू होगा।

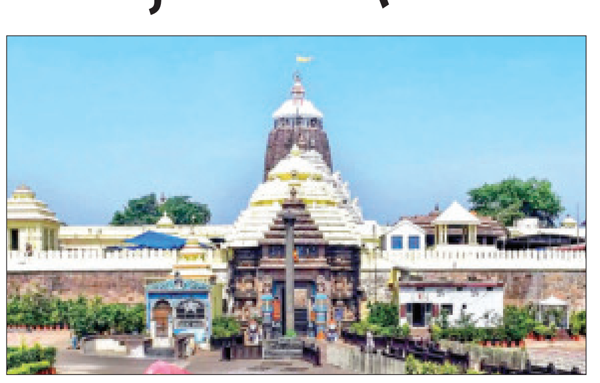

एएसआई के अधीक्षक डी बी गरनाइक ने बताया कि एएसआई ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान की सहायता से पुरी स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का जीपीआर-जीपीएस सर्वेक्षण किया था। संस्थान ने पिछले महीने ही एएसआई को अपनी सर्वे रिपोर्ट सौंपी है। मंदिर प्रबंधन की मंजूरी और संस्थान के सर्वे रिपोर्ट के अनुसार और मरम्मति का काम किया जायेगा। बता दें कि राज्य सरकार ने जनवरी 2025 के अंत तक मंदिर में संग्रहित आभूषणों की सूची तैयार करने का लक्ष्य रखा है। यानी एएसआई इससे पहले रत्न भंडार की मरम्मति का काम पूरा करने की कोशिश करेगा, ताकि आभूषणों को अस्थायी कोषागारों से वापस 'रत्न भंडार' में रखा जा सके।

46 साल बाद खोला गया था मंदिर का खजाना

बता दें कि जगन्नाथ मंदिर का खजाना 46 साल बाद जुलाई 2024 में खोला गया था। आभूषणों, मूल्यवान वस्तुओं की सूची और संरचना की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया था। इसके पहले 1978 में इसे खोला गया था। खबरों के अनुसार, आंतरिक रत्न भंडार से अक्सर फुफकारने की आवाजें आती हैं। मान्यता है कि सांपों का एक समूह भंडार में रखे रत्नों की रक्षा करता है। यह देखते हुए रत्न भंडार खोले जाने से पहले मंदिर समिति ने भुवनेश्वर से सांप पकड़ने में एक्सपर्ट दो व्यक्तियों को पुरी बुलाया था। साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए डॉक्टरों की एक टीम भी तैनात थी।

केंद्रीय संस्थानों से सरकार वसूलेगी 200 करोड़ का बकाया होल्डिंग टैक्स

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार के निर्देश के बाद राज्य के विभिन्न केंद्रीय संस्थानों से बकाया टैक्स की वसूली की जाएगी। बता दें कि इसके अंतर्गत बीसीसीएल, सीसीएल, पोस्ट ऑफिस, सेल और रेलवे आदि आते हैं। राज्य सरकार इनसे बकाया होल्डिंग टैक्स की वसूली करेगी। इसके लिए सभी निकायों को विशेष निर्देश दिए जायेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, इन संस्थानों के पास लगभग 200 करोड़ रुपये तक का होल्डिंग टैक्स बकाया है। ऐसे में सभी केंद्रीय संस्थाओं को राजस्व वसूली के साथ बकाया भुगतान करने के लिए नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों के उन भवनों से भी होल्डिंग लेने की प्रकिया शुरू की जायेगी, जहां से होल्डिंग टैक्स नहीं मिल रहा है। बता दें कि इसके लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर बजटीय प्रावधान करने को कहा गया है। वहीं, इस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण जमशेदपुर, जिसे विशेष क्षेत्र से औद्योगिक नगरी का दर्जा प्राप्त है। इसे छोड़कर अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों से होल्डिंग टैक्स वसूलने को कहा गया है।

एक नजर

बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी ने विस में ली शपथ

बड़कागांव : बड़कागांव विधानसभा विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड विधानसभा में विधायक पद की शपथ ली। इस दौरान उन्होंने सदन में घुसने के पूर्व भगवान बिरसा मुंडा और विधानसभा भवन को नमन किया। शपथ लेने के पश्चात उन्होंने कहा कि बड़का गांव विधानसभा क्षेत्र की विकास के लिए मेरी प्रतिबद्धता है। झारखंड विधानसभा के मंदिर पर पहुंचाने का अवसर प्रदान करने के लिए बड़कागांव विधानसभा के सभी देवतुल्य जनता का आभार प्रकट करता हूं। यह पल मेरे लिए गर्व, ऐतिहासिक, स्मरणीय और कृतज्ञता से भरा हुआ है, मैं आपका सेवक था हूं और हमेशा रहूंगा।

समाज कल्याण विभाग की हुई समीक्षा बैठक

हजारीबाग : समाज कल्याण की समीक्षा बैठक जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा की अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पायी गयी। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की समीक्षा में केरेडारी, चैपारण, बरही, विष्णुगढ़, बरकट्ठा की उपलब्धि 50 प्रतिशत एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पदमा, ईचाक, डाड़ी, विष्णुगढ़ एवं बरकट्ठा की उपलब्धि 70 प्रतिशत से कम पायी गई। उन्हें अविलंब शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निदेश दिया गया। पोषण ट्रैकर एप्प में सभी वास्तविक लाभुकों को शत-प्रतिशत पोर्टल पर प्रविष्टि करने, लाभार्थियों का वजन, टीएचआर, वीएचएसएनडी, सीबीई गतिविधि आयोजित करते हुए पोर्टल पर अपलोड करने का निदेश दिया गया। जिलान्तर्गत सभी उत्क्रमण 76 मिनी आँगनबाड़ी केन्द्रों में एक पखवाड़ा के अन्दर चयन करने एवं साथ ही दो दिनों के संबंधित केन्द्रों में चयन की तिथि निर्धारित जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया है। पोषाहार का अभिश्रव एवं सेविकाओं, सहायिकाओं के मानदेय उपस्थिति विवरणी प्रत्येक माह के 5वीं तारीख तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। साथ ही 0-5 वर्ष के बच्चों को आधार पंजीयन हेतु सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को आपरेटर आईडी के लिए आनलाईन आवेदन करते हुए परीक्षा में शामिल होने का निदेश दिया गया।

उमाशंकर अकेला ने स्वास्थ्य मंत्री का किया स्वागत

बरही : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ. इरफान अंसारी को बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने स्वास्थ्य मंत्री को बुके देकर बधाई दी और उनके उज्वल कार्यकाल की कामना की। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद है। इस दौरान अन्य नेताओं और समर्थकों ने भी स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया और उनके साथ सामूहिक फोटो खिंचवाए। डॉ. इरफान अंसारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर बदलाव लाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना उनकी प्राथमिकता होगी।

जनता ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा : प्रदीप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

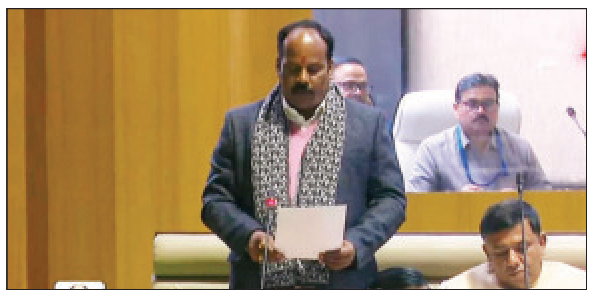

हजारीबाग : विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण विधानसभा के प्रथम सत्र के शुरूआती दिन सोमवार को हुआ। जिसमें सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और फिर उनके मंत्रिमंडल में शामिल सदस्यों ने शपथ ली। इसके बाद अलग-अलग विधानसभा के विधायकों ने शपथ लिया। जिसके बाद 25 हजारीबाग से विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के प्रथम सत्र में शपथ ग्रहण किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पहली बार चुनाव जीतने वाले प्रदीप प्रसाद ने ईश्वर की शपथ लेता हूं ... के साथ शपथ ली और क्षेत्र की जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान प्रदीप प्रसाद अपने सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और विनम्रता के साथ नजर आए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हजारीबाग की जनता ने मुझे जो विश्वास और समर्थन दिया है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मेरा यह दायित्व है कि मैं क्षेत्र के हर नागरिक की उम्मीदों पर खरा उतरूं। मेरा उद्देश्य केवल जनता का प्रतिनिधित्व करना नहीं है, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना और हजारीबाग को विकास का मॉडल बनाना है। मैं अपने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने क्षेत्र में बेरोजगारी और कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना, किसानों को तकनीकी और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और हजारीबाग में औद्योगिक विकास को गति देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के विजन को साकार करते हुए, मैं हजारीबाग को एक सशक्त और आत्मनिर्भर विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए कृतसंकल्पित हूं। क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हजारीबाग को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की उम्मीद है। प्रदीप प्रसाद ने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान एक पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करेंगे। क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सड़कों और पुलों का निर्माण और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। मैं हजारीबाग के हर नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। यह मेरा वादा है कि मेरे कार्यकाल में कोई भी नागरिक खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करेगा। जनता से संवाद और विश्वास के साथ विधायक प्रदीप प्रसाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका मुख्य उद्देश्य आम हजारीबाग को झारखंड के सबसे प्रगतिशील और समृद्ध क्षेत्रों में शामिल करना है।

कांग्रेस कार्यालय में सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में त्याग की मुर्ति व कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय सोनिया गांधी का 67 वां जन्म दिन सादगी से मनाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव नें उनकी दीर्घयु की कामना करते हुए कहा कि जब 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या हुई तो सोनिया गांधी को कई लोगों ने नेहरू-गांधी वंश का स्वाभाविक उत्तराधिकारी माना और उन्हें कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने की पेशकश की गई। उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और सार्वजनिक रूप से राजनीति पर चर्चा करने से इन्कार कर दिया। हालांकि 1993 में उन्होंने उत्तरप्रदेश के अमेठी में राजीव गांधी के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन के लिए समर्पित ट्रस्टों और समितियों की ओर पुरे देश का दौरा किया। 1998 में सोनिया गांधी तत्कालीन संघर्षरत कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष बनने के लिए सहमत हुई। कार्यक्रम के पश्चात जरूरमदों के बीच कम्बल का वितरण किया गया। महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत प्रदेश सचिव बिनोद सिंह प्रखंड अध्यक्ष अजित सिंह जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान वरिष्ठ कांग्रेसी लाल बिहारी सिंह, राजू चौरसिया, अजय गुप्ता, दिलीप कुमार रवि, जावेद इकबाल, सदरूल होदा, साजिद अली खान, दीपक गुप्ता, सलीम रजा, गुड्डू सिंह, सोनू वर्मा, शब्बीर अली, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

हत्यारों के खिलाफ अविलंब हो कठोर कानूनी कार्रवाई : सुनील साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उदय साहू हत्याकांड मामले को लेकर राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन हजारीबाग के जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू की अध्यक्षता में पुराने समाहरणालय के समीप स्थित धरना स्थल के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया गया। उक्त मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव की उपस्थित रहे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि आए दिन तेली समाज के लोगों की हत्याएं लगातार हो रही है और हत्या करने वाले अधिकतर हिंदू समाज के ही लोग होते हैं। तेली समाज के लोगों की हत्या पर सभी राजनीतिक पार्टी चुप्पी साधे रहती है। किसी के भी द्वारा कोई आवाज नहीं उठाई जाती इसीलिए हम सभी को एकजुट और जागरुक होना अति आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि इन हत्याओं को लेकर हेमंत सरकार को भी स्वतः संज्ञान लेनी चाहिए। प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव ने कहा कि मृतक उदय साहू सर्व समाज के गरीबों, शोषितों, वंचितों, मजदूरों, विस्थापितों, किसानों के बीच लोकप्रिय थे। जिनका जीवन काल गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष में गुजर रहा था। ऐसे व्यक्ति को खुलेआम गोली मारकर हत्या कर करना समझ से परे है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष केदार साव ने कहा कि इस हत्याकांड में धनबल और माफियाओं की संलिप्तता समझ आती है। जिला प्रशासन को हत्यारों की गिरफ्तारी अविलम्ब करते हुए मृतक परिवार को एक सरकारी नौकरी एवं 50 लाख रुपया मुआवजा देना ही होगा। अन्यथा महासंगठन उग्र आंदोलन भी करने पर बाध्य हो जाएगी। धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला अध्यक्ष प्रियंका साहू, हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष अशोक साव, पलामू जिला अध्यक्ष अशोक साहू, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष केदार साव, समाजसेवी रेखा कुमारी, लातेहार जिला अध्यक्ष रंजीत गुप्ता, लातेहार, गणेश प्रसाद गुप्ता, कुलदीप साहू चौहान साव बैजनाथ कुमार गुप्ता मध्य गोपाली पंचायत समिति समेत सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति थें।

आयुक्त ने केंदूपत्ते की दर निर्धारण के लिए संग्रहणकर्ताओं के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : प्रमंडलीय आयुक्त-सह-केंदूपत्ती सलाहकार समिति के अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय, हजारीबाग में वर्ष 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती के संग्रहण मूल्य प्रति मानक बोरा के निर्धारण हेतु बैठक आहूत की गई। इसमें उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2025 मौसम के लिए प्राथमिक संग्रहणकताओं से केन्दूपत्ती के क्रय दर प्रति मानक बोरा के निर्धारण हेतु सरकार को परामर्श देने के लिए संग्रहणकर्ता सदस्यों के साथ विचार-विमर्श हुआ। विचार विमर्श के दौरान आयुक्त-सह-अध्यक्ष को अवगत कराया गया कि पूर्व की बैठक में अध्यक्ष एवं समिति द्वारा केंदूपत्ती क्रय मूल्य ?1700 प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए अनुशंसा की गई थी। जिसमें सरकार द्वारा वर्ष 2024 मौसम के लिए 1750 रुपए प्रति मानक बोरा का दर स्वीकृत किया गया था। जिससे केंदु पत्ता व्यापार से जुड़े लोगों एवं झारखंड राज्य वन विकास निगम के पदाधिकारी के साथ अनौपचारिक विमर्श के दौरान बताया गया कि वर्ष 2024 में क्रय मूल्य 1650 रुपए प्रति मानक बोरा से 1750 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिए जाने के कारण वर्ष 2024 में क्रेता हतोत्साहित हो गए। जिससे हजारीबाग प्रमंडल के कुल 70 लौटों में से मात्र 31 लौटों की ही बिक्री हो पाई। जिससे सरकार के राजस्व प्राप्ति में क्षति हुई। केंदूपत्ती का मौसमी संग्रहण कार्य से वनों के समीप सुदरवर्ती वनों के ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। लौटों की बिक्री न होने से उस क्षेत्र के अंशकालिक मजदूर भी रोजगार से वंचित रहे। इन सभी बातों के विचारोंपरांत आयुक्त-सह-अध्यक्ष एवं समिति द्वारा 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती क्रय मूल्य में मात्र 5 से 6% न्यूनतम वृद्धि कर 1850 रुपए प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए निर्धारण का परामर्श सरकार को देने का निर्णय लिया गया। जिससे शत-प्रतिशत केंदूपत्ती लौटों की बिक्री हो सके तथा झारखंड राज्य वन विकास निगम को भी बेहतर राजस्व की प्राप्ति हो सके।

शटर तोड़ कर रहे हैं दुकानों में चोरी सतर्क रहने की जरूरत : थाना प्रभारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

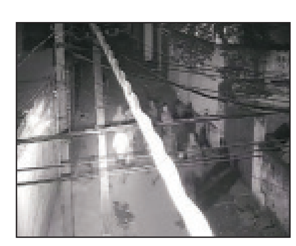

चौपारण : थानेदार अनुपम प्रकाश ने सोमवार को एक सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग दिखाकर अपने प्रखंड वासियों को चोरों की गैंग से सतर्क किया। थानेदार अनुपम प्रकाश ने बताया कि लातेहार, गुमला, और बोकारो में चोर अपनी गैंग बनाकर दुकानों को अपना निशाना बना रहे है। रात्रि में 12 बजे के बाद चोर अपनी गैंग के साथ पहुंचकर पहले शटर के ताले को आसानी से तोड़ लेते है। उसके बाद दुकान में घुसकर चोरी को अंजाम देते है। चोरों की गैंग ने कई जगह पर इस तरह का चोरी की घटना को अंजाम दे चुके है। इस तरह के चोरों का गैंग कुछ शहरों में घूम रहा है। थाना प्रभारी ने अपने प्रखंड वासियों से अपील करते हुए कहा कि कृपया अपने घरों के बाहर या दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरा अवश्य इंस्टॉल करवाएं। क्योंकि कई जगह रात्रि में दुकान की शटर तोड़कर इस तरह के घटना को अंजाम दिया जा चुका हैं। इसलिए सतर्क रहे सुरक्षित रहे अंजन चेहरे पर नजर रखें कोई भी संदिग्ध नजर आए तो तत्काल मेरे नंबर 7903453916 पर सूचित करें। बता दे रात्रि में शटर तोड़ दुकानों में चोरी की कई घटना अब तक चौपारण में घट चुकी है। अब इसके पीछे कही यही चोरों की गैंग तो नहीं यह असमंजस अब भी बरकरार है।

एचजेडबी आरोग्यम अस्पताल द्वारा नि:शुल्क स्त्री रोग एवं शिशु रोग स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : एच जेड बी आरोग्यम अस्पताल ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए एक निःशुल्क स्त्री रोग एवं शिशु रोग स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया, इस शिविर में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के साथ ही निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। बीपी, शुगर और पल्स की जांच भी पूरी तरह से निःशुल्क की गई। इस आयोजन में 45 से अधिक महिलाएं और 30 से अधिक शिशु स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंचे। शिविर में सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधा भंगरा, डॉ. कुमारी ऐश्वर्या और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. हीरालाल ने मरीजों का समर्पण और संवेदनशीलता के साथ इलाज किया। सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सेवाओं को हर वर्ग के लिए सुलभ और सहज बनाने पर बल दिया। अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा की हमारे अस्पताल का उद्देश्य सिर्फ इलाज करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना भी है। यह शिविर हमारे समाज के हर वर्ग को यह संदेश देने का प्रयास है कि एच जेड बी आरोग्यम अस्पताल उनकी सेवा के लिए सदैव तत्पर है। भविष्य में हम और भी व्यापक स्तर पर इस प्रकार के शिविर आयोजित करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। साथ ही कहा की पिछले 8 वर्षों से एच जेड बी आरोग्यम अस्पताल जनता जनार्दन की सेवा में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। हमारा उद्देश्य सिर्फ बीमारियों का इलाज करना नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाना है। यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार है। यही विश्वास हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में हम अपनी सेवाओं को और विस्तारित करेंगे, ताकि हर जरूरतमंद तक हमारा सहयोग पहुंचे और हर जीवन मुस्कुरा सके। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की सोमवार को आयोजित शिविर यह दिखाता है कि जब सेवा भाव और चिकित्सा का मेल होता है, तो समाज में सकारात्मक बदलाव आना निश्चित है। एच जेड बी आरोग्यम अस्पताल जनता की सेवा के लिए हर संभव प्रयास करता रहेगा। हमारा उद्देश्य हर जरूरतमंद तक सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। साथ ही कहा की पिछले 8 वर्षों की यह यात्रा अस्पताल की टीम के मेहनत, जनता के विश्वास और सेवा के प्रति हमारे समर्पण का परिणाम है।

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने शिव मंदिर का किया जीर्णोद्वार

विष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत चेडरा पंचायत के प्रखंड परिसर में अवस्थित शिवालय का जीर्णोद्वार प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार की देख रेख में संपन्न किया गया। जिसमें पंचायत के मुखिया निर्मल कुमार, पंचायत समिति सदस्य मुन्नी देवी एवं अन्य प्रतिनिधियों का सहयोग लिया गया। मंदिर का जीर्णोद्वार पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार एवं अन्य के द्वारा शिवालय में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। रुद्राभिषेक संपन्न होने के पश्चात नैवेद्य और खिचड़ी का वितरण सहस्त्रों ग्रामीणों के बीच किया गया। वही प्रखंड कार्यालय परिसर जो लगभग विगत 50 वर्षों से मानो कूड़े के ढेर में स्थापित हो का भी ध्यान रखते हुए कुमार के द्वारा कायाकल्प किया गया। मौके पर पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल की धर्मपत्नी ललिता देवी, बेड़ा हरियारा मुखिया रामचंद्र यादव, थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक सपन महथा, चिकित्सा प्रभारी अरुण कुमार, प्रखंड कार्यालय के बड़ा बाबू परवीन बक्शी, कोलेश्वर यादव, जूनियर इंजीनियर वीरेंद्र कुमार, पंचायत सचिव बैकुंठ दुबे, दीपक कुमार, चंदन कुमार, प्रीति कुमारी, प्रियंका कुमारी, बीपीओ राजमोहन वर्मा, पंचायत सहायक सुनील कुमार, वरिष्ठ पत्रकार ललित मिश्रा, हीरामन महतो, अनुज सिन्हा इत्यादि गण मान्य प्रतिनिधि गण एवं हजारों ग्रामीण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जागरूकता अभियान चलाया गया

बड़कागांव : बड़कागांव पंचायत में नई चेतना पर आधारित जेंडर अभियान हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय जागरूकता अभियान चलाया गय। जिसमें जेंडर आधारित हिस्सा के खिलाफ एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न ,महिला तस्करी, दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसे ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार के द्वारा नई चेतना के तहत जेंडर आधारित हिस्सा के विरोध राष्ट्रीय अभियान का एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ने कहा की महिलाओं में जागरूकता लाना बहुत जरूरी तभी समृद्ध समाज का निर्माण संभव होगा, आगे बताया कि जेंडर आधारित हिस्सा जिसमें घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, महिला तस्करी, दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल मजदूरी साइबर क्राइम इत्यादि विषयों पर अभियान में विशेष जानकारी में दी जा रही हैं। वहीं पूर्व भीखन महतो ने कहा की एसे विषयों में भविष्य में इन विषयों के विरुद्ध काबू पाया जा सके इसीलिए समय-समय पर जागरूकता अभियान होना अनिवार्य है। इस मौके पर मध्य जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, उपप्रमुख बचनदेव कुमार, पूर्व मुखिया भीखन महतो, पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार, पूर्व डीएसपी मुटुकेधारी महतो, पंचायत समिति सदस्य रंजीत चौबे, रितेश ठाकुर, गिन्नी वर्मा, बिना कुमारी, संगीता कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रबंधन समिति अध्यक्ष शंभू सोनी, पूर्व प्रबंधक समिति अध्यक्ष अजीत कुमार, खिरोधर महतो,इंग्लिश सोनी, पिंटू कुमार सहित अन्य महिला पुरुष शामिल थे।

मध्य विद्यालय सेलहारा के बच्चों ने देखी साइंस सिटी, तारामंडल एवं चिड़ियाघर

चौपारण : मध्य विद्यालय सेलहारा के बच्चे रविवार को अपने शिक्षकों संग शैक्षणिक परिभ्रमण पर कृषि विज्ञान केन्द्र डेमोटांड, रांची के साइंस सिटी, तारामंडल एवं बिरसा जैविक उद्यान ओरमांझी गए। वर्ग 6, 7 एवं 8 के 60 बच्चों ने साइंस सिटी में विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करने वाले लगी वस्तुओं एवं गतिविधियों को देखकर काफी रोमांचित हुए। तारामंडल का शो एवं थ्री डी शो देखकर ब्रह्मांड से संबंधित विभिन्न ग्रहों एवं सौर परिवार के बारे में जाना। साथ ही बिरसा जैविक उद्यान ओरमांझी का भ्रमण के क्रम में विभिन्न प्रकार के पशु पक्षी जैसे-शेर, बाघ, चीतल, हाथी को प्रत्यक्ष रूप से देखकर काफी अचंभित थे। विद्यालय के शिक्षक -सह-परिवर्तन दल सदस्य जनार्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि ऐसे भ्रमण कार्यक्रम से बच्चे जो पुस्तक में पढ़ते हैं उसे प्रत्यक्ष रूप से देखने से उनकी समझ काफी अच्छी बनती है। विद्यालय के प्र.अ. रामखेलावन रविदास ने कहा की प्रत्यक्ष देखने से बच्चों की अवधारणा सुदृढ़ होती है। बच्चों के साथ विद्यालय के शिक्षक जन्मेजय सिंह, बिजय कुमार, रामचंद्र साहु, राजेंद्र रविदास, विजय प्रसाद, राकेश कुमार सिंह, डैजी कुमारी, सिंह रंगीना कुमारी, विकास कुमार गए थे। उन्होंने बच्चों को समूह में सभी चीजों का अवलोकन कराते हुए उसकी जानकारी दी।

बरही प्रखंड कृषि कार्यालय में रबी फसल बीज वितरण कार्यक्रम संपन्न

बरही : सोमवार को बरही प्रखंड कृषि कार्यालय स्थित सिंगल विंडो केंद्र में रबी फसल बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के किसानों को रबी फसल के लिए आवश्यक बीज वितरित किए गए।बीज वितरण कार्यक्रम में बरही पूर्वी, रसोईया धमना, बेंदगी, बसरिया, कोनरा, बरसोत, दुल्माहा, करियतपुर, धनवार, रानीचूआ, खोंडाहार, केदारुत, गोरियाकरमा, करसो, बरही पश्चिमी, विजैया, भंडारों, कोल्हूआकला और डपोक पंचायतों के किसानों को शामिल किया गया। किसानों को उनकी जरूरतों के अनुसार उन्नत बीज उपलब्ध कराए गए, ताकि रबी फसल की पैदावार में सुधार हो सके। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, बरही बीडीओ जयपाल महतो, जिप सदस्य प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गणेश यादव, मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, मुकेश राम, मनोहर यादव, खिरोधर यादव और बीटीएम राकेश कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इन अधिकारियों ने किसानों को फसल की बेहतर उपज के लिए आधुनिक खेती के तरीकों और तकनीकी ज्ञान से अवगत कराया। प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, जीप सदस्या प्रीति कुमारी, जीप प्रतिनिधि गणेष यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीडीओ जयपाल महतो ने किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और उन्नत कृषि तकनीकों का उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति रही। किसानों ने बीज वितरण के इस प्रयास को सराहा और इसे अपनी फसलों की गुणवत्ता और उपज को बढ़ाने के लिए सहायक बताया।

एक नजर

हाई कोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को राहत बरकरार

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ 9 जनवरी तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है। उस दिन अदालत इस मामले में अंतिम सुनवाई करेगा। यह मामला देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने से जुड़ा हुआ है। जिसमें उनके ऊपर शिवदत्त शर्मा की ओर से निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में दोनों मामलों की सुनवाई हुई। निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने बहस की।

पीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

रांची : मालिक को फंसाने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में झारखंड के धनबाद जिला वासेपुर के न्यू मटकुरिया निवासी मिर्जा नदीम बेग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में धनबाद के बैंक मोड़ थानेदार लव कुमार ने उसके पिता आरिफ बेग और भाई मासूम रजा को थाने बुलाकर घंटों पूछताछ की। इसमें पता चला कि नदीम ने मालिक को फंसाने के लिए पीएम मोदी को धमकी भरा मैसेज भेजा था। बता दें कि नदीम को शनिवार को अजमेर रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था। आरोप है कि उसने अपने मोबाइल से महाराष्ट्र के गोवंडी थाने के व्हाट्सऐप नंबर पर मैसेज भेज कर बताया था कि उसकी कंपनी का मालिक धनबाद में हथियार की फैक्ट्री चलाता है। उसका मालिक प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रच रहा है। वह ट्रेन में भी विस्फोट करने की योजना बना रहा है। मैसेज मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने फोन करने वाले का लोकेशन अजमेर में मिलने पर अजमेर पुलिस से संपर्क साधा। इसके बाद नदीम को दबोच लिया गया था। पूछताछ में पता चला कि नदीम गुजरात के पालनपुर की एक कंपनी में काम करता है। कंपनी के मालिक से विवाद के बाद उसने अपने मालिक को फंसाने के लिए यह मैसेज भेजा था। वह अजमेर से दिल्ली जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचा था। पूछताछ में पता चला कि नदीम सऊदी अरब में भी काम कर चुका है। पुलिस नदीम के घरवालों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

अवैध रेलवे ई-टिकट बेचने के मामले में एक गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन रउपलब्धर के तहत रेलवे ई-टिकट के अवैध व्यवसाय पर कार्रवाई की है। आरपीएफ के उपनिरीक्षक सूरज पांडे ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने पुंदाग ओपी पुलिस की सहायता से पुंदाग रोड के छोटी मस्जिद के समीप वसीर कॉम्प्लेक्स स्थित अरिशा कंप्यूटर सेवा नामक किराए की दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान की जांच करने पर 15 पास किये गए ई-टिकट बरामद किए गए, जो दो पर्सनल यूजर आईडी से बनाए गए थे। इन टिकटों की कुल कीमत 43 हजार 822 थी। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह व्यक्तिगत लाभ के लिए इन आईडी का उपयोग कर रेलवे ई-टिकट बना रहा था और प्रत्येक टिकट पर यात्रियों से वास्तविक किराए के अतिरिक्त 50 रुपये लेता था। आरोपित दुकानदार जावेद अख्तर को रेलवे एक्ट की धारा 179(2) के तहत गिरफ्तार किया गया और धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया।

झारखंड के 59 हजार पारा शिक्षकों को नए साल की सौगात, अगले ही महीने से मिलने लगेगा लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के 59 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापकों) को नए साल के मौके पर एक बड़ी गिफ्ट मिली है। जनवरी 2025 से उन्हें 4 फीसदी बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। यह बढ़ोतरी तीन साल के लिए निर्धारित की गई है, जो 2027 तक लागू रहेगी।

जानें विभाग ने क्या लिया है निर्णय

स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा तय की गई नई राशि के अनुसार, कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 25,200 रुपये मानदेय मिलेगा, जबकि कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले टेट पास शिक्षकों को 23,530 रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, केवल प्रशिक्षित शिक्षक जो कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाते हैं, उन्हें 20,384 रुपये मिलेंगे। आकलन परीक्षा पास करने वाले कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों को 21,788 रुपये मिलेगा। वहीं, कक्षा 1 से 5 तक के केवल प्रशिक्षित पारा शिक्षकों को 18,816 रुपये, और आकलन परीक्षा पास शिक्षकों को 20,112 रुपये मिलेंगे।

अभी कितना मिल रहा है मानदेय

वर्तमान में कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने वाले टेट पास शिक्षकों को 24,300 रुपये, कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले टेट पास शिक्षकों को 22,680 रुपये, प्रशिक्षित कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों को 19,656 रुपये और आकलन परीक्षा पास शिक्षकों को 21,008 रुपये मिलते हैं। साथ ही, कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले केवल प्रशिक्षित पारा शिक्षकों को 18,144 रुपये और आकलन परीक्षा पास करने वालों को 19,392 रुपये मानदेय मिलता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग बने भ्रष्टाचार का गढ़ : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग, जिनसे राज्य की नींव मजबूत होनी चाहिए, अब भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े होकर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गए हैं। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को पोस्ट में लिखा है कि सिर्फ 2024 में अब तक 39 अधिकारियों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। ईडी ने 2024 में 39.28 करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जो 2022 के आंकड़े से लगभग दोगुना है। यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है। बार-बार रिश्वत में पकड़े जाने वाले कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करना दशार्ता है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा ही नहीं है। यह कितना शर्मनाक है कि जिन विभागों का कार्य आम जनता को राहत देना है, वे जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने में लगे हैं। सरकार की लचर नीतियां और कमजोर व्यवस्था ने भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है। ऐसे में झारखंड का विकास एक सपना बनकर रह गया है।

जमीन विवाद सुलझाने गए थे थाना प्रभारी, खुद हो गए घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जमीन विवाद के कारण चान्हो थाना क्षेत्र में एक बार फिर हिंसक झड़प हुई, जिसमें थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता घायल हो गए। यह घटना बिजुपाड़ा-खलारी रोड स्थित सिटी मोड़ के पास घटी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पांच दिसंबर को सिटी गांव के बसंत टाना भगत द्वारा जमीन पर चहारदीवारी का निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इस पर चोरेया मोड़ निवासी कर्मवीर सिंह ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि कर्मवीर सिंह के साथ मारपीट की गई और उसे घायल कर दिया गया। सात दिसंबर की शाम को पिपराटोली के पप्पू शाही और उसके साथियों ने कथित तौर पर बसंत भगत के साथ मारपीट की। इसके बाद मामला और गंभीर हो गया। विवाद ने हिंसक रूप ले लिया जब एक पक्ष के लोग गोलबंद हो गए और पिपराटोली जाकर पप्पू शाही के मकान में तोड़फोड़ की। इसी बीच विवाद को शांत कराने पहुंचे चान्हो थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता भी झड़प में घायल हो गए। घटना के बाद चान्हो थाना में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। घटना के बाद से सिटी गांव और पिपराटोली इलाके में तनाव व्याप्त है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

किसी भी परिस्थिति में कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी : दीपक बिरुआ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजस्व, भूमि सुधार एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ विधानसभा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद सोमवार को एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने विभागीय मंत्री के तौर पर पद ग्रहण करने के बाद अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए। बिरुआ ने पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले भू-राजस्व और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने विभागीय पदाधिकारियों को राजस्व संग्रहण बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिसंबर के बाद भू-राजस्व के संदर्भ में सभी प्रमंडलीय आयुक्तों के साथ बैठक आयोजित करें। तत्पश्चात जिला स्तर में कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने परिवहन सचिव और भू-राजस्व विभाग के सचिव को इसके लिए स्पष्ट निर्देश दिया।

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का झांसा देकर 37 करोड़ ठगा, बिहार से मास्टरमाइंड धराया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस एडमिशन का झांसा देकर करोड़ों रुपये ठगने वाले रैकेट के मास्टरमाइंड निशांत सिंह उर्फ नितांत को बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है . झारखंड पुलिस ने मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस के सहयोग से रविवार देर शाम उसे गोबरसही से दबोचा। निशांत ने आकाशवाणी पटना और रांची दूरदर्शन केंद्र में कार्यरत दो अफसरों से उनकी पुत्रियों का एमबीबीएस में नामांकन कराने के नाम पर 37 लाख रुपये ठगे थे।

क्या है पूरा मामला

पुलिस ने बताया कि निशांत ने ओमप्रकाश झा से 18 l41 लाख और दिव्य दिवाकर दिनेश से भी इतनी ही राशि ठगी थी। इन दोनों से रुपये लेने के बाद निशांत ने उन्हें नामांकन में देरी होने का बहाना बनाकर पोस्ट डेटेड चेक दिए, जो बाउंस हो गए। कई बार प्रयास करने के बावजूद रुपये वापस नहीं मिले। इसके बाद ओमप्रकाश झा ने 9 मई को रांची के जगन्नाथपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

लखनऊ के केजीएमयू में नामांकन का दिया था झांसा

पुलिस की छानबीन में पता चला कि निशांत सिंह ने ओमप्रकाश और दिव्य दिवाकर की पुत्रियों का नामांकन लखनऊ के केजीएमयू में कराने का झांसा दिया था।

निशांत ने रुपये अपने भाई सुशांत के खाते में ट्रांसफर करवाए थे। काफी समय बाद जब वह रुपये वापस नहीं कर सका, तो उसने फरार होकर रांची छोड़ दिया था। बाद में पुलिस ने उसके मोबाइल की लोकेशन ट्रैक कर उसे गिरफ्तार किया। अब रांची पुलिस निशांत से आगे की कार्रवाई करेगी।

गीता जयन्ती पर विशेष : गीता का कालातीत ज्ञान

विवेक अत्रे

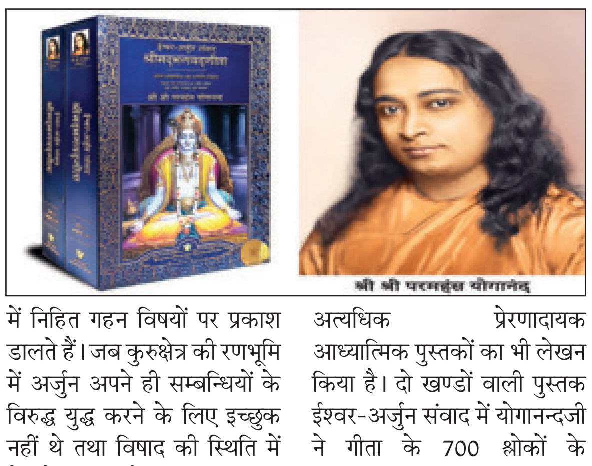

श्री श्री परमहंस योगानंद

भारत के बच्चों ने अपने बचपन में जितनी भी कहानियां सुनी हैं, उनमें से महाभारत की कथा ने उन्हें अनेक सदियों से सबसे अधिक आकर्षित किया है। महाभारत-कथा कथानक, उपकथानकों, पात्रों और छलकपट इत्यादि विविध जटिलताओं से पूर्ण है, तथापि इसका सार गीता के सन्देश में निहित है। श्रीमद्भगवद्गीता स्वयं भगवान् द्वारा अपने भक्त महान् पाण्डव योद्धा अर्जुन को प्रदान किये गए कालातीत, युगान्तरकारी और शाश्वत एवं दिव्य धर्मोपदेश की एक अत्यन्त उत्कृष्ट प्रस्तुति है। ऐसा सत्य ही कहा गया है कि एक भक्त किसी समय में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के जिस चरण में होता है, श्रीमद्भगवद्गीता यात्रा के उस खण्ड पर अपना प्रकाश डालती है। प्रत्येक वर्ष दिसम्बर के महीने में सम्पूर्ण विश्व में गीता जयन्ती मनाई जाती है और विशेष रूप से इस अवधि में ज्ञानीजन इस महान् ग्रन्थ में निहित गहन विषयों पर प्रकाश डालते हैं। जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन अपने ही सम्बन्धियों के विरुद्ध युद्ध करने के लिए इच्छुक नहीं थे तथा विषाद की स्थिति में थे, तो प्रत्युत्तर में भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अपने रूपान्तरकारी एवं प्रेरक शब्दों के साथ परम सत्य का उपदेश दिया। श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा रचित पुस्तक ईश्वर-अर्जुन संवाद श्रीमद्भगवद्गीता और उसमें अन्तर्निहित सन्देश की एक अत्यन्त गहन आध्यात्मिक व्याख्या है। योगानन्दजी ने वैश्विक स्तर पर अत्यन्त लोकप्रिय पुस्तक, योगी कथामृत तथा अनेक अन्य अत्यधिक प्रेरणादायक आध्यात्मिक पुस्तकों का भी लेखन किया है। दो खण्डों वाली पुस्तक ईश्वर-अर्जुन संवाद में योगानन्दजी ने गीता के 700 श्लोकों के वास्तविक महत्व का विस्तृत विश्लेषण किया है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेश का सार यह है कि हम सब आत्मा हैं, शरीर नहीं, और अन्ततः हमारे भीतर विद्यमान पाण्डवों को हमारे भीतर विद्यमान कौरवों पर विजय प्राप्त करनी होगी, ताकि आत्मा जन्म और मृत्यु के अन्तहीन चक्रों से मुक्त हो सके। भगवान ने जिस प्रकार अपने शिष्य अर्जुन को सर्वोच्च युद्ध लड़ने का परामर्श दिया था, उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य को अपने अहंकार, आदतों, क्रोध, बुराई, वासना और भौतिक इच्छाओं पर विजय पाने का प्रयास करना चाहिए, ताकि वह अन्तिम मोक्ष प्राप्त कर सके। योगानन्दजी बताते हैं कि महाभारत का प्रत्येक पात्र एक अद्वितीय गुण का प्रतीक है, जिसे हमें पराजित करना है अथवा उसका पोषण करना है—यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह गुण अन्दर विद्यमान दुष्ट कौरवों का प्रतिनिधित्व करता है या नेक पाण्डवों का।

योगानन्दजी की क्रियायोग शिक्षाओं में गीता का मूल सन्देश निहित है। क्रियायोग आत्म-साक्षात्कार का सर्वोच्च मार्ग है। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया (वाईएसएस) द्वारा प्रकाशित योगानन्दजी की गृह अध्ययन पाठमाला में क्रियायोग ध्यान प्रविधियों के विषय में चरणबद्ध निर्देश सम्मिलित हैं। यह योगदा सत्संग पाठमाला सभी सत्यान्वेषियों के लिए उपलब्ध है तथा इस पाठमाला के माध्यम से लाखों भक्तों ने अपनी आध्यात्मिक खोज को तीव्र करने की क्षमता प्राप्त की है। श्रीमद्भगवद्गीता में ध्यान की इस उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रविधि क्रियायोग का दो बार उल्लेख किया गया है। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी की लीला के माध्यम से मानवजाति ने पुनः इसकी खोज की। बाबाजी ने अपने शिष्य और योगानन्दजी के परम गुरु लाहिड़ी महाशय को इसका ज्ञान प्रदान किया। लाहिड़ी महाशय ने स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि को ह्क्रियायोगह्व की दीक्षा प्रदान की और तत्पश्चात उन्होंने अपने प्रमुख शिष्य योगानन्दजी को दीक्षा प्रदान की। भारत में एक कहावत है, जहाँ कृष्ण हैं, वहाँ विजय है! वस्तुतः वे लोग अत्यन्त भाग्यशाली हैं, जिन्होंने अपनी जीवनशैली का निर्माण गीता की शिक्षाओं के अनुरूप किया है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक राजेश कच्छप की जीत के बाद घोष बंग समाज ने किया स्वागत

रांची : खिजरी विधानसभा सीट से हाल ही में हुए चुनावों में विधायक राजेश कच्छप की ऐतिहासिक जीत के बाद घोष बंग समाज नामकुम के लोगों ने उन्हें बिमल घोष के अगुवाई में बुके दे कर बधाई दी। समाज के लोगों ने इस मौके पर विधायक के सफल कार्यकाल की कामना की। घोष बंग समाज के अध्यक्ष ने बिमल घोष ने विधायक जी सराहना करते हुए कहा कि खिजरी क्षेत्र के विकास और गरीबों के उत्थान के लिए विधायक का योगदान अद्वितीय हमेशा हमारे समाज के हितों के लिए काम किया है। उनकी जीत से हमें उम्मीद है कि क्षेत्र का विकास और तेजी से होगा और सभी वर्गों को इसका लाभ मिलेगा। खिजरी क्षेत्र के विकास और गरीबों के उत्थान के लिए विधायक का योगदान अद्वितीय है। विधायक ने इस अवसर पर समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, घोष बंग समाज और खिजरी क्षेत्र के लोगों ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं दिल से धन्यवाद करता हूं। मैं वादा करता हूं कि आपके सपनों को साकार करने के लिए मैं पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम करूंगा। साथ ही मैं खिजरी क्षेत्र के हर वर्ग के विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हूं। मौके बिमल घोष, मुरली धार, दिलीप रंजन मनोज ठाकुर, एस के सिंह, अनु बैग, सोभा देवी, बोरिनिका कच्छप, शशि टोपो, बबन घोष, पीयूष घोष, प्रदीप घोष, राजू सोनी, मीनू सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

सेना के कब्जे वाली जमीन से जुड़े मामले में छवि रंजन की जमानत पर फैसला 12 को

रांची : सेना के कब्जे वाली जमीन की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में आरोपित रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत पर पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले में फैसले की तिथि 12 दिसंबर को निर्धारित की है। ईडी ने इस संबंध में कांड संख्या 01/2023 दर्ज किया है। जमीन घोटाले की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है। सभी आरोपित फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रेम विवाह के बाद पति दूसरी लड़की से करने लगा था प्यार, पत्नी ने की खुदकुशी

रांची : राजधानी रांची के कांके थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज खबर है, जहां पंडरा बनहोरा निवासी 25 साल की शालिनी टोप्पो ने कीटनाशक पीकर खुदकुशी कर ली है। वह चान्हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स का काम करती थी। जनवरी 2022 में ही पंडरा बनहोरा के रहने वाले रवि विकास तिर्की के साथ लव मैरेज किया था। मृतका के मायके वालों का कहना है कि शालिनी का पति का किसी अन्य लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बात पर दोनों में अक्सर विवाद होता रहता था। शालिनी कांके थाना क्षेत्र के टंगराटोली बाजारटांड़ निवासी सुनील टोप्पो की पुत्री थी। मृतका के मायके वालों ने बताया कि कुछ माह पहले इसी विवाद को सुलझाने के लिए कांके स्थित उसके मायके में दोनों पक्षों की बैठक भी हुई थी। इसके बाद घरवालों ने शालिनी को ससुराल भेज दिया था, परंतु इस समस्या का कोई हल नहीं निकला। वहीं, शनिवार की शाम चान्हो सीएचसी से ड्यूटी कर लौटने के दौरान ही शालिनी ने कीटनाशक पी ली और मांडर मरियमटोली स्थित अपनी बहन के ससुराल चली गई और वहां उसे अपने बैंक पासबुक, एटीएम समेत कुछ अन्य कागजात सौंप दी। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तब शालिनी के बहन-बहनोई ने उसे मांडर मिशन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसने दम तोड़ दिया।

झारखंड में अब प्राइवेट यूनिवर्सिटी खोलना हुआ आसान

रांची : झारखंड में हेमन्त सरकार ने निजि विवि अधिनियम को अधिसूचित कर दिया है। इससे अब राज्य में प्राइवेट यूनिवर्सिटी खोलना काफी आसान हो गया है। इसके लिए केवल कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। बता दें कि अपना निजी विवि खोलने के लिए नगर निगम के अंतर्गत कम से कम 5 एकड़ जमीन और नगर निगम सीमा से बाहर कम से कम 15 एकड़ जमीन होना जरूरी है। इसके अलावा जमीन का दखल या पट्टा कम से कम 30 साल के लीज पर होना चाहिए। साथ ही विशविद्यालय बनाने के साथ ही जमीन का इस्तेमाल दूसरे कार्यो में नहीं करना होगा। ऐसी जमीन की स्थापना के लिए लोन लेने के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए किसी भी विधि वित्तीय सहायता या बैंक इत्यादि के सामने गिरवी नहीं रखी जायेगी। इन सभी के साथ ही नगर निगम क्षेत्र में भूमि के लिए 10 करोड़ रुपये और नगर निगम के बाहर की जमीन लिए 7 करोड़ रुपये का निधि रखना अनिवार्य होगा। राज्य में प्राइवेट यूनिवर्सिटी खोलने के लिए आपको पुस्तकालय, व्याखनमाला, सभागार, विद्यार्थी संसाधन केंद्र, खेल सुविधा और प्रयोगशाला आदि का भी कम से कम 12000 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र में निर्माण कराना होगा। साथ ही इसके तहत वऋ के नियमों का पालन करना होगा।नियमानुसार होगी शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति जानकारी हो कि निजी विवि में भी कुलपति, कुलसचिव, शिक्षक और कर्मचारियों की नियुक्ति नियमानुसार ही करनी होगी। इसके साथ ही निजी विवि बनाने के लिए 5 लाख के शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। इसके अलावा विवि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम करना होगा। एकेडमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए प्रस्तावित दृष्टिकोण और प्रारंभिक योजनाएं व अंकेक्षण कराना होगा। इन निजी विवि में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग और विकलांग विद्यार्थियों सहित आर्थिक या सामाजिक रूप से पिछड़े परिवारों के विद्यार्थियों को शुल्क में रियायत अगर मिलता है, तो उसे देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा विवि में राज्य की नीतियों जैसे औद्योगिक और निवेश प्रोत्साहन नीति, स्टार्टअप नीति, ऊर्जा नीति, स्वास्थ्य नीति, खनन नीति आदि के साथ खुद को शिक्षित करने की प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा। प्राइवेट यूनिवर्सिटी के लिए निदेशक उच्च शिक्षा विभाग के स्तर पर जांच समिति भी रहेगी।

रांची में कॉलेज और स्कूल की 100 मीटर की परिधि साइलेंस जोन घोषित : एसडीओ

रांची : रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने सोमवार को कहा कि उच्च न्यायालय के आदेशानुसार स्कूल और कॉलेज के 100 मीटर की परिधि में भी साइलेंस जोन घोषित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण की शिकायत टोल फ्री नबंर 112 या थाना में करने वाले शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतया गोपनीय रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि रात 10 बजे से सुबह 06 बजे तक किसी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण नहीं करना है और किसी प्रकार का लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करना है।

एक नजर

इस्कॉन कुसुम बिहार ने आयोजित की विशेष प्रार्थना सभा

धनबाद : बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आज इस्कॉन कुसुम विहार के द्वारा विशेष प्राथना का आयोजन किया गया। प्राथना सभा में सभी भक्तो ने हरि नाम जाप एवं कीर्तन कर भगवान से बांग्लादेशी हिंदुओं के सुरक्षा के लिए प्राथना किया और सभी देशवासियों को एक होने का निवेदन किया। इस्कॉन कुसुम विहार प्रबंधक सुंदर गोविंद प्रभु ने सभी भक्तो से आग्रह किया कि वो धर्म को समझे, अपने ग्रंथों का अध्ययन करे और एक रहे।
अगर सभी सनातनी विभिन्न जात या समाज में ना बट कर एक रहे तो एक सकारात्मक विचार का माहौल बनेगा और सभी अपने धर्म की रक्षा कर सकेंगे।
सभा के पश्चात भक्तो के मध्य प्रशाद का वितरण किया गया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में सोनिया गांधी का 78वां जन्मदिन मना

बोकारो : जिला कांग्रेस कार्यालय दुदीबाग में बोकारो कांग्रेस कार्यकताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति की सशक्त आवाज पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, कांग्रेस संसदीय दल के चेयरपर्सन आदरणीय श्रीमति सोनिया गांधी जी का 78 वा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। कार्यकताओं ने केक काटकर और मिष्ठान वितरण कर उन्हें बधाई दिया। इस अवसर पर सैकड़ो असहाय, जरूरतमंदों लोगों के बीच कम्बल वितरण कर उनके दीघार्यु की कामना किया गया। मौके पर श्री गुप्ता ने सहृदय ईश्वर से कामना करते हुए कहा कि त्याग की प्रतिमूर्ति,नारी शक्ति की सशक्त आवाज, कांग्रेस संसदीय दल के चेयरपर्सन आदरणीय सोनिया गांधी जी आप स्वस्थ रहे,दीघार्यु हो हम सभी का मार्गदर्शन बने रहे। इस मौके पर अशोक मिश्रा,कमरुल हसन,प्रेम पासवान, जीतेन्द्र यादव,नजीर अहमद, रेनू देवी आदि लोग मौजूद रहे।

दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया

चाईबासा : दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया है। चाईबासा जिले के ग्रामीण नक्सलियों के खिलाफ एकजुट हो गये हैं और जन आंदोलन छेड़ दिया है। चाईबासा के गुदड़ी और गोइलकेरा इलाके के 100 गांवों के करीब 15 हजार से ज्यादा ग्रामीण तीर-धनुष, तलवार और पारंपरिक हथियार के साथ सड़क पर उतर आये हैं। ग्रामीण चार दिन से इन इलाकों में पहाड़ी के 40 किमी दायरे में ऑपरेशन सेंदरा चला रहे हैं। इस क्रम में ग्रामीणों ने पीएलएफआई के ग्रुप लीडर मेटा टाइगर को तीर से मार गिराया था। इसके बाद ग्रामीणों ने मोटा टाइगर के शागिर्द गोमिया नामक उग्रवादी को भी गुदड़ी में घेरकर रविवार को मार दिया। हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दो लोगों की हत्या से ग्रामीणों में आक्रोश गुदड़ी के गिरू गांव में 24 नवंबर को रवि तांती और खूंटी निवासी सनसा टोपनो की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी थी। इस वारदात में परिवार के अन्य सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचायी थी। घटना में गुदड़ी पुलिस ने पीएलएफआई कमांडर मोटा टाइगर व गोमिया पर हत्या व उग्रवादी हिंसा का केस दर्ज किया था।

तकनीकी रूप से देश को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है आईआईटी-आईएसएम : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सोमवार को धनबाद आईआईटी-आईएसएम पहुंचे। जहां उन्हें जिला पुलिस के द्वारा कैंपस परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे आईआईटी-आईएसएम के 99वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बता दें कि आज ही के दिन साल 1926 में 22 छात्रों और 3 शिक्षकों के साथ भारतीय खनि विद्यापीठ की शुरूआत हुई थी। इसके बाद राज्यपाल संतोष गंगवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल के द्वारा देशभर में बेहतर कार्य करने वाले पूर्ववर्ती छात्रों और फेकल्टी को सम्मानित किया गया। इस मंच पर चेयरमैन कोल इंडिया पीएम प्रसाद, निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा, दुगार्पूर स्टील प्लांट के निदेशक प्रो. बीपी सिंह मंच पर मौजूद रहे।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यपाल संतोष गंगवार

राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी-आईएसएम पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था से आगे बढ़कर देश के विकास के लिए तकनीकी रूप से देश को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। इसके लिए ये संस्थान साधुवाद का पात्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है। जब से पीएम मोदी आये हैं देश में तकनीकी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है। आप सभी विकसित भारत के दिशा में आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। समाज में बदलाव लाने के लिए जो होना चाहिए वो आप लोग कर रहे हैं। आईआईटी-आईएसएम की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भविष्य में इनोवेटर्स और बड़े समाज सुधारक पैदा करने के लिए आईआईटी प्रयत्नशील है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि आप वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से अपनी शिक्षा का उपयोग करें।विकसित भारत तभी संभव है जब सभी अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे। झारखंड के संबंध में उन्होंने कहा कि यहां के छात्रों की प्रतिभा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता, हमारा लक्ष्य विकसित भारत है उसमें आपकी भमिका महत्वपूर्ण है।

इस बार ऐतिहासिक होगा महायज्ञ : ढुल्लू महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : चिटाहीधाम रामराज मंदिर परिसर में फरवरी 2025 में भव्य महायज्ञ होगा। महायज्ञ व शोभा यात्रा को लेकर आज मंदिर परिसर में बाघमारा क्षेत्र के रामभक्तों की बैठक हुई। मौके पर मुख्य यजमान सह धनबाद सांसद ढुलू महतो, उनके बड़े भाई बाघमारा विधायक शत्रुधन महतो की उपस्थिति में महायज्ञ व शोभा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने को लेकर रामभक्तों ने अपने सुझाव दिये। महायज्ञ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सहित कई वरिष्ठ नेता, कथा वाचक देवकी नंदन, अनिरुद्धचर्या जी, राजन महाराज, भोजपुरी गायक पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह, गायिका शहनाज, कुमार विश्वास आदि आयेंगे. शोभा यात्रा में विभिन्न प्रदेशों के 51 तरह के बैंड बाजे, हाथी, घोड़ा, ऊंट तथा झांकियां शामिल रहेंगी। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि चिटाही धाम में महायज्ञ को लेकर नामकरण, महायज्ञ की तिथि, भव्य शोभा यात्रा, यज्ञ समिति का गठन, यज्ञ स्थल का निर्माण, मंदिर की सज्जा, लाइट, पंडाल की व्यवस्था, महाभंडारा, प्रचार-प्रसार व बैनर की व्यवस्था को लेकर सभी रामभक्तों की जिम्मेवारी है. नौ दिवसीय महायज्ञ इस बार ऐतिहासिक होगा. विधायक शत्रुधन महतो ने कहा कि महायज्ञ को सफल बनाने के लिए सभी रामभक्तों को तैयारी में लग जाना है। मौके पर बच्चू राय, शेखर सिंह, लाल बहादुर महतो, दिनेश महतो, अमित सिन्हा, रघुनाथ हजारी, संतोष गोराई, राजू शर्मा, हरखलाल महतो, पप्पू सिंह, बंटी बाउरी, सुभाष राय, दिनेश रवानी, धनेश्वर महतो, भीम रवानी, जीतन भुईयां, संतोष दास, प्रकाश चौहान, राजेश सिंह, नागेंद्र सिंह, राजीव मित्रा आदि लोग उपस्थित थे।

जनहित के कार्य लिए मसीहा बनेगा क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : डिगवाडीह गुप्ता मेडिकल के पास जनहित कार्य के लिए आयोजित बैठक में क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मोर्चा के पदाधिकारियों का चयन किया गया।बैठक की अध्यक्षता रामप्रवेश यादव ने किया।इस बैठक में काफी संख्या में समाजसेवी, राजनीतिज्ञ बुद्धिजीवी उपस्थित थे। बैठक की चर्चा में झारखण्ड की आम जनता की समस्याओं से अवगत कराया गया।साथ ही लोगों की दर्जनों समस्याएं निकल कर सामने आई। वंचितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई।उपस्थित लोगो ने निराकरण के सभी बिंदुओं पर एक साथ लड़ने के लिए आवाज उठाई। मोर्चा के सचिव व बैठक के संचालनकर्ता अनिल बाउरी ने कहा की मोर्चा का गठन जनहित के लिए है अगर जनहित के लिए लड़ाई लड़नी होगी तो मरते दम तक लड़ते रहेंगे। आज तक जनहित कार्यों के लिए कोई मोर्चा नहीं बना है ये पहली बार जनहित के कार्यों के लिए क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा का गठन किया गया है। इस कार्य में महिला, पुरुष, बच्चे, शिक्षा से वंचित बच्चे, स्वास्थ से व आर्थिक स्थिति से कमजोर मजदूरों, बेरोजगारी जैसी अनेकों समस्याओं के समाधान को लेकर कार्य करेगी। अगर जनहित के कार्य के लिए सरकार से भी लड़नी पड़ी तो हम लोगो पीछे नहीं हटेंगे। मोर्चा के अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने कहा समान काम का समान वेतन दिया जाए, पारा मेडिकल, पारा शिक्षक में से पारा नाम को जल्द जल्द हटाया जाए।बैठक में मुख्य रूप से ओबीसी एससी एसटी एवं माइनॉरिटीके जिला महासचिव गोपाल यादव अपने संबोधन में कहा कि जनहित कार्यों के लिए सभी मोर्चा के साथ चले और लोगों का आवाज बुलंद करें।

बायोमेट्रिक के लिए धन्यवाद लेकिन मेडिकल के लिए जारी रहेगा आंदोलन : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पातकमीर्यों एवं ठेकाकमीर्यों के ज्वलंत समस्याओं के लिए प्लांट मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज पांचवें दिन ब्लास्ट फर्नेस कैन्टीन रेस्ट रूम मे आज मजदूरों की अहम बैठक हुई जिसमे काफी संख्या मे मजदूरों ने भाग लेते हुए एन जे सी एस नेता एवं प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया । अध्यक्षता बिभाग के युनियन नेता रमा रवानी ने किया जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने किया ।मुख्य बक्ता झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री ने अपने संबोधन मे कहा कि प्लांट के उत्पादन और मुनाफा मे 90% भागीदारी आज ठेकाकमीर्यों का है बाबजूद प्रबंधन और एन जे सी एस के नेताओं के द्वारा यह लगातार प्रताड़ित हो रहा है । जय झारखंड मजदूर समाज लगातार मजदूरों के ज्वलंत समस्याओं को लेकर 360 दिन मजदूरों के साथ मिलकर आन्दोलन करता रहा है जिसमे दस लाख का ग्रुप इनस्योरेंस और बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजरी बनबाना प्रमुख मांगो मे से दो था जिसे प्रबंधन ने कर दिखाया जिसके लिए हमारी युनियन ने इसके लिए प्रबंधन को धन्यवाद और बधाई भी प्रेषित कर चूका है लेकिन 39 महिने का एरियर,,युनियन चूनाव, संबिदा मे 75% स्थानीय को रोजगार, मेडिकल जांच मे हो रहे अत्यधिक बिलम्व, रात्री पाली भत्ता,साईकिल भत्ता,केन्टीन भत्ता जैसा अहम मांगे पर प्रबंधन के द्वारा टाल मटोल के निति के खिलाफ आन्दोलन तब तक चलता रहेगा जब तक समाधान नही हो जाता । 39 महिने का एरियर को लेकर जोर शोर से ढ़ोल पीट-पीटकर कहने बाले कि दो से तीन किस्त मे एरियर मिलने की बात एन जे सी एस मे तय हो चूका है वह आज गुंगा बन चूका है । प्रबंधन जल्द से जल्द मेडिकल जांच का बैकलॉग जल्द से जल्द खत्म कर मजदूरों को गेट पास निर्गत करें और 39 महिने का एरियर सहित लम्बित मांगो को पूरा करें।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बालीडीह सड़क दुघर्टना में 26 वर्षीय रवि वर्णवाल की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे की है, मृतक रवि वर्णवाल बालीडीह नरकरा क्षेत्र स्थित एनएच 23 किनारे निवासी अशोक वर्णवाल का बड़ा पुत्र था। मौत से नाराज मृतक के परिजनों व स्वजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच 23 जाम कर दिया। फोरलेन की दोनों सड़कों पर वाहनों की कतार लग गई। बालीडीह थाना पुलिस सड़क जाम पर बैठे परिजनों को समझने का प्रयास करते रहे। बताया जाता है कि रवि वर्णवाल बियाडा क्षेत्र स्थित एक कंपनी में काम करता था। अपनी अपाची बाइक से ड्यूटी जा रहा था, कि एनएच 23 पर पीछे जैनामोड़ की ओर से तेज रफ्तार से आ रही फोर्च्यून कार ने बालीडीह पेट्रोल पंप के निकट, उसे अपनी चपेट में ले लिया। कार की रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाइक के साथ दुर्घटना के बाद भी कार फोरलेन के दूसरी सड़क पर जंप कर जा पहुंचा, जहां एक ऑटो को भी चपेट में ले लिया। घायल ऑटो का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वहीं, घटनास्थल पर ही रवि की मौत हो गई। हादसा के बाद फॉर्च्यूनर कार का चक्का ब्लास्ट कर गया। कार सवार को भी थोड़ी बहुत चोट लगी। बालीडीह थाना पुलिस कार को थाना ले गई। बताया जाता है कि आज रवि के नानी का दशकर्मा श्रद्ध है। इसी बीच रवि वर्णवाल की दर्दनाक मौत से पूरा परिवार सहम उठा।
रवि अपने भाई शनि कुमार वर्णवाल की पढ़ाई की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी थी।

तम्बाकू में पाया जाने वाला रसायनिक आने वाली पीढ़ी को बर्बाद कर सकता है : प्राचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : केन्द्रीय विद्यालय-1 बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य श्री मनोज कुमार के द्वारा की गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम,रीङ्गल्लर्ि ल्लर्ि रेङ्गी व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टाल फ्री नम्बर 1800-11-2356 एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के मुख्य बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। जिला परामर्शी के अनुसार झारखण्ड के अन्दर 38.9 प्रतिशत लोग तम्बाकू का उपयोग किसी न किसी रूप में करते है जिसमें 59.7 प्रतिशत पुरूष, 17 प्रतिशत महिलायें एवं ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे - 2019, -4 के अनुसार 5.1 प्रतिशत बच्चे ऐसे है जो सिर्फ 13-15 आयु में तम्बाकू का उपयोग करना शुरू कर देते है। स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू का नशा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है इसको हमारे देश में करोड लोग इस्तेमाल करते है इनमें कमी लाने के लिये हम सबको आगे आना होगा नही तो तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोआक्साईड, टार, बेंजीन आदि रसायनिक गैसें भी हमारे आने वाले पीढी को कितना नुकसान कर सकते है आप अन्दाजा नही लगा सकते। ऐसे में हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि यदि आप तम्बाकू का उपयोग करते है तो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से सम्पर्क कर तम्बाकू छोड कर तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण करें और बच्चों से अनुरोध है कि यदि आपके माता पिता भी इसका उपयोग करते है तो उन्हें भी तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दे। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य श्री मनोज कुमार, जिला परामर्शी मो0 असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ रामचंद्र कुमार को मिला ईडीसी रिसर्च फेलो अवार्ड

धनबाद : आर. एस. पी. कॉलेज झरिया धनबाद के बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रामचंद्र कुमार को ईडीसी रिसर्च फेलोशिप अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड इन्हें एजुकेशन डेवलपमेंट कॉउन्सिल पटना के द्वारा अल सतत विकास पर फातिमा डिग्री कॉलेज, पटना मे आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन मे दिया गया। ज्ञात हो कि डॉ रामचंद्र को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। डॉ रामचंद्र शिक्षा एवं समसामयिक विषयों पर 10 पुस्तकों का संपादन एवं लेखन किया है। सम्मान मिलने पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ नीलेश कुमार सिंह एवं बीएड विभाग के शिक्षकों ने बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी।

बाघमारा की जनता की परेशानी का हल नहीं करते हैं अधिकारी

धनबाद : अंचल कार्यालय बाघमारा में लूट और भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है विशेष कर जमीन संबंधित मामलों में जमकर पैसे का खेल होता है फरियादी रैयत अपने जमीन संबंधित मामलों को लेकर अंचल कार्यालय के चक्कर लगाते रहते हैं । ग्राम स्वराज अभियान के जगत महतो ने बताया कि अंचल कार्यालय में जमीन संबंधी शिकायत का निवारण हल्का कर्मचारी/अधिकारी द्वारा सामान्यत नहीं किया जाता । ब्रोकर के माध्यम से रिश्वत देने के बाद ही रैयत का काम होता है । कुछ माह से रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम सिंह, लक्ष्मी देवी आदि कई रैयत अपने जमीन संबंधी शिकायत को लेकर परेशान है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम को लेकर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद : बीसीसीएल के सामुदायिक भवन, कोयला नगर में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम और जागरूकता विषय पर कार्यक्रम हुआ। बीसीसीएल की पोश समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सह पूर्व महाप्रबंधक, आईआईसीएम डॉ किरण, विशिष्ट अतिथि सह दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता व बीसीसीएल के डीपी मुरली कृष्ण रमैया ने संयुक्त रूप से किया। साथ ही राष्ट्रगान व कोल इंडिया गीत के अभिवादन माध्यम से कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। स्वागत भाषण में बीसीसीएल के डीपी ने कहा : हमारे समाज में नारी का सम्मान हमेशा सर्वोपरि रहा है। कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। मुख्य अतिथि डॉ किरण ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी। दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया ने बीसीसीएल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपसी सम्मान और संवेदनशीलता से कार्यस्थलों को सुरक्षित और समावेशी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में डीएवी स्कूल, कोयला नगर के छात्रों ने स्वागत गीत और शिव शंकर नृत्य प्रस्तुत किया। लघु नाटकों ने दिया यौन उत्पीड़न रोकथाम के संदेश : नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक व सिजुवा तथा पुटकी बलिहारी क्षेत्र की टीमों ने लघु नाटकों के माध्यम से यौन उत्पीड़न रोकथाम के संदेश को सरल और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया, रंजना सिंह व नमिता सहाय के साथ-साथ सीएमएस डॉ वंदना ठाकुर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रही।

टुंडी सीआरपीएफ कैंप में तैनात झारखंड पुलिस के हवलदार की गोली लगने से हुई मौत

धनबाद : टुंडी थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंप में तैनात झारखंड पुलिस के हवलदार को गोली लग गई। गोली लगने के बाद उसे आनन फानन में SNMMCH अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी एसपी अजीत कुमार, सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी समेत पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। मृतक की पहचान नंदकिशोर सिंह के रूप में हुई। वह पलामू जिला का रहने वाला था और उनकी पोस्टिंग टुंडी थाना में हवलदार के तौर पर थी। सीटी एसपी अजीत कुमार ने बताया कि टुंडी थाना के सेट में हवलदार नंदकिशोर सिंह तैनात था। जहां गोली लगने से उसकी मौत हुई है। मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। वहीं, टुंडी थाना में तैनात हवलदार सुखेंद्र प्रसाद ने बताया कि टुंडी थाना क्षेत्र सीआरपीएफ कैंप सैट में हवलदार नंदकिशोर की तैनाती थी। सुबह उठने के बाद वह राइफल साफ कर रहा था। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद सभी लोग भागे-भागे पहुंचे तो देखा कि नंदकिशोर को गोली लग गई है और वह नीचे पड़ा हुआ है। उसे तुरंत अस्पताल लेकर ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।
पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस घटना पर दुख जताया है। इधर, पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वारा घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

अंधविश्वास में भतीजे की हत्या, चाची गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : अंधविश्वास में पलामू में एक बार फिर हत्या करने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। एक महिला का बच्चा बीमारी से मर गया तो उसने ओझा की बातों में आकर गोतनी के आठ साल के बेटे को मार डाला। मासूम की हत्या चाची ने गला दबाकर की है। बच्चे की हत्या करने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ गांव में हुई। मिली जानकारी के अनुसार अखिलेश सिंह का पुत्र प्रेम कुमार सिंह (8) अपने घर के पास खेल रहा था। रविवार को चचेरी चाची जमुना सिंह की पत्नी सुनीता देवी बच्चे को चॉकेलेट खिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर साथ ले गई। घर से करीब एक किलोमीटर दूर ले जाकर अरहर के खेत में गला दबा दिया। बच्चे का शव खेत में छोड़कर वह वापस घर लौट आई। शाम तक बच्चा घर नहीं पहुंचा तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। घंटों तलाश करने के बाद बच्चे को अरहर की खेत में देर रात मृत पाया गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। कुछ ग्रामीणों ने बच्चे को अंतिम बार चाची सुनीता के साथ देखे जाने की बात कही। सुनीता से पूछताछ की गयी तो उसने बच्चे को मारने का बात कबूल की। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया, वहीं बच्चे के शव का पोस्टमार्टम के लिए सोमवार को एमआरएमसीएच भेज दिया गया। गोतनी के बेटे को मारने वाली महिला सुनीता का बेटा एक साल का था। पांच दिन पहले ही उसकी मौत बीमारी से हुई थी। सुनीता के रिश्तेदार सतबरवा में रहते हैं। सतबरवा आने -जाने के क्रम में सुनीता एक ओझा के संपर्क में आ गई। बेटे की मौत के पर ओझा ने प्रेम की मां और पिता के खिलाफ सुनीता को भड़काया। सुनीता से कहा कि गोतनी ने डायन-भूत कर उसके बेटे को मार दिया है। इसी कारण उसने अपने बेटे की मौत का बदला उसके बेटे की हत्या कर ले ली। घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गयी है। हर तरफ इस मामले की चर्चा है। गांव वाले इस घटना से दुखी हैं और प्रभावित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। सोमवार प्रेम का अंतिम संस्कार किया गया। घटना के वक्त प्रेम के पिता एवं परिवार के अन्य पुरूष सदस्य मजदूरी के सिलसिले में बाहर के प्रदेश में थे। घटना की सूचना मिलने पर वे पहुंचे।

'पोषित बचपन अभियान' के तहत पोषण आहार का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार को बड़ामुरी पंचायत में 'पोषित बचपन अभियान' के तहत दूसरा फॉलोअप आयोजित किया गया। इस दौरान मुरी पंचायत के 25 कुपोषित बच्चों का वजन और लंबाई मापी गई। साथ ही, उनके पोषण में सुधार के उद्देश्य से पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पोषण वाटिका का उद्घाटन भी किया गया। जिसका उद्देश्य रसोई उद्यान (किचन गार्डन) को बढ़ावा देना है। इसके तहत उपस्थित परिवारों को विभिन्न प्रकार के बीज वितरित किए गए ताकि वे अपने घरों में पोषण वाटिका स्थापित कर सकें और संतुलित आहार सुनिश्चित कर सकें। यह पहल बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय समुदाय ने इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहपूर्वक भागीदारी दिखाई। इस मौके पर सन्नी, गोवर्धन एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध परिवहन के खिलाफ पटरा लदा पिकअप जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : गुमला जिले के टोटो थाना क्षेत्र के पतगच्छा निवासी आदतन अपराधी पवन गिरी की गाड़ी को चैनपुर थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी के नेतृत्व में पुलिस व कुरूमगढ़ वन टीम फोरेस्टर चंद्रदेव उरांव ने संयुक्त कार्यवाही कर चिरान लकड़ी के साथ जप्त कर लिया है। पवन गिरी पर कई मामले दर्ज हैं, और वह कुरूमगढ़ वन प्रक्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध परिवहन का पर्याय बन चुका था। पिछले एक सप्ताह से करूंमगढ वन टीम और गुमला वन टीम संयुक्त रूप से उसकी धर पकड़ के लिए कार्रवाई कर रही थी। चैनपुर थाना द्वारा सूचना मिलने पर कुरूमगढ़ टीम ने पवन गिरी की गाड़ी संख्या JH 03P 3553 को चिरान लकड़ी के साथ जप्त कर लिया और सुरक्षित चैनपुर आवासीय परिसर में लाकर रखा गया है। हालांकि, अपराधी पवन गिरी पुलिस को देख अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ नामजत केस की कार्रवाई की जा रही है। चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने बताया कि आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अवैध प्रकार से हो रहे इन कारोबारों पर अंकुश लगाने को लेकर चैनपुर पुलिस लगातार छापेमारी करेगी।

सरला बिरला में एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शिक्षा के साथ अनुभव का संगम सरला बिरला पब्लिक स्कूल में एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम बच्चों के समग्र विकास और पढ़ाई को व्यवहार से जोड़ने के लिए सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने प्री-प्राइमरी के बच्चों के लिए एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया। बच्चों ने कई खेलों और गतिविधियों में भाग लिया जिससे उनकी सोचने की क्षमता, रचनात्मकता और टीम के साथ काम करने के गुणों को बढ़ावा मिला। छोटे बच्चों ने संगीत की धुनों पर नाचते हुए माहौल को खुशियों से भर दिया। उन्होंने अपने दोस्तों के साथ समूह में भोजन किया, जिससे उन्हें शिष्टाचार और बांटने की आदत सीखी। छात्र अपनी पाठ्यपुस्तकों से परे दुनिया की खोज करते हुए बहुत उत्साहित थे। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि ऐसी यात्राएँ बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा का महत्व सिखाती हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मददगार होती हैं। यह उनके समग्र विकास के लिए अभिन्न अंग है जिसे एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 में भी बढ़ावा दिया गया है।

सरिया से कोडरमा आरएमएस शिफ्ट होने पर सरिया में विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : बीते रविवार से हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन पर स्थित आर एम एस कार्यालय को कोडरमा में शिफ्ट कर दिया गया। इसके विरोध में सोमवार को सरिया बाजार के दर्जनों लोगों के द्वारा इसके विरोध में स्टेशन परिसर से पूरे सरिया बाजार में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान कोडरमा सासंद अन्नपूर्णा देवी और झारखंड डाक अधीक्षक के खिलाफ जम कर नारेबाजी किया गया। वहीं इस रैली की अगुवाई कर रहे रेल यात्री सुविधा संघ के राजू मंडल ने कहा कि कोडरमा सासंद के पहल पर हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन से एक सोची समझी साजिश के तहत आर एम एस कार्यालय को कोडरमा में में शिफ्ट किया गया है। और देश में इस प्रकार की एक पहली घटना होगा जहां किसी एक छोटे कार्यालय में बड़े कार्यालय को मर्ज किया गया हो, क्योंकि डाक विभाग के अनुसार कोडरमा आर एम एस को हजारीबाग रोड में मर्ज किया जाना था लेकिन सांसद और डाक विभाग की मिली भगत से इस प्रकार का कार्य किया गया है। जिसे इस क्षेत्र की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। जब तक हजारीबाग रोड में पुनः आर एम एस सेवा बहाल नहीं किया जाता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से दीपक महेश्वरी, धर्मपाल महतो, अजय मोदी, चमनलाल चौरसिया, सव्यसाची पाण्डेय समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

डीवीसी का सबसे अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला केंद्र बनेगा केटीपीएस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के बांझेडीह में स्थित कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन के विस्तारीकरण का कार्य नए साल 2025 में शुरू हो जाएगा। यहां 800 गुणा दो के दो नए यूनिटों के माध्यम से कुल 1600 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होगा। इसके लिए भेल को 14 हजार करोड़ से अधिक का टेंडर अवॉर्ड किया गया है। डीवीसी के मुख्य अभियंता मनोज ठाकुर ने सोमवार को बताया कि विस्तारीकरण के बाद कोडरमा डीवीसी का सबसे बड़ा और अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला केंद्र बन जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां 1000 मेगावाट का विद्युत उत्पादन हो रहा है। प्लांट के विस्तारीकरण के बाद यहां 2600 मेगावाट का अतिरिक्त विद्युत उत्पादन होगा। थर्मल पावर प्लांट के नए दो यूनिट का निर्माण का कार्य करीब चार साल तक चलेगा। इससे यहां चार हजार से अधिक रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इसके साथ ही तिलैया डैम में 155 मेगावाट सोलर पावर का भी निर्माण होगा। कोडरमा के तिलैया डैम और डीवीसी के पंचेत डैम में 155 - 155 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। तिलैया डैम में इसका कार्य स्टर्लिंग विल्सन कंपनी और पंचेत डैम में एलएंडटी को दिया गया है। ठाकुर ने बताया कि 18 महीने में इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। यहां उत्पादित बिजली सीधे नेशनल ग्रिड को भेजा जाएगा। अब रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश काफी आगे बढ़ चुका है। जिले के बांझेडीह में स्थित कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन के विस्तारीकरण का कार्य 800 गुणा दो के दो नए यूनिटों के माध्यम से कुल 1600 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होगा।

मौसम ने ली करवट, कड़ाके की ठंड में घरों में दुबके लोग

रामगढ़ : मौसम ने करवट ली और ठंड की मार भी लोगों पर पढ़ने लगी। तापमान में आई अचानक गिरावट के बाद आम जन जीवन प्रभावित हो गया। सोमवार की सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और लगातार बारिश होती रही। कड़ाके की ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। पूरे जिले में कोहरे व धुंध ने यातायात की रफ्तार पर ब्रेक लगा दी। शाम 5 बजते ही लोग ठंड से बचने के लिए घरों में दुबक गए। यहां तक कि लोग जरुरी काम पड़ने पर भी घरों से निकलने में कतराते रहे। बुजुर्गों और बच्चों का ठंड से बुरा हाल है। बारिश और कोहरे की वजह से भीड़ से पटे रहने वाले बाजार और सड़क भी सुनसान थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय लोहरदगा (समाज कल्याण)

अति-अल्पकालीन निविदा सूचना

विज्ञापन संख्या-PR-337669 Lohardaga (2024-25)_D द्वारा वित्तीय वर्ष-2024-25 के लिए लोहरदगा जिला अन्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों में निःशक्त व्यक्तियों को विशेष यंत्र एवं उपकरण एवम् वित्तीय वर्ष-2023-24 में मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण होने वाली तथा बैंचमार्क चलंत दिव्यांगता के कारण चलने फिरने में असमर्थ दिव्यांग छात्राओं को बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराने हेतु प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणों से रद् किया जाता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
PR 341559 Lohardaga(24-25)#D लोहरदगा

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार

कार्यालय- जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा
संयुक्त कृषि भवन, पिपराकलां, गढ़वा-822114
Email Id- agriculturegarhwa2015@gmail.com

अति अल्पकालिन इच्छा की अभिव्यक्ति का आमंत्रण।

गढ़वा जिला में गढ़वा, रंका एवं श्री बंशीधर नगर प्रखण्ड मुख्यालय में एग्री क्लीनिक स्थापित किया जाना है जिसका उद्देश्य किसानों को उचित परामर्श देकर कृषि उत्पादकता किसानों की उपज एवं आय में वृद्धि करना है। इस योजना अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य, मौसम पूर्वानुमान, पौधा संरक्षण एवं कृषि से सम्बद्ध अन्य विषयों पर किसानों को परामर्श उपलब्ध कराया जायेगा। गढ़वा जिला के किसानों को एग्री क्लीनिक के 12 सर्विसेस यथा-मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज, खाद, कीटनाशी, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, कृषि उपादानों के व्यवपार हेतु अनुज्ञप्ति, कृषि उपकरण, खेती हेतु उचित सलाह, झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना, सिंचाई सुविधा, कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन/डेयरी/मत्स्य पालन संबंधित योजनाएं एवं अन्य कृषि योजनाएं तथा कृषि उत्पादों का दर संबंधी सूचनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

इसी उद्देश्य से अनुभवी एवं इच्छुक एजेंसी/महिला समूह/कृषक समूह/सहकारी समितियों/गैर सरकारी संस्थाएं (NGOs) से दिनांक 17-12-2024 के अपराह्न 1:00 बजे तक इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक एजेंसी इच्छुक एजेंसी/महिला समूह/कृषक समूह/सहकारी समितियों/गैर सरकारी संस्थाएं (NGOs) इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज कार्यालय अवधि में जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा से प्राप्त कर सकते हैं अथवा आत्मा, गढ़वा के वेबसाईट www.atmagarhwa.org से डाउनलोड भी कर सकते हैं। किसी भी प्रकार के अतिरिक्त जानकारी हेतु जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा के दूरभाष सं०- 9931113690 अथवा आधिकारिक ई-मेल agriculturegarhwa2015@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला कृषि पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 341512 Agriculture(24-25)D

कार्यालय जिला परिषद्, चतरा।

(अतिअल्पकालिक ई०निविदा आमंत्रण सूचना)

ई-निविदा सूचना संख्या - 18/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी: डी०एम०एफ०टी० (501/विकास, दिनांक 08.10.24)

क्र.	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	योजना	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
01	चतरा	चतरा	सिमा	हफुआ उच्च विद्यालय के प्रथम तल पर 04 वर्ग कक्ष निर्माण।	3789600	5000	76000	06 माह

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि - 14/12/2024
2. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - 16.12.2024 से 23.12.2024 के अपराह्न 5:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 26.12.2024 पूर्वाह्न 11:00 बजे।
4. सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के आलोक में सभी कागजात के साथ निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि online Mode द्वारा स्वीकार्य होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित निविदाकार की होगी।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता - जिला अभियंता जिला परिषद चतरा।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० - 9835777636
10. विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, चतरा।

PR 341569 District(24-25)D

कार्यालयः परियोजना निदेशक "आत्मा", खूँटी
कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण "आत्मा", खूँटी
Website: www.atmakhunti.co.in email: atmakhunti@gmail.com

किसान भाईयों के लिये आवश्यक सूचना

खूँटी जिला के किसानों भाईयों को सूचित किया जाता है कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (कृषिन्नोति) वार्षिक कार्ययोजना 2024-25 अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (F & NS) (TRFA) - दलहन एवं तेलहन योजनान्तर्गत 50% अनुदान पर कृषि उपादान किसानों के बीच वितरण किया जाना है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. स.	कृषि उपादान का नाम	योजना का नाम		कुल	अनुदान	
		दलहन (TRFA)	तेलहन (TRFA)		मूल्य का 50% अथवा अधिकतम अनुदान की राशि प्रति इकाई (रू० में) दोनों में जो कम हो SC/ST, Small & Marginal, Women	मूल्य का 40% अथवा अधिकतम अनुदान की राशि प्रति इकाई (रू० में) दोनों में जो कम हो Other
1	Power Sprayer (SC/ST, Small & Marginal, Women)	10 nos.	05 nos.	15	3100/-	-
2	Power Sprayer (Other)	05 nos.	02 nos.	07	-	2500/-
3	Manual Sprayer (SC/ST, Small & Marginal, Women)	02 nos.	02 nos.	04	750/-	-
4	Manual Sprayer (Other)	01 nos.	01 nos.	02	-	600/-
5	Rotavator (SC/ST, Small & Marginal, Women)	05 nos.	01 nos.	06	42000/-	-
6	Rotavator (Other)	02 nos.	-	02	-	34000/-
7	Pumset	10 nos.	25 nos.	35	(Rs. 10000/-or 50% of cost whichever is less)	
8	HDPE Pipe for carrying	1160 mt.	550 mt.	1710 mt.	50% of the cost limited to Rs.50/- per meter for HDPE pipes Rs. 35/per meter for PVC pipes and Rs. 20/per meter for HDPE laminated woven lay flat tubes with maximum ceiling of Rs. 15000/- per farmer or group of farmer/beneficiary for water carrying pipes	
9	Sprinkler Set	-	01 nos.	01	The cost for sprinkler irrigation system for 1ha would be from Rs. 19542/- to Rs.21901/- per ha. depending on diameter of pipe used as per guideline under PMKSY	
10	Thresing Floor (30'x30')	05	-	05	50% of cost or Rs. 57500/each whichever is less	

अतः किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि निम्न शर्तों के अनुसार योजना का लाभ लिया जा सकता है :-
1. अनुदानित दर पर कृषि यंत्र/उपादान क्रय करने हेतु संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं जिला स्तर पर संयुक्त कृषि भवन, आत्मा कार्यालय, खूँटी या Website:- www.atmakhunti.co.in से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं।
2. विज्ञापन प्रकाशन से लेकर 31.12.2024 तक कार्यालय अवधि में संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक या जिला स्तर पर संयुक्त कृषि भवन, आत्मा कार्यालय, खूँटी में जमा कर सकते हैं।
3. कृषि यंत्र/उपादान का वितरण खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (F&NS) के मार्गदर्शिका के आलोक में किया जाएगा।
4. राशि की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित लक्ष्य को घटाया/बढ़ाया जा सकता है।
5. चयनित आवेदकों को कृषि यंत्र/उपादान का क्रय करने के उपरांत अनुदान की राशि DBT के माध्यम से राशि स्थानांतरित किया जाएगा।
6. एक परिवार में एक ही सदस्य को यंत्रीकरण अथवा थ्रेसिंग फ्लोर निर्माण योजना का लाभ मिल सकेगा।
7. आवेदन पत्र के साथ निम्न दस्तावेज (स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति) संलग्न करना अनिवार्य है :-
(आधार कार्ड, जमीन का रसीद/भू-स्वमित्व प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साईज फोटो-01, मुखिया/वार्ड पार्षद से अनुशंसा, वंशावली (मुखिया/वार्ड पार्षद से अनुशंसित) बैंक पासबुक, ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन कार्ड (ट्रैक्टर चालित यंत्र के लिये)

परियोजना निदेशक "आत्मा"
खूँटी।

PR 341584 (Agriculture) 24-25 (D)

उपायुक्त का कार्यालय, सिमडेगा
(जिला नजारत शाखा)

-: अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 02/24-25 :-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिमडेगा दोनों परिसदन भवनों के संचालन हेतु इच्छुक फर्म/एजेंसी से मुहरबन्द तकनीकी एवं वित्तीय निविदा आमंत्रित की जाती है।
संचालन कार्य में दोनों भवनों का साज-सज्जा, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत एवं पानी की व्यवस्था, पेयजल, बागवानी का रख-रखाव, सफाई कर्मियों को मानदेय, एवं कैटरिंग की व्यवस्था शामिल है।
नोटः- निविदा संबंधित विस्तृत विवरणी/नियम/शर्त www.simdega.nic.in पर उपलब्ध है।

निविदा हेतु शर्तें निम्न प्रकार है :-
1. परिसदन भवन के आंतरिक साफ-सफाई जिसके अन्तर्गत कमरों, प्रसाधन गृहों रसोईघर सहित पूरे परिसर की साफ-सफाई शामिल होगा।
2. परिसदन के लॉन बगीचा हेज की कटिंग, पेड़ की कटिंग आदि की साफ-सफाई एवं रख-रखाव, बगीचा में पेड़, फूल एवं घास का रख-रखाव शामिल होगा।
3. हाउस कीपिंग के अन्तर्गत निम्नांकित कार्य है :-
4. (i) परिसदन भवन में लगे इलेक्ट्रॉनिक्स विद्युत उपकरण, स्ट्रीट लाईट, पाथ लाईट एवं जलापूर्ति का रख-रखाव।
(ii) परिसदन भवन के कमरों एवं रसोई घर के फर्नीचर/उपस्कर आदि का रख-रखाव।
(iii) परिसदन भवन में ठहरे हुए अतिथियों के लिए प्रसाधन की वस्तुएँ तेल, साबुन, शैम्पु, तौलिया, चादर एवं कम्बल आदि आपूर्ति करना।
(iv) बेडशीट, मच्छरदानी गुड नाईट/मोर्टिन, टिशू पेपर विथ होल्डर, पर्दा, तकिया, तौलिया, इत्यादि की आपूर्ति साफ-सफाई एवं धुलाई।
(v) संबंधित व्यक्ति/एजेन्सी रसोईघर में फ्रीज, मिक्सी एव माईक्रोवेव ओवन के अलावे किसी अन्य प्रकार की विद्युतीकरण उपकरण का उपयोग नहीं करेंगे।
(VI) दोनों परिसदन भवनों में High Speed WiFi Connectivity की सुविधा उपलब्ध करना होगा।
5. निर्बाध, विद्युत की व्यवस्था करना होगा (जेनेरेटर एवं तेल सहित) विद्युत बिल का भुगतान जिला प्रशासन द्वारा किया जायेगा।
6. अतिथियों के लिए चाय नाश्ता एवं भोजन आदि निर्धारित दर पर व्यवस्था करना।
7. परिसदन भवन में भोजन/नाश्ता/चाय आदि से होने वाली आय/व्यय संचालन संस्था द्वारा स्वयं किया जायेगा।
8. परिसदन भवन के कमरों का आरक्षण पूर्व की भांति जिला प्रशासन द्वारा किया जायेगा।
9. निविदादाता तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग-अलग मुहरबन्द लिफाफे में देना सुनिश्चित करेंगे।
10. तकनिकी बीड हेतु निविदा के साथ रू0 3,00,000.00 (तीन लाख) सुरक्षित जमा राशि जो किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक का बैंक ड्राफ्ट (लौटाने योग्य), जो उपायुक्त, सिमडेगा के पदनाम से भुगतेय हो, संलग्न किया जाना है। सफल निविदादाता द्वारा परिसदन भवन का संचालन निविदा शर्तों के अनुसार नही कर पाने की स्थिति में निविदा रदद् करते हुए सुरक्षित जमा राशि जप्त कर लिया जाएगा जो वापस देय नहीं होगा।
11. फर्म/एजेंसी इसके लिये आवेदन कर सकते हैं।
12. फर्म/एजेंसी का वैध पैन नम्बर धारक होना एवं विगत चार वर्ष का आयकर विवरणी केटरर/रेस्टोरेंट चलाने एवं FSSAI प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
13. राज्यपाल, मंत्रिमंडल सचिवालय, न्यायिक पदाधिकारी स्तर से अभिमूल्यन अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले एजेंसी को प्राथमिकता दी जायेगी।
14. निविदादाता को काली सूची में दर्ज नहीं होने का शपथ पत्र देना होगा।
15. सरकारी विभाग के साथ अधिकतम कार्य अनुभव को प्राथमिकता दी जायेगी।
16. वित्तीय बिड में निविदादाता द्वारा सेवा प्रदान करने की दर (कर सहित) अंकित करेंगे।
17. तकनीकी निविदा में सफल निविदादाता का ही वित्तीय निविदा (बिड) खोला जाएगा।
18. फर्म/एजेंसी द्वारा विपत्र सभी कर सहित समर्पित करना होगा जिस पर जांचोपरान्त नियमानुसार राशि का भुगतान किया जाएगा।
19. किसी भी समय निविदा को बिना कारण बताये स्थगित या रदद् करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
20. किसी तरह का विवाद होने पर न्यायिक क्षेत्र सिमडेगा ही होगा।
21. निविदा में सिमडेगा जिला के स्थानीय निवासी को प्राथमिकता दी जायेगी।

उपर्युक्त शर्तों/निहित निर्देशों के अनुसार निविदादाताओं के द्वारा दिनांक-.17.12.2024को 11:00 बजे पूर्वाहन् तक उपायुक्त का कार्यालय, नजारत शाखा में स्वयं अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर निविदा जमा किया जाएगा। (निश्चित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त निविदा को स्वीकार नहीं किया जाएगा)। दिनांक-18.12.2024 को 03:00 बजे अपराह्न में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय निविदा समिति के द्वारा निविदा खोल कर नियमानुसार निष्पादन किया जायेगा, जिसमें निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित होगी।

उपायुक्त,
सिमडेगा

PR 341533 Simdega (24-25)_D

मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

मानवाधिकार दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तर्रराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते हैं। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तर्रराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

असल पेच

भारत में कैथोलिक इसाइयों के शीर्ष संगठन ने ईसाई समुदाय को वक्फ विधेयक पर सैद्धांतिक रुख अपनाने को कहा है। कैथोलिक बिशप ऑफ इंड़िया ने ईसाई सांसदों की दिल्ली में बैठक बुलाई थी जिसमें विपक्षी दलों के तकरीबन बीस सांसदों ने हिस्सा लिया। हालांकि केंद्रीय मंत्री जार्ज कूरियन भी अंत में इसमें शरीक हुए। दशकों बाद संपन्न हुई बैठक का एजेंड़ा समुदाय और उसके अधिकारों का समर्थन और सुरक्षा करने में इसाई सांसदों की भूमिका, अल्पसंख्यकों खासकर इसाइयों के खिलाफ बढ़ते हमलों और खतरों की बात हुई। इसमें इसाई संस्थानों को निशाना बनाने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम का दुरुपयोग भी शामिल था। जोर दिया गया कि ईसाई नेतृत्व को संविधान की रक्षा नहीं करने वालों को बाहर नहीं निकालने का निर्णय लेना चाहिए। बैठक में 2014 से सरकार के साथ चर्चों के संबंध को लेकर तीखी आलोचना की गई। भाजपा के दो अन्य ईसाई सांसदों के बैठक में शामिल न होने पर भी बात की गई। आम तौर पर भारत में रहने वाला ईसाई समुदाय विवादों से दूर रहता है। वे दुनिया भर में अंतरधार्मिक संवाद को लेकर विश्वव्यापी विचारों की आवश्यकता पर बल देते हैं। वर्ल्ड. काउंसिल ऑफ चर्चेस उप-इकाई द्वारा ईसाई-मुस्लिम संबंधों को लेकर दुनिया भर बैठकें करती है। उनके अनुसार ईसाई और मुसलमानों के दरम्यान निरंतर प्रासंगिकता बनी हुई है तथा एक-दूसरे के महत्त्व को जानने को रेखांकित करना है। दोनों ही धर्मों के आंतरिक संबंधों का जटिल इतिहास होने के बावजूद वक्फ जैसे मुद्दे पर अचानक इसाइयों का हस्तक्षेप मायने रखता है। केंद्र सरकार की नीतियां और बहुसंख्यकों के प्रति उसकी पक्षधरता किसी से छिपी नहीं हैं। दुनिया जानती है, मोदी सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति पूर्वाग्रहों से भरा रवैया रखती है। हालांकि यह देश का आंतरिक मामला है। सरकार को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। खासकर इस वक्त जब वक्फ संशोधन विधेयक पर आपत्ति के बाद संयुक्त संसदीय समिति बनायी जा चुकी है। उसके निर्णय का इंतजार करना लाजिमी है। ध्यान देने वाली बात तो यह भी है कि 2025 को चर्च ईसा मसीह के जन्म जयंती वर्ष के तौर पर मना रहा है और रोम कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फ्रांसिस का भारत यात्रा पर आना लगभग तय है। इटली में हुए शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोप से मिले थे और उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। यह इसाइयों के लिए यादगार क्षण होगा।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात् प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है।

पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ऐसी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

भारत में अरबपतियों की संख्या दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले मे सबसे ज्यादा

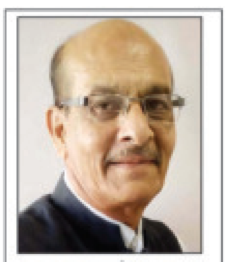

सनत जैन

दुनिया के सभी देशों में जिस तरीके से अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, उसमें भारत का स्थान शीर्ष पर है। यूबीएस की एक रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार चीन में अरबपतियों की संपत्ति सालाना 20 फीसदी की दर से बढ़ी है। पिछले 5 वर्षों में अब इसमें पांच फीसदी की कमी आ गई है। 2020 से 2024 के बीच में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फीसदी की दर से बढ़ी है। वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या 263 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इसको लेकर सारी दुनिया के देशों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। भारत में पिछले 10 सालों में अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना 77 लाख करोड़ से बढ़कर 203 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले 10 साल में भारतीय अरबपतियों की संख्या 83 से बढ़कर 185 पर पहुंच गई है। भारत में अरबपतियों की संपत्ति ओसतन पिछले वर्षों में 263 फीसदी की दर से बढ़ी है। जो दुनिया के देशों में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के शेयर बाजार की इसमें सबसे बड़ी भूमिका है। 2017 में क्रेडिट सुइस की एक रिपोर्ट में कहा गया था, भारत में बिजनेस स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड जो शीर्ष 500 कंपनियां हैं, उनकी संपत्तियों में बड़ी तेजी के साथ वृद्धि हुई है। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले वर्षों में जिस तरह की ऊंचाइयां छुई है, उसके कारण सारा विश्व हतप्रभ है। पिछले 5 वर्षों में चीन में अरबपतियों की संख्या लगभग 16 फीसदी घट गई है। चीन ने अपने गरीब और मध्यम वर्ग के नागरिकों की हालात को बेहतर बनाने के लिए अपनी नीतियों में परिवर्तन किया। जिसके सुखद परिणाम चीन में देखने को मिल रहे हैं। अमेरिका के अरबपति भी भारतीय अरबपतियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फीसदी बढ़ी है। यूरोप के अन्य देशों में भी अमीरी बढ़ने की रफ्तार घटी है। इसी बीच भारत के अरबपतियों की संपत्ति में लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के सभी देशों के अरबपतियों की संपत्ति 2015 में 533.5 लाख करोड़ थी। जो 2024 में बढ़कर 1185 लाख करोड रुपए पर पहुंच गई है। दुनिया के 185 अरबपतियों की संपत्ति के मामले में भारत के 102 उद्योगपति हैं। जिनकी संपत्ति पर तेजी के साथ वृद्धि हुई है। चीन के सिर्फ पांच हैं। पूंजीवाद के इस युग में भारत मे सबसे ज्यादा संपत्ति और आय अरबपतियों की बढ़ रही है। इन्हें भारत में सबसे कम टैक्स देना होता है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग की आय कम होती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में टैक्स और शुल्क मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण असमानता, सामाजिक व्यवस्था में भारत की बढ़ती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में भारत में अमीरी और गरीबी के बीच में खाई लगातार बढ़ती चली जा रही है। भारत की पहचान एक समाजवादी देश के रूप में थी। यहां पर पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों मिलकर काम कर रहे थे। पिछले 10 वर्षों में जिस तरीके से भारत में पूंजीवाद बढ़ रहा है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था मे पूंजीवाद को असमान तरीके से बढ़ावा दिया है। पूंजीपतियों की कमाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। उनकी संपत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसकी तुलना में गरीब और मध्यम वर्ग की आय, खर्च की तुलना में लगातार कम हो रही है। जो भारत की सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। भारत इन दिनों महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से गुजर रहा है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग की बचत लगातार घटती चली जा रही है। उनके ऊपर कर्ज भी बढ़ता चला जा रहा है। इसके विपरीत सारा कारोबार सरकारी नीतियों के कारण कॉर्पोरेट कंपनियों के पास पहुंच रहा है। फलस्वरुप अर्थव्यवस्था में बड़ा असंतुलन पैदा हो गया है। सरकार जो नीतियां बना रही है, उससे बड़े-बड़े पूंजीपतियों को सीधा लाभ पहुंच रहा है। 2014 के बाद से कॉरपोरेट सेक्टर का हर क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ एकाधिकार होता चला जा रहा है। जिसके कारण स्थानीय रोजगार और स्थानीय नौकरियां खत्म हो रही हैं। गरीबों और अमीरों के बीच में आर्थिक असमानता बढ़ती चली जा रही है। यह चिंता का विषय है। भारत की संपत्ति और आय पर, कुछ चुनिंदा परिवारों का एकाधिकार होता चला जा रहा है। जो चिंता का विषय है। वर्तमान स्थिति में सरकार को महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से निपटना है, तो सरकार को अपनी नीतियों पर बदलाव करना होगा। जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। जब लोगों के पास पैसा नहीं होगा, उनके पास कारोबार नहीं होगा, नौकरी नहीं होगी, तब यह बड़े-बड़े पूंजीपति अर्थव्यवस्था को किस तरह से बनाए रख पाएंगे। इस पर सरकार को चिंतन करने की जरूरत है। कृषि और खुदरा व्यवसाय में जिस तरह से पूंजीपति अपना आधिपत्य बनाते जा रहे हैं। अमीरी और गरीबी के बीच में सबसे ज्यादा खाई बन गई है। लोगों के पास जीवन यापन करने के लिए जब पैसे ही नहीं है। 80 करोड़ लोगों का गुजारा फ्री के राशन से हो रहा है। ऐसी स्थिति में अब बगावत की भी संभावना बनने लगी है। बांग्लादेश श्रीलंका पाकिस्तान और आसपास के देश इसका उदाहरण हैं। भूखे पेट भजन ना होये गोपाला इस सत्य को सरकार को समझना होगा। भूखा व्यक्ति अपनी भूख को मिटाने के लिए किसी भी स्तर पर चला जाता है। सरकार को वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए गंभीर चिंतन की जरूरत है। आशा है सरकार गंभीरता से इस विषय पर विचार करके सरकारी नीतियों में संतुलन बनाने के प्रयास करेगी।

मुद्दा : खतरनाक होता बायोमेडिकल वेस्ट

डॉ. सत्यवान सौरभ

स्वास्थ्य सेवा गतिविधियां स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं और उसे बहाल करती हैं तथा जीवन बचाती हैं, लेकिन उनके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट और उप-उत्पादों के बारे में क्या? स्वास्थ्य सेवा गतिविधियों द्वारा उत्पन्न कुल अपशिष्ट में से लगभग 85 फीसद सामान्य, गैर-खतरनाक अपशिष्ट है जो घरेलू अपशिष्ट के बराबर है। शेष 15 फीसद को खतरनाक सामग्री माना जाता है जो संक्रामक, रासायनिक या रेडियोधर्मी हो सकता है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के उपाय ऐसे अपशिष्टों से होने वाले प्रतिकूल स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों को रोक सकते हैं, जिसमें रासायनिक या जैविक खतरों का अनपेक्षित उत्सर्जन शामिल है।

स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट और उप-उत्पादों से जुड़े प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों में तीक्ष्ण वस्तुओं से लगी चोटें भी शामिल हैं; स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के संचालन या भस्मीकरण के दौरान आस-पास के वातावरण में छोड़े जाने वाले दवा उत्पादों, विशेष रूप से एंटीबायोटिक्स और साइटोटॉक्सिक दवाओं और पारा या डाइऑक्सिन जैसे पदार्थों के संपर्क में आना; कीटाणुशोधन, बंध्यीकरण या अपशिष्ट उपचार गतिविधियों के संदर्भ में उत्पन्न होने वाली रासायनिक जलन; चिकित्सा अपशिष्ट भस्मीकरण के दौरान कण पदार्थ के निकलने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाला वायु प्रदूषण; खुले में जलने और चिकित्सा अपशिष्ट भस्मक के संचालन के साथ होने वाली तापीय चोटें; विकिरण जलन; और दवा अपशिष्टों के असुरक्षित भंडारण, उपचार और निपटान के माध्यम से रोगाणुरोधी प्रतिरोध का प्रसार। अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट सेवाओं के लिए कई कारण मौजूद हैं। इनमें सीमित कानूनी ढांचे (जैसे, नीतियां, विनियमन, दिशा-निर्देश), स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट से संबंधित स्वास्थ्य खतरों के बारे में जागरूकता की कमी, उचित अपशिष्ट प्रबंधन में अपर्याप्त प्रशिक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और निपटान प्रणालियों की अनुपस्थिति, अपर्याप्त वित्तीय और मानव संसाधन और कम प्राथमिकता शामिल हैं। कई देशों में या तो उचित नियम नहीं हैं या वे उनकी निगरानी और प्रवर्तन नहीं करते हैं। दुनिया भर में, हर साल अनुमानित 16 बिलियन इंजेक्शन लगाए जाते हैं। सभी सुई और सिरिंजों का सुरक्षित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है, जिससे चोट और संक्रमण का जोखिम और दोबारा इस्तेमाल के अवसर पैदा होते हैं। हाल के वर्षों में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में दूषित सुई और सिरिंजों से इंजेक्शन लगाने में काफी कमी आई है, आंशिक रूप से इंजेक्शन उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल को कम करने के प्रयासों के कारण। इस प्रगति के बावजूद, असुरक्षित इंजेक्शन अभी भी 33, 800 नए एचआईवी संक्रमण, 1.7 मिलियन हेपेटाइटिस बी संक्रमण और 315, 000 हेपेटाइटिस-सी संक्रमण के लिए जिम्मेदार थे। अपशिष्ट निपटान स्थलों पर सफाई करने और स्वास्थ्य सुविधाओं से खतरनाक अपशिष्ट को संभालने और मैन्युअल रूप से छांटने के दौरान अतिरिक्त खतरे उत्पन्न होते हैं। ये प्रथाएं दुनिया के कई क्षेत्रों में आम हैं, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में। अपशिष्ट संचालकों को सुई चुभने की चोट लगने और विषैले या संक्रामक पदार्थों के संपर्क में आने का तत्काल जोखिम होता है।

स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट का उपचार और निपटान पर्यावरण में रोगजनकों और विषैले प्रदूषकों के निकलने के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। लैंडफिल में अनुपचारित स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के निपटान से पीने, सतह और भूजल का संदूषण हो सकता है, अगर उन लैंडफिल का निर्माण ठीक से नहीं किया गया है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों को कम से कम करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इससे उस अपशिष्ट की मात्रा में काफी कमी आएगी जिसे संभालने और उपचारित करने की आवश्यकता है। अपशिष्ट न्यूनीकरण क्रियाओं में हरित खरीद और ऐसे उत्पादों का चयन करना शामिल है जहां शिपिंग कम से कम हो और कम और पारिस्थितिक पैकेजिंग हो, सुरक्षित और व्यवहार्य होने पर पुनः प्रयोज्य उत्पादों पर स्विच करना, केवल प्रलेखित आवश्यकता के आधार पर फार्मास्यूटिकल्स का ऑर्डर देना/प्राप्त करना और प्लास्टिक, कागज और कार्डबोर्ड सहित सामान्य वस्तुओं का पुनर्चक्रण करना शामिल है। रासायनिक कीटाणुनाशकों के साथ स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के उपचार के परिणामस्वरूप पर्यावरण में रासायनिक पदार्थ निकल सकते हैं यदि उन पदार्थों को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से संभाला, संग्रहीत और निपटाया नहीं जाता है। सार्वभौमिक, दीर्घकालिक सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और समर्थन की आवश्यकता है, हालांकि स्थानीय स्तर पर तत्काल कार्रवाई की जा सकती है।

थर्ड जेंडर को भी पारा लीगल वॉलंटियर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी : डालसा सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : श्रमजीवी महिला समिति की ओर से सोमवार को थर्ड जेंडर के श्रम अधिकार व सम्मान पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेन्द्र प्रसाद, श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर, विशिष्ट अतिथि एवं हिमाचल प्रदेश क्विर फाउंडेशन के एक्टीविस्ट डॉन हसर, श्रमजीवी महिला समिति के प्रमुख अंजली बोस समेत अन्य मौजूद रहे।

एलजीबीटीक्यू समुदाय को जागरूक करने की दिशा में काम कर रहा है डालसा : राजेन्द्र प्रसाद

कार्यक्रम में उपस्थित एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए डालसा सचिव राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि थर्ड जेंडर को कानूनी मान्यता प्रदान की गई है, साथ ही इस समुदाय को मुख्य धारा में लाने के लिए कई नीतियां एवं योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। कानूनी पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा कि डालसा इस समुदाय को जागरूक करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने मंच से घोषणा की कि थर्ड जेंडर को भी पारा लिगल वॉलंटियर के रूप में जिम्मेदारी सौंपी जाएगी जिससे वे अपने समाज के साथ-साथ आम लोगों को जागरूक कर सके।

थर्ड जेंडर को श्रम विभाग की योजनाओं से जोड़ा जाएगा: अविनाश ठाकुर

कार्यक्रम में मौजूद श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर ने थर्ड जेंडर को श्रम विभाग की योजनाओं से जोड़ने की बात कही. साथ ही कहा कि थर्ड जेंडर के बधाई मांगने जैसे काम को श्रम की सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह विषय विधायिका के अंतर्गत आता है। समुदाय के बात को सरकार के स्तर तक पहुंचाने का उन्होंने भरोसा दिलाया।

मान-सम्मान के लिए थर्ड जेंडर समुदाय को एकजुट होना होगा

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में हिमाचल प्रदेश से आए रिसोर्स पर्सन डॉन हसर ने थर्ड जेंडर समुदाय के कानूनी अधिकार पर प्रकाश डाला साथ ही थर्ड जेंडर के साथ होने वाले भेदभाव, शोषण, दुर्व्यवहार आदि पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि जब तक थर्ड जेंडर समुदाय एकजुट नहीं होगा तब तक वह मान-सम्मान से वंचित रहेगा. उन्?होंने कहा कि थर्ड जेंडर ईश्वरीय वरदान है, लेकिन ऐसे व्यक्ति के साथ घर में भी भेदभाव बरता जाता है जो गलत है। मान-सम्मान एवं बराबरी का हक अगर घर में मिले तो निश्चय ही बाहरी लोग इसे आसानी से स्वीकार करेंगे। उन्होंने थर्ड जेंडर समुदाय को बेझिझक एक-दूसरे की मदद करने तथा दूसरे समुदाय से मदद लेने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले श्रमजीवी महिला समिति के जुबिन एकता एवं शुभकामना फाउंडेशन की संजना किन्नर ने स्वागत भाषण दिया जबकि कार्यक्रम का विषय प्रवेश समिति के सचिव पूर्वी पॉल ने कराया। कार्यक्रम के दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने अतिथि एवं वक्ताओं से विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने को लगा शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर विशेष शिविर में सोमवार को काफी भीड़ देखी गई। मालूम हो कि इस कार्यक्रम के तहत 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया है, सभी प्रकार के हरा एवं लाल कार्ड तथा पीला कार्ड धारकों का आयुष्मान भारत कार्ड बनवाया जा रहा है। ऐसे तो प्रत्येक दिन सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आम जनता के लिए यह सुविधा उपलब्ध है, जहां कोई भी व्यक्ति अपना राशन कार्ड लेकर जा सकता है, एवं अपना आयुष्मान भारत कार्ड बनवा सकता है। पर नागरिकों के सुविधा अर्थ 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने को लेकर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सोमवार को इस विशेष शिविर में 66 लोग उपस्थित हुए थे, जिसमें से 33 व्यक्तियों का आयुष्मान भारत कार्ड बनवाया गया, और बाकी बचे लोगों में जिसका पहले से बना हुआ था उसे वापस कर दिया गया और कुछ लोग कागजात की त्रुटि के कारण अहर्ता पूर्ण नहीं कर सके। यह कार्यक्रम मंगलवार को दिन के 3:00 बजे तक चलेगा। इसकी जानकारी शिविर में उपस्थित ऑपरेटर पीयूष कुमार तथा मेरी मंजू हेंब्रम ने दिया।

कट्टा के साथ दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस एवं लाल काला अपाची मोटरसाइकिल जे.एच 18 एन 2718 के साथ दो युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया। डीएसपी ने बताया कि दिनांक 8 दिसंबर 24 को समय- 22:10 बजे छोटा पंचगढ थाना- जिरवाबाड़ी साहेबगंज के रहने वाले सुभम कुमार, पिता- अजित कुमार रजक ने थाने में आकर बताया कि पूर्व में जमीन के सौदे में पैसे के लेन-देन को लेकर राहुल पासवान तथा अन्य दुसरा व्यक्ति गाली देते हुए गोली फायर किया था तथा जान से मार देने की धमकी दे रहे थे। राहुल पासवान ने शुभम कुमार से 50 हजार रूपए जमीन खरीद बिक्री के लिए बयाना लिया था, जहां जमीन को लेकर सौदा पूरा नहीं हुआ और राहुल पासवान से पैसा मांगा गया इसी को लेकर विवाद हुआ। जहां सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचना से अवगत कराया गया। जहां पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहेबगंज के निदेशानुसार जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ा पंचगढ़ घोघी रोड से पास से एक देशी कट्टा व जिंदा कारतूस कमर में छिपाया हुआ के साथ राहुल पासवान उम्र 26 वर्षीय, थाना जिरवाबाड़ी साहिबगंज के रहने वाले दोनो अभियुक्त को साथ में पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गंगोत्री से गंगासागर तक यात्रा करने वाले महिलाओं के दल ने की गंगा आरती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगोत्री से गंगासागर तक यात्रा करने वाले महिला गंगा नदी राफ्टिंग अभियान को राजमहल के अनुमंडल पदाधिकारी कपिल कुमार ने कल साहिबगंज में औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर गंगा आरती की गई, जो अभियान के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक है। आज, दल ने महान स्वतंत्रता सेनानियों सिद्धो और कान्हू को श्रद्धांजलि देने के लिए भोगनाडीह का दौरा किया। उन्होंने राजमहल के जेके हाई स्कूल में छात्रों और महिलाओं से बातचीत की और उन्हें बदलाव को अपनाने, सशक्तीकरण के लिए प्रयास करने और सशस्त्र और अर्धसैनिक बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अभियान का नेतृत्व सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी कर रहे हैं। सेकेंड-इन-कमांड (2आईसी) मनोज सुंदरियाल, डिप्टी कमांडेंट (डीसी) राजीब अली और योगेश शर्मा, असिस्टेंट कमांडेंट (एसी) विकास, और सब-इंस्पेक्टर (एसआई) मीना और प्रियंका। राफ्टिंग टीम में 20 ऊजार्वान और प्रेरित युवतियां शामिल हैं। इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन (एसएमसीजी) से अंजना भारती, एसडीएम राजमहल कपिल कुमार, डीसीएलआर राजमहल की कार्यकारी अधिकारी स्मिता, अमित मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ), नमामि गंगे और डीजीसी के डॉ. रणजीत सिंह शामिल थे। बाद में टीम को साहिबगंज से फरक्का के लिए रवाना किया गया, जहां उन्होंने गंगा के किनारे अपनी प्रेरणादायक यात्रा जारी रखी। यह पहल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और पवित्र नदी के किनारे पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ साहस और दृढ़ संकल्प की भावना को दशार्ती है।

पांचवी नेशनल ओपन कराटे प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का रहा दमदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : पांचवी नेशनल शोरिन रियु ओपन कराटे प्रतियोगिता में नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जमशेदपुर के मानगो मून सिटी में आयोजित प्रतियोगिता में नीमडीह प्रखंड के खिलाड़ियों ने कुल पांच पदक अपने नाम किया। इनमें दो प्रतिभागी ने गोल्ड, दो ने सिल्वर और एक ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया है।

झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार व ओडिशा के 250 प्रतिभागी शामिल

प्रतियोगिता में नीमडीह प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर निवासी राम गोप ने गोल्ड, सीमा गांव के निवासी सुमन प्रमाणिक ने गोल्ड व सिल्वर मेडल जीता है। वहीं बुरुडीह निवासी राजकुमार टुडू ने सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीता है। प्रतियोगिता में झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार व ओडिशा के कुल 250 प्रतिभागी शामिल हुए।

संतुलित मन और शरीर का विकास करना उद्देश्य

उक्त प्रतियोगिता में तीनों प्रतिभागी कायो आशिकान कराटे डो के मुख्य निदेशक गोपाल कृष्ण बनर्जी व प्रशिक्षक पशुपति महतो के मार्गदर्शन में शामिल हुए। गोपाल कृष्ण बनर्जी ने कहा कि पारंपरिक कराटे का उद्देश्य लड़ाई की तकनीकों में प्रशिक्षण के माध्यम से संतुलित मन और शरीर का विकास करना है।

मौसम में अचानक बदलाव के कारण तापमान में आई गिरावट, बढ़ा ठंड का प्रकोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सोमवार को मौसम में अचानक आई बदलाव के कारण जिले के तापमान में गिरावट होने से ठंड अचानक बढ़ गया है। ठंड का प्रकोप हर तरफ देखने को मिला रहा है, हर चौक चौराहों पर लोग जगह-जगह पर अलाव के पास बैठकर आग का सहारा लेने को मजबूर देखे गए। सोमवार को दिन भर जहां सूरज की दर्शन नहीं हुई वही जगह-जगह पर घने कोहरे एवं हल्की-हल्की बूंदा बूंदी बारिश भी हुई। ठंड का असर खेत खलियानों से लेकर हाट बाजारों सभी जगह देखा गया। ठंड के कारण जहां खेतीहर मजदूर दिन भर अपने घरों में ही दुबक कर रह गए, वहीं सामान्य दिनों की तरह हाट बाजारों में भी भीड़ भड़क्का कम देखी गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिन तक इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है। ठंड के प्रकोप के कारण दैनिक मेहनत मजदूरी करने वाले मजदूरों की परेशानी बढ़ा दिया है, और गरीब तबके के सामान लोग अपने बाल बच्चों का तन ढकने को लेकर कई प्रकार के दिक्कत खड़ी हो गई है। कुल मिलाकर ठंड का मार हर तरफ देखा जा रहा है, कुछ सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से चौक चौराहों पर अलाव का व्यवस्था करने एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने की मांग की है।

एक नजर

आंगनबाड़ी सेविकाओं के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

पटमदा : पटमदा प्रखंड सभागार में पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के कुल एक सौ आंगनबाड़ी सेविकाओं को विभागीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण में पोषण भी पढ़ाई भी का स्लोगन दिया गया। शिविर में प्रशिक्षुओं के द्वारा सभी सेविकाओं को कई विषयों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र में संचालन की प्रक्रियाओं जानकारी दी जाएगी। इस दौरान शिविर में सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा,प्रशिक्षु एजिजा बेथ बेरुली, वीणा कुमारी,प्रशांत कु महतो सैकड़ों सेविकाएं उपस्थित थी। प्रशिक्षण नौ दिसंबर से ग्यारह दिसंबर तक होगा।

पचकठिया रांगा के समीप अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की सुबह बरहेट बोरियो मुख्य सड़क के किनारे हरिश्चन्द्रपुर मोड़ के समीप खेत से बरहेट थाना पुलिस ने एक अज्ञात शव को बरामद किया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को बोरियों मुख्य सड़क के समीप कुछ लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा बरहेट थाना पुलिस को दिया,सूचना मिलने के बाद बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं स्थानीय लोगों ने इस संबंध में बताया कि घटना से पूर्व मृतक बरहेट क्षेत्र में विक्षिप्त जैसा क्रिया कलाप में घूमता फिरता एवं भीख मांगते देखा गया था। लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि ठंड में इस प्रकार से इधर-उधर भटकते रहने के कारण व्यक्ति की मौत ठंड से हुई होगी। इधर थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया गया है एवं आगे मामले की छानबीन कर रहे है।

उच्च विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की हो रही प्री मैट्रिक टेस्ट परीक्षा

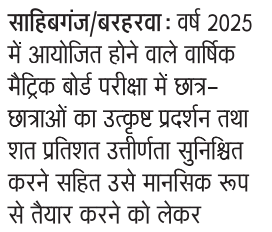

साहिबगंज/बरहरवा : वर्ष 2025 में आयोजित होने वाले वार्षिक मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में छात्र-छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा शत प्रतिशत उत्तीर्णता सुनिश्चित करने सहित उसे मानसिक रूप से तैयार करने को लेकर बरहरवा प्रखंड के सभी उच्च विद्यालयों में प्री मैट्रिक टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा 20 दिसंबर तक संचालित रहेगा। इसके समाप्ति के बाद पांच सेट में मॉडल टेस्ट परीक्षा लिया जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग रांची के आदेश के आलोक में आयोजित इस प्री टेस्ट परीक्षा में प्रखंड के सभी विद्यालयों में नामांकन के अनुपात में काफी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति देखी गई। परीक्षा के प्रथम दिन अंग्रेजी विषय की परीक्षा ली गई। झारखंड अधिविध परिषद रांची के आदेश के आलोक में वर्ष 2025 से पूर्व आयोजित टेस्ट परीक्षा से स्कूली छात्र छात्राओं में काफी उत्साह देखा गया।

संक्षिप्त खबरें

बेमौसम बारिश से धान की फसल को नुकसान, किसान चिंतित

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के अधिकांश ग्रामीण कृषि पर निर्भर करते हैं। धान का फसल सालभर का महत्वपूर्ण अनाज के तौर पर लोग उगाते हैं। धान का फसल में किसी प्रकार का आपदा का असर होने से बड़ा नुकसान किसानों को होता हैं। पटमदा में सोमवार की सुबह हुई बेमौसम बारिश से किसानों के धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। किसान जो खेतों में धान की फसल काटकर रखे हैं। धान की बाली ओर पुआल में बारिश का पानी लगने से नुकसान होने की संभावना बढ़ गई हैं। गेंगाड़ा के बिशु महतो ने बताया कि इस बारिश से किसानों के धान फसल को क्षति पहुंची है। खेतों में पानी भरने से धान की बाली भींग गई हैं। जिसमे अंकुरण होने का भय बना रहता हैं। राखडीह के किसान श्रीमंत मिश्रा बताते हैं कि धान फसल खेतों में वारिश का पानी लगने से भींग चुका हैं । जिसको मुश्किल से बचाया जा सकता हैं। फसल को सुरक्षित घर तक लाने में काफी दिक्कत होगी।बाली झड़ने ओर पुआल खड़ने का भय बनता हैं। बोड़ाम के किसान गुरुचरण सोरेन बातते हैं कि धान का फसल इस बारिश से काफी प्रभावित हुआ है। इस वर्ष फसल की पैदावार अच्छी हुई थी। लेकिन फसल में वारिश ने पानी फेर दिया। आगुईडांगरा के युवा किसान हरेंद्र नाथ महतो ने बताया कि जो किसान धान की फसल को काटकर खलिहान तक पहुंचा सके हैं। उनका तो कुछ हद तक राहत हैं। लेकिन जो फसल को काटकर बांधकर खेत से घर नहीं ला सके हैं। उनके फसल के नष्ट होने का संभावना बढ़ गया हैं। इस बार फसल काफी बेहतर हुआ था। लेकिन भींग जाने के कारण धान के बिक्री पर भी असर पड़ेगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत, पत्नी और बच्ची घायल

पटमदा : बोड़ाम थाना क्षेत्र के बोनडीह मोड़ के समीप सोमवार की दोपहर करीब 3 बजे सड़क दुघर्टना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि इस घटना में उसकी पत्नी व बेटी गंभीर है। बोड़ाम-माधवपुर मुख्य सड़क पर अनियंत्रित एक पिकअप वैन ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी जिससे उसपर सवार तीनों घायल हो गए और चालक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृत युवक की पहचान पटमदा थाना क्षेत्र के गाड़ीग्राम निवासी मंगल टुडू (35) के रूप में की गई है जो बोड़ाम के ही राजाहाटा गांव स्थित अपनी ससुराल से घर लौट रहे थे।घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। गंभीर हालत में घायलों को एमजीएम अस्पताल भेजने की तैयारी पुलिस के द्वारा की जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद पिकअप वैन माधवपुर के रास्ते बंगाल की ओर भागने लगा तो उप प्रमुख प्रतिनिधि फनी भूषण महतो समेत कई लोगों ने पीछा करते हुए उसे पकड़ने का प्रयास किया।

राजमहल पहाड़ बचाने को लेकर एनजीटी में सुनवाई आज

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा एतिहासिक राजमहल पहाड़ को बचाने व संवर्धन हेतु तथा जिले में अवैध रूप से संचालित सभी स्टोन माईस व क्रशर को बंद कराने को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ईस्टर्न जोन कोलकाता में दायर याचिका संख्या ओ ए -23/2017 की सुनवाई आज पीठ के जुडिशियल मेंबर न्यायमुर्ति बी.अमित स्टालेकर व एक्सपर्ट मेंबर डा.अरूण कुमार वर्मा दिन के 10:30 बजे से करेगी। सुनवाई में भाग लेने के लिए अरशद भी कोलकाता पहुँच गए हैं। सुनवाई पुर्व झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड रांची को एनजीटी में हलफनामा दायर कर बताना है कि अब तक किन किन पत्थर कारोबारियों ने कितना कितना पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि जमा किया है। आज की सुनवाई पर पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारियों समेत सभी पत्थर कारोबारियों की नजरें टिक गयी है।

कार्यपालक पदाधिकारी से शिकायत के बाद हरिजनपाड़ा में नाला सफाई का कार्य प्रारंभ

बरहरवा : प्रखण्ड अंतर्गत बरहरवा नगरपंचायत के वार्ड संख्या 03 के हरिजनपाड़ा में विगत कुछ दिनों पूर्व से नाला जाम होने की वजह से नाला का पानी सड़क के ऊपर आ गया था। जिसकी शिकायत प्रखण्ड महासचिव ने कुछ दिनों पूर्व नगर के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार को की थी। कार्यपालक पदाधिकारी ने समस्या को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही की, एवं सफाई कर्मी की एक टीम को हरिजनपाड़ा भेज कर नाला सफाई करने को लगवा दिया। सभी वार्ड वासी में खुशी का माहौल है। साथ ही सभी ने प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार सहित कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार को धन्यवाद दिया। मौके पर प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार, मानिक रविदास, मो तबारक, मो कमाल, मो आफताब, पंचू रविदास सहित दर्जनो वार्ड वासी एवं सफाई कर्मीगण उपस्थित थे।

देश में दोपहिया वाहनों की अच्छी मांग, नवंबर में खुदरा बिक्री 11.21 प्रतिशत बढ़ी: फाडा

इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने नवंबर महीने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। इस बढ़ोतरी के साथ विभिन्न श्रेणियों के वाहनों की खरीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वृद्धि का मुख्य कारण अच्छे किसानी उत्पादन के आंकड़े और आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद है। नवंबर महीने में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 11.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी। इसके साथ ही यात्री वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई है, जो विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है। फाडा के अध्यक्ष ने इस संकेत को बताया कि ग्रामीण बाजारों से थोड़ी सी सहायता मिली है, लेकिन विवाह संबंधी बिक्री में कुछ कमी दर्ज हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ, वाणिज्यिक वाहन खंड में भी

गिरावट दर्ज की गई है, जो व्यापक आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद का संकेत देती है। इस अक्टूबर में हुई त्योहारी मांग के स्थानांतरण के कारण, डीलरों के अनुसार, दिसंबर महीने का तात्कालिक परिदृश्य मिश्रित है। इसके बावजूद आने वाले महीनों में उपभोक्ता भावना में सुधार की उम्मीद है।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी

- अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

नई दिल्ली ।

भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है। अरबपतियों का कारोबार सेक्टर में तेजी से बढ़ रहा है। चीन के संपत्ति सुधार कॉमर्शियल रियल एस्टेट पर महामारी के प्रभाव और ब्याज दरों में वृद्धि के कारण, ये क्षेत्र उस समय मुश्किल झेल रहे हैं। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत में धनिक व्यक्ति क्षमतायें और उदारीकरण के माध्यम से व्यापारिक मंच पर

अपनी मौजूदगी बनाए रख रहे हैं। यह आर्थिक विकास के दिशा सूची बनाने के लिए एक अच्छा संकेत है और भविष्य में इन अरबपतियों की संख्या में और वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

फिनटेक फर्म ग्राहकों को दे रही 9.5 फीसदी तक ब्याज का ऑफर

- नए जमाने की फर्में इस तरह दे रही हैं सेवाएं

मुंबई ।

फिनटेक कंपनियां अपनी वित्तीय सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ध्यान दे रही हैं। स्टेबल मनी, फ्लिपकार्ट के निवेश वाली सुपरडॉट मनी और मोबिक्विक जैसी नए जमाने की फर्में इस तरह की सेवाएं दे रही हैं जिन पर अलग-अलग परिपक्वता अवधि की सावधि जमा पर 9.5 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। यह पहला मौका है जब फिनटेक फर्में एफडी जैसे निवेश साधनों में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

फिनटेक फर्में लघु वित्त बैंकों, जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और वाणिज्यिक बैंकों के साथ साझेदारी कर इस तरह की सेवाएं मुहैया करा रही हैं। यह एक तरह की निजी साझेदारी है जिसके लिए नियामक से लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। हालांकि नियमों के मुताबिक जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम द्वारा सावधि जमा में 5 लाख रुपये तक का बीमा होता है। फिनटेक कंपनियों द्वारा वित्तीय सेवाओं में सावधि जमा को शामिल करने की रणनीति को आय का स्रोत बढ़ाने और मुनाफे में आने का रणनीतिक प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। स्टेबल मनी के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनियां पिछले साल भर से सावधि जमा की पेशकश कर रही हैं ताकि उनकी आय बढ़ सके और कुछ हद मुनाफा दिख सके। इस निवेश साधन में रुचि इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि शेयर बाजार में उथापटक के बीच सावधि जमा पर ब्याज दर भी अच्छा मिल रहा है।

देश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कहीं महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव जारी कर दिए हैं। सोमवार को यूपी से बिहार तक कई जिलों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है, जबकि कुछ जिलों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। वैसे दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर बिक रहा है।

डीजल भी 14 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। पड़ोस के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 94.70 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 14 पैसे चढ़कर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे टूटकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 17 पैसे गिरकर 92.09 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़कर 67.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश

- कंपनी पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी

जयपुर ।

अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं ओ दि। कंपनी के एक वेरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि

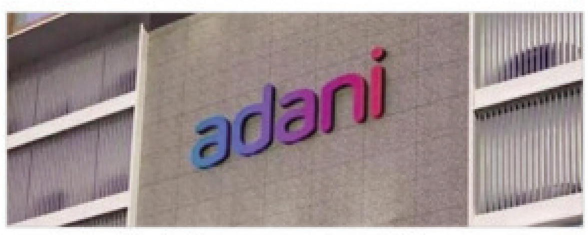

अदाणी समूह की दृष्टि में राजस्थान में उद्यमिता और विकास के लिए अच्छी खबरें हैं। इस निवेश से समृद्धि की कविता और विकास की कहानी में नया अध्याय शुरू होने का इन्तजार है। आगामी समय में इस निवेश से राजस्थान को एक नया रूप मिलने के उम्मीद है।

आदित्य बिड़ला समूह राजस्थान में 50,000 करोड़ करेगा निवेश

निवेश योजना में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल

जयपुर । आदित्य बिड़ला समूह ने अपनी विभिन्न कारोबारों में राजस्थान में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बताया कि इस निवेश में नवीकरणीय ऊर्जा में 6,000 करोड़ रुपये भी शामिल होगा। उन्होंने समूह की महत्वपूर्ण उपस्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि समूह के छह व्यवसायों में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल हैं। बिड़ला ने राज्य में सीमेंट उत्पादन की बढ़ोतरी की योजना का भी खुलासा किया और बताया कि कंपनी अब एक करोड़ टन सीमेंट उत्पादन करेगी। समूह के अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश की योजना बनाने के लिए बिड़ला समूह राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। इस घोषणा से राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया जीवन मिलने की उम्मीदें हैं और समूह के निवेश से राज्य में और विकास की राह खुल सकती है।

महंगाई का असर रिलायंस जियो और एयरटेल पर

टैरिफ की दरें घटाने पर विचार

नई दिल्ली । रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने इंटरनेट रिचार्ज की दरें जुलाई माह से बढ़ा दी। इसके बाद से ही उनके उपभोक्ता कम होते चले गए। रेट तो बढ़ गये, लेकिन तीनों टेलीकॉम कंपनियों की कमाई कम हो गई। कुछ उपभोक्ताओं ने तीनों कंपनियों को छोड़कर बीएसएनल का कनेक्शन ले लिया। उपरोक्त तीनों कंपनियों को तीन माह के अंदर 1.68 करोड़ से अधिक ग्राहकों को खोना पड़ा। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस जिओ को हुआ है। रिलायंस जिओ के 1.27 करोड़ उपभोक्ता घट गए। भारतीय एयरटेल के 56 लाख उपभोक्ता और वोडाफोन के 48 लाख उपभोक्ता कम हो गए। कहां रेट बढ़ा कर ज्यादा कमाई करना थी। उल्टे वह पहले की तुलना में कम हो गई। अब तीनों कंपनियां एक बार फिर से अपने टैरिफ़ पर पुनर्विचार कर रही हैं। उपरोक्त तीनों कंपनियों में इस बात पर विचार हो रहा है। इंटरनेट का प्लान इस तरीके से तैयार करें। जिससे उपभोक्ता की क्रय शक्ति भी बनी रहे। उपभोक्ता भी उसके पास बने रहें। सूत्रों के अनुसार जल्द ही तीनों कंपनियां इंटरनेट टैरिफ को कम कर सकती हैं।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के आईपीओ पर सभी की नजरें

397-417 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली । ब्लैकस्टोन समर्थित कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 4,225 करोड़ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। इस आईपीओ में 1,475 करोड़ रुपये की नई शेयर्स बिक्री के लिए पेशकश की जा रही है। कंपनी ने बयान दिया है कि यह आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह एक बड़ा मौका है निवेशकों के लिए। बड़े (एंकर) निवेशक 12 दिसंबर को बोली लगाने के लिए अवसर पाएंगे। यह आरंभिक भागीदारी का मौका भी है। इस आईपीओ से कंपनी की वृद्धि और विकास को गति मिलेगी। नए शेयर्स के जरिए निवेशकों को भी आवास के लिए एक मौका प्राप्त होगा। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड के इस आईपीओ पर निवेशकों की उत्सुकता बढ़ गई है और विश्वास है कि यह निवेशकों के लिए एक लाभकारी मौका प्रदान करेगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने की तैयारी

सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कमी करने का लिया निर्णय

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का तैयारी कर ली है। यह योजना निवेशकों को सोने की कीमत के बराबर भुगतान और ब्याज हासिल कराती थी, जिससे सरकार का वित्तीय बोझ बढ़ जाता था। सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में व्यापक कमी करने का निर्णय लिया है और इस कदम के साथ सोने के आयात को भी कम किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2026 के बजट में कर्ज घटाने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जा सकती है। वित्त वर्ष 2025 में ऋण-जीडीपी अनुपात को 56.8 फीसदी रखने की उम्मीद है, जो 2024 में 58.2 फीसदी था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका उद्देश्य फिजिकल गोल्ड की जगह बॉन्ड में निवेश को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2025 में अब तक कोई नया गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 18,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था। यह कदम सरकार की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लक्ष्य के साथ लिया गया है। यह निर्णय सरकार के वित्तीय बोझ कम करने और स्थिरता बनाए रखने के मार्ग पर एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही इस योजना के बंद होने से सोने के आयात को भी कम किया जा सकेगा।

स्टार्टअप इंडिया पहल: भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

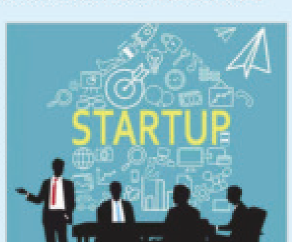

नई दिल्ली । भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद बाजार टूटकर बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और उपभोक्ता उत्पादों एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 200.66 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 81,508.46 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 58. 80 तकरीब .24 फीसदी गिरावट के साथ ही 24619.00 पर बंद हुआ आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 3 फीसदी से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रूप से नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर एलएंडटीका शेयर 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक के शेयर गिरावट में रहे।

आज बाजार में गिरावट का कारण हिंदुस्तान

यूनिलीवर जैसे एफएमसीजी स्टॉक्स में हुई भारी बिकवाली है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इसके अलावा भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया।

वहीं मध्य पूर्व में जारी तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ इस सप्ताह भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत गिरावट से हुई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के कमजोर तिमाही बिक्री पूर्वानुमान के कारण एफएमसीजी शेयर फिसल गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 81,602.58 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट लेकर 24,633.90 अंक के स्तर पर खुला।

भारत में एफडीआई ने एक नया कीर्तिमान बनाया, 1 ट्रिलियन डॉलर के पार

- मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और कई अन्य देशों से आया निवेश

नई दिल्ली ।

बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में सेक्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसोयिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक

आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

स्टार्टअप इंडिया पहल- भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

तेजप्रताप बोले-महुआ से चुनाव लडूंगा

सुनकर रो पड़े राजद विधायक

मुकेश रोशन बोले- जो पार्टी चाहेगी वही करूंगा, उसके बाद फूट-फूट कर रोने लगे

हाजीपुर। लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने कहा है कि 'अगर महुआ की जनता चाहेगी तो मैं फिर से यहां से विधानसभा का चुनाव लडूंगा।' तेजप्रताप के बयान के बाद महुआ से वर्तमान राजद विधायक मुकेश रोशन ने कहा कि 'पार्टी का जो फैसला होगा उसे मानूंगा।' उसके बाद वो बीच सड़क पर फूट-फूट कर रोने लगे। दरअसल, तेजप्रताप रविवार को हाजीपुर में एक अस्पताल का उद्घाटन करने जोहरी बाजार पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा, 'मैंने महुआ में सड़क,अस्पताल का निर्माण कराया है। अगर महुआ की जनता चाहेगी तो मैं 2025 में यहीं से चुनाव लडूंगा। ये मेरा पुराना विधानसभा क्षेत्र है।' हाजीपुर में तेजप्रताप यादव ने सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि बिहार में लूट, हत्या और रेप की घटनाएं हो रही हैं। नीतीश कुमार की यात्रा से कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम महिलाओं का अपमान करते हैं। तेजप्रताप ने कहा, 'बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बदत्तर हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री की स्थिति डांवाडोल है। इसी को लेकर मरीज सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने के लिए जाना नहीं चाहते और सभी प्राइवेट अस्पतालों की तरफ जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि लोग सरकारी अस्पताल छोड़कर प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराए। तेज प्रताप ने दावा किया है कि जिस तरीके से झारखंड चुनाव के नतीजे देखने को मिले हैं, वैसा ही स्थिति बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में देखने को मिलेगा। बिहार में भी चुनाव जीतेंगे। तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर के हसनपुर के विधायक हैं। तेज प्रताप यादव महुआ सीट से 2015 में चुनाव जीते थे। उन्हें 66,927 वोट मिले थे। वहीं 2020 विधानसभा चुनाव में तेज प्रताप यादव ने हसनपुर से चुनाव लड़ा। वहीं, नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार में तेज प्रताप यादव को स्वास्थ्य मंत्री का पद भी मिला था। बता दें कि 2020 में राजद विधायक मुकेश रौशन ने वहां से चुनाव लड़ जीत हासिल की थी। मुकेश रोशन को 62,580 वोट मिले थे, जो तेज प्रताप यादव से 4,347 हजार कम थे। अब जानिए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी 15वीं यात्रा के दौरान क्या करेंगे सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा को लेकर कैबिनेट सचिवालय ने सभी डीएम, कमिशनर, आईजी, डीआईजी, एसपी, एसएसपी को पत्र जारी किया गया है।

पटना में युवक की पीट-पीटकर हत्या

पटना। सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र के पत्थर घाट गांव में अपराधियों ने एक ठेला चालक युवक मोहम्मद शकील (28) की ईट-पत्थरों से कुचकर हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल परX FSL टीम की मदद से जांच भी शुरू कर दी है। घटना की पुष्टि करते हुए मालसलामी थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान चौक थाना क्षेत्र के मंगल तालाब निवासी मोहम्मद शकील के रूप में हुई है। कल रात से ही लापता था शकील मोहम्मद शकील के भाई मोहम्मद खुर्शीद ने बताया कि वह उनका छोटा भाई था। मां-पिता के निधन के बाद मोहम्मद शकील ठेला चलाकर भरण पोषण करता था। मोहम्मद शकील की शादी नहीं हुई थी। उसे शराब का लत था। हत्या का कारण पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि कल रात से ही वह लापता था। सोमवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि मोहम्मद शकील की हत्या के बाद उसके शव को फेंक दिया गया है। घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने मोहम्मद शकील की पहचान की। उन्होंने कहा कि अपराधियों के द्वारा मोहम्मद शकील की बुरी तरह पिटाई के बाद हत्या कर दी गई है।

4 दोस्त नई कार की पार्टी करने निकले,2 की मौत

हाजीपुर। सोनपुर में सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। चारों एक कार से पार्टी करने पटना गए थे। लौटने के दौरान पटना-सोनपुर बायपास पर लालू यादव चौक के पास कार ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की माने तो गाड़ी की जो हालत है, उसे देखकर लगता है कि रफ्तार 100 से ज्यादा की रही होगी। घटना रविवार की रात करीब 12 बजे की। वहीं घायलों को पटना पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। हादसे में मारे गए पहलेजा थाना के कश्मर गांव निवासी लक्ष्मण भगत के बेटे अमन कुमार(27) ने नई कार खरीदी थी। इसी की पार्टी करने वो अपने तीन दोस्तों के साथ कार से पटना गया था। लौटने के दौरान ये हादसा हुआ। मृतकों में अमन का दोस्त और शिव साह का बेटा जीतू कुमार (28) भी है। जीतू की मां बसंती देवी ने बताया कि 'दो महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी। सब कुछ फिक्स था। पैसे की बात बाकी थी। मेरा बेटा गाड़ी चलाता था। जीतू और हम हम मिलकर घर चलाते थे। मेरे ऊपर 7 लाख का कर्ज है। जीतू बोलता था, वो सारा कर्ज खत्म कर देगा। अब कर्ज कौन खत्म करेगा।'कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आगे बैठे दो दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों का शव दुर्घटनाग्रस्त कार में ही फंस गया था। जिसे निकालने में प्रशासन को 2 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 7 दिसंबर को अमन ने खरीदी थी कार अमन कुमार ने 7 दिसंबर को काले रंग की सेकेंड हैंड वरना कार खरीदी थी। जिसे लेकर वो काफी खुश था। कार से ही दोस्तों के साथ पार्टी करने घर से पटना की तरफ निकला था। वहीं वापस लौटने के दौरान लालू यादव चौक के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

दिल्ली-शिलॉन्ग फ्लाइट की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

पैसेंजर बोले- बीच हवा बर्ड हिट के कारण टूटा विंडशील्ड; विमान हिलने लगा था

पटना। दिल्ली से शिलॉन्ग जा रही फ्लाइट की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। बर्ड हिट के कारण पटना एयरपोर्ट पर विमान को उतारा गया। विमान के सभी 80 यात्री सुरक्षित हैं। नई दिल्ली से SG-2950 फ्लाइट ने सुबह 7.03 बजे उड़ान भरी थी। सुबह 10.02 बजे इसे शिलॉन्ग पहुंचना था, लेकिन पायलट को अचानक विंडस्क्रीन में दरार दिखी। जिस वक्त पायलट ने इसे देखा, उस समय विमान पटना से गुजर रही थी। इसके बाद पायलट ने ट्रैफिक कंट्रोल को जानकारी दी और पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी। जिसके बाद विमान को उतारा गया। पैसेंजर्स ने काफी देर तक पटना एयरपोर्ट पर इंतजार किया। अब सभी को पटना के होटल में शिफ्ट किया जा रहा है। भास्कर से बात करते हुए एक यात्री देवाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि फ्लाइट हिल रही थी। समझ आ गया था कि कुछ तो हुआ है। फिलहाल होटल जा रहे हैं इसी फ्लाइट से सफर कर रहीं श्वेता ने बताया कि 'मुझे गुवाहाटी जाना था। फ्लाइट आसमान में थी तभी कोई चिड़िया टकरा गई,

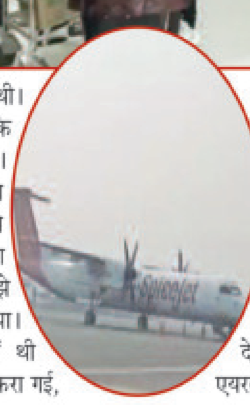

जिससे विनशील्ड में क्रैक आ गया। जिसके बाद सभी पैसेंजर्स को इसकी सूचना दी गई। पटना में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। अब देखिए कब तक एयरलाइंस वाले दूसरी फ्लाइट कराते हैं।' वहीं जयपुर के रहने वाले नितेंद्र मित्तल ने बताया कि 'हवा में ही सूचना मिली कि पायलट का विंडशील्ड क्रैक हो गया है। इसके कारण पटना में इमरजेंसी लैंडिंग कराई जा रही है। फिलहाल सारे पैसेंजर्स सेफ हैं। हमें अभी होटल ले जाया जा रहा है।' रोहित यादव ने बताया कि 'घटना की जानकारी एयरक्राफ्ट में ही मिल गई थी। अब हमें होटल ले जा रहे हैं। कहा गया है कि दूसरी फ्लाइट से आगे हम लोगों को भेजा जाएगा।' ढाई घंटे एयरपोर्ट पर रुके पैसेंजर्स स्पाइसजेट के विमान में 80 यात्री थे। जो इमरजेंसी लैंडिंग के बाद करीब 2 घंटे 30 मिनट तक एयरपोर्ट पर ही रुके। फिर उन्हें होटल भेजा गया। फिलहाल मुंबई से विंडशील्ड मंगाया जा रहा है। विंडशील्ड चेंज होने के बाद फ्लाइट के समय की जानकारी यात्रियों को दी जाएगी।

रिसेप्शन पार्टी में हर्ष फायरिंग, एक व्यक्ति जख्मी

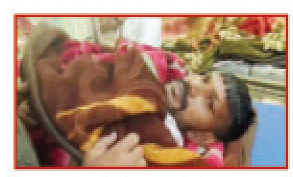

कटिहार। के नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा में शादी की रिसेप्शन पार्टी के दौरान हर्ष फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल की पहचान राम भजन शर्मा(40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसके पैर में गोली लगी है। घटना के बाद उसे तुरंत कटिहार मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार शादी के जश्न के दौरान हुई, अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद रिसेप्शन में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दिया और लोगों से पूछताछ भी की। गोली लगने से एक व्यक्ति हुए जख्मी पार्टी में मौजूद मनोज कुमार ने बताया कि उनके छोटे भाई की शादी थी, जिस कारण सभी व्यस्त थे। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनने के बाद पता चला कि एक व्यक्ति घायल हो गया है। उन्होंने घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होने की बात कही। आरोपी की पहचान नहीं स्थानीय निवासी सैफ अंसारी ने बताया कि मोहल्ले में गोली चलने की आवाज सुनकर वे मौके पर पहुंचे। वहां पुलिस को जांच करते देखा। गोली किसने और कैसे चलाई, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। जांच में जुटी पुलिस पुलिस के अनुसार यह घटना देर रात हुई। फिलहाल घायल का इलाज जारी है और शादी के घरवालों से पूछताछ की जा रही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। कटिहार के नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा में शादी की रिसेप्शन पार्टी के दौरान हर्ष फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल की पहचान राम भजन शर्मा(40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसके पैर में गोली लगी है। घटना के बाद उसे तुरंत कटिहार मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त डायरी

98 लाख रुपए की लागत से पुस्तकालय का होगा जीर्णोद्धार

समस्तीपुर। के मगरदही में स्थित शिवशंकर नवल किशोर विशिष्ट पुस्तकालय को जिले का केन्द्रीय पुस्तकालय के रूप में विकसित किया जाएगा। पुस्तकालय के नए भवन का निर्माण होगा। साथ ही यहां नई पुस्तकों का भी भंडारण किया जाएगा। इसके लिए सरकार की तरफ से 98 लाख रुपए का टेंडर दिया गया है। टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होते ही पुस्तकालय के जीर्णोद्धार का काम शुरू होगा। स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन जानकारी देते हुए बताया कि शहर में दो पुस्तकालय संचालित है। लेकिन दोनों की स्थिति काफी दयनीय हैं। शहर के मगरदही और पेठिया गाछी नवजीवन क्लब में पुस्तकालय चलता है। सरकार ने शहर के मगरदही स्थित पुस्तकालय के जीर्णोद्धार के लिए निविदा निकाली है। पुस्तकालय के जीर्णोद्धार के लिए वह लगातार विधानसभा में इस मुद्दा को उठा रहे थे। उनके प्रयास और संघर्ष के कारण इस योजना को मूर्त रूप दिया जा सका है ' इस दौरान वह पुस्तकालय पहुंचकर पुस्तकालय की स्थिति का जायजा भी लिया। बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड की ओर से 98 लाख रुपए की लागत का निविदा आमंत्रित की गई है पुस्तकालयों का होना समाज के विकास में अहम भूमिका निभाता है पुस्तकालय न केवल ज्ञान का भंडार होता है, बल्कि वे सामाजिक समरसता और सामूहिक जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं ' समस्तीपुर में जहां लंबे समय से सार्वजनिक पुस्तकालयों की कमी और उपेक्षा रही है।अब उनके अथक प्रयास से इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है ' इससे जिले के लोग लाभान्वित होंगे ' यह पहल समस्तीपुर जिला में ह्यपुस्तकालय संस्कृतिह्न को सशक्त करने और शिक्षा के प्रसार को बढ़ावा देने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा।

शादी के 10 दिन बाद प्रेमी के साथ दुल्हन फरार

मुजफ्फरपुर। में शादी के 10 दिन बाद दुल्हन बॉयफ्रेंड के साथ ससुराल से आठ लाख रुपए के गहने और दो लाख रुपए नगद लेकर फरार हो गई है। घटना को लेकर दूल्हे ने काजी मोहम्मदपुर थाना में FIR दर्ज करवाया है। जिसके बाद पुलिस दुल्हन और उसके बॉयफ्रेंड की तलाश में जुट गई है। पीड़ित दूल्हा राहुल कुमार ने बताया कि 25 नवंबर को वैशाली जिले के गंगाब्रिज थाना के एक गांव में उसकी शादी हुई थी। शादी के दस दिनों तक सब ठीक ठाक चला। पांच दिसंबर को वो काम पर चला गया और उसकी मां सब्जी लेने के लिए घर से बाहर निकली। इसी बीच दोपहर एक बजे के करीब दुल्हन लापता हो गई। जब मां सब्जी लेकर घर लौटी तो दुल्हन घर पर नहीं मिली। मां ने कॉल करके इसकी जानकारी मुझे दी। जानकारी मिलते ही मैं काम छोड़ घर लौटा। काफी खोजबीन की गई, लेकिन दुल्हन का पता नहीं चला। घर में छानबीन हुई तो पता चला कि दुल्हन को जो शादी में गहने मिले थे। वो उस गहने के साथ मां के भी गहने अपने साथ लेकर भाग निकली। आलमारी खोलकर देखने के बाद पता चला कि दो लाख रुपए कैश भी गायब है। जिसके बाद इस मामले में पता लगाया कि तो मालूम चला कि वो शादी से पहले भी एक बार अपने प्रेमी राजापाकड़ निवासी सत्यम के साथ भाग चुकी थी। मायके वालों ने किसी तरह वापस लाने के बाद उसकी शादी कराई। दूल्हा ने आगे बताया कि वो अपनी पत्नी को लाने के लिए उसके प्रेमी सत्यम के घर पहुंचा तो पता चला कि उसका पूरा परिवार घर छोड़कर फरार हो चुका है।

सीवान सदर अस्पताल में आयुष्मान कार्ड बनाने की पहल

सीवान। सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड निशुल्क बनाए जा रहे हैं। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक डिजिटल काउंटर पर यह सेवा उपलब्ध है। कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड में नाम होना जरूरी है। राशन कार्ड में नाम होने पर 24 घंटे के भीतर आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हो जाता है। आयुष्मान कार्ड से मरीजों को 5 लाख तक का निशुल्क इलाज मिलता है। इसे देशभर के बड़े अस्पतालों और निजी संस्थानों में इलाज के लिए उपयोग किया जा सकता है। गरीब वर्ग के लोग इससे ऑपरेशन और जांच जैसी महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। डिजिटल काउंटर से भी बनवा सकते कार्ड 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक सिर्फ आधार कार्ड के जरिए आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। उन्हें राशन कार्ड की जरूरत नहीं होती।

तेज रफ्तार ट्रक दुकान में घुसा, चालक घायल

शेखपुरा। के बरबीघा शहर स्थित हटिया मोड़ पर सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक अनियंत्रित हाईवा ट्रक सड़क किनारे बंद सीमेंट दुकान में घुस गया। इस घटना में दुकान और भवन को भारी नुकसान पहुंचा। , जबकि भीतर रखा सारा सामान नष्ट हो गया। नुकसान का अनुमान लाखों रुपये में लगाया गया है। घटना के दौरान ट्रक चालक वाहन के स्टीयरिंग के नीचे बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही बरबीघा थाने के सब-इंस्पेक्टर गौतम कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकाला। जिसके बाद उसे बरबीघा के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान नालंदा जिले के देव बिगहा गांव निवासी अभिषेक कुमार(24) के रूप में हुई। तेज रफ्तार की वजह से खोया नियंत्रण चालक ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ। डॉक्टरों के अनुसार चालक की हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने ट्रक को किया जब्त बरबीघा थाने के पुलिस सब इंस्पेक्टर गौतम कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है। बताया कि वाहन से चालक को समय पर नहीं निकालने से उसकी जान जा सकती थी।

मोदी सरकार की फॉरेन डिप्लोमैसी ठीक नहीं

बिहार के पूर्व मंत्री का आरोप, बोले- ये चाहते हैं कि बांग्लादेश में कुछ ऐसा हो, जिसका असर आने वाले चुनावों पर पड़े

समस्तीपुर। केंद्र सरकार की विदेशी डिप्लोमेसी ठीक नहीं है, दुर्भावना पूर्ण है। मोदी सरकार चाहती है कि बांग्लादेश में ऐसा कुछ हो जिसका असर आने वाले चुनावों पर पड़े। केंद्र की सरकार लोगों जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मुद्दे पर पूरी तरह से फेलियर है। राष्ट्रीय जनता दल के सीनियर नेता पूर्व मंत्री सह विधायक आलोक कुमार मेहता ने रविवार की रात एक निजी कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत में ये बातें कही। उन्होंने कहा है कि देश के शासक की नीयत ठीक नहीं है। मोदी सरकार देश के अंदर लोगों के बीच विभेद पैदा कर वोट की राजनीति कर रहे हैं, जिसका असर पड़ोसी देशों पर भी पड़ता है, यही वजह है कि आसपास के देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के

महापुरुषों के मूल्यों को त्यागकर भगवावादी सोच लागू कर रहे हैं

साथ वहां के लोग बदले की भावना से काम करने लगते हैं। आलोक मेहता ने कहा कि देश चलाते समय आपको देखना होगा कि आप जिस पर प्रहार कर रहे हैं, उनकी भावना अगर भड़केगी तो क्या होगा। आप जिनका पक्ष लेने की कोशिश कर रहे हैं, वे दूसरी जगह बैठे हैं, दूसरे जगह पर उनके साथ जो हो रहा है वो गलत है। वहां की सरकारों को ये बात देखनी होगी। सरकार ने अपने देश में डॉक्टरों को भी भावनाओं में बांट दिया है आलोक मेहता ने कहा कि अपने देश में डॉक्टर जैसे लोगों को भावनाओं में बांट दिया गया है, जिससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जा रही है कि कोई डॉक्टर अपने यहां बोर्ड लगा दे रहा है कि जब तक तिरंगे को सलाम नहीं करोगे, तुम्हारा इलाज नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत गंगा जमुना संस्कृति का देश है। यह महात्मा गांधी, त्रियार का देश है, महात्मा फुले का देश है। यहां लोहिया और कपूर्री जैसे लोग रहें हैं। मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने देश की स्वतंत्रता के बाद सियासत की शुरूआत की थी, वे पूर्व के नेताओं की तमाम मूल्यों को ध्वस्त करके भगवावादी सोच को लागू कर रहे हैं।

कीवी में

छिपा है पोषक तत्वों का भंडार

पोषक तत्वों से भरपूर फल स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी होते हैं। हर फल की अपनी खासियत और फायदे होते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा लगने वाला कीवी भी अपने बेजोड़ फायदों के लिए जाना जाता है। इसका खट्टा मीठा स्वाद लोगों को बेहद पसंद आता है। कीवी में पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, फोलिक एसिड, विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। कीवी में कैलोरी कम मात्रा में होती है इसलिए वजन कम करने वालों के लिए यह फल अमृत समान है। चलिए बताते हैं इस फल का सेवन करने से कौन सी परेशानियां दूर होंगी और इसका सेवन किस समय करना चाहिए?

आंखों की रोशनी बढाए

विटामिन ए से भरपूर कीवी आंखों की रौशनी को तेजी से बढ़ाता है। ल्यूटिन और जेक्सैंथिन से भरपूर यह फल एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन सोर्स है। यह फल आंखों के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं।

इम्यूनिटी बनाए मजबूत

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती उन लोगों को अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए आप कीवी का सेवन करना चाहिए। इसमें मौजूद विटामिन-सी कमजोर इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बुखार में फायदेमंद

एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर कीवी डेंगू जैसे बुखार में लाभकारी होता है। में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगता है जिसमें कीवी इन प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद करती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

कीवी में मौजूद विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाते हैं। साथ ही कोलेजन को बढ़ावा देते हैं, और युवा त्वचा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

ह्रदय के लिए लाभकारी

कीवी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर ह्रदय संबंधी कार्य को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे ह्रदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

कब्ज करे दूर

अगर आप कब्ज के मरीज हैं तो रोज़ाना 2 से 3 कीवी का सेवन करें। कब्ज की समस्या को दूर करने में कीवी लाभकारी है।

कब करें कीवी का सेवन?

कीवी का सेवन दोपहर या शाम की बजाय सुबह 10 से 12 के बीच करें। कीवी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत की बेहतरीन देखभाल करते हैं। आप इसे खाली पेट भी खा सकते हैं। हालांकि, खाली पेट खट्टा फल खाने से आपको एसिडिटी की समस्या हो सकती है तो इसे खाली पेट खाने की बजाय कुछ नाश्ता कर खाएं।

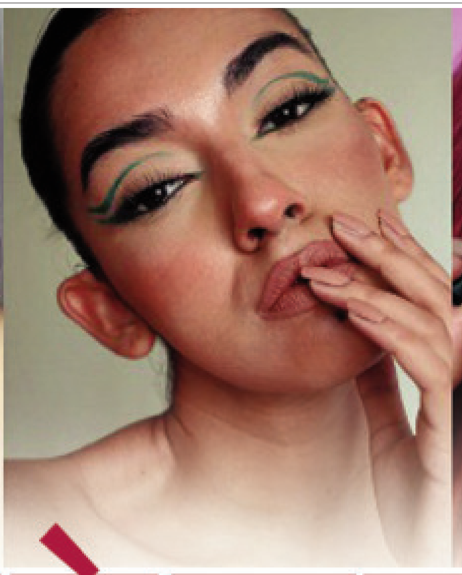

काजल के इन नए शेड्स

से बेस्ट आई मेकअप लुक पाएं, ब्लैक के अलावा ट्राई करें ये रंग

काजल एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जो हर महिला के मेकअप बैग का जरूरी हिस्सा बन चुका है। यह आंखों को आकर्षक और बड़ी दिखाने के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन क्या आप सिर्फ ब्लैक काजल तक ही सीमित हैं? अगर हां, तो अब समय है अपने आई मेकअप रूटीन में कुछ नया जोड़ने का। इस लेख में हम आपको काजल के कुछ ऐसे डिज़ाइंस और शेड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी वैनिटी में जरूर शामिल करना चाहेंगी।

डबल कलर काजल

डबल कलर काजल लुक आजकल बेहद पॉपुलर है। यह काजल का डिज़ाइन ना सिर्फ आंखों को आकर्षक बनाता है, बल्कि बहुत ही कूल और स्टाइलिश भी लगता है। इस लुक को आप दोनों आंखों में अलग-अलग रंगों के काजल का इस्तेमाल करके प्राप्त कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आप एक आंख में ग्रीन काजल और दूसरी आंख में पिंक काजल लगा सकती हैं। इस डिज़ाइन को आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ बेहद आराम से कैरी कर सकती हैं और किसी पार्टी या फंक्शन में यह आपको खास आकर्षण का केंद्र बना सकता है। इसके अलावा, आप इसके साथ मैचिंग आई शैडो भी यूज कर सकती हैं, ताकि लुक और भी खूबसूरत बने।

ब्रॉड ब्लैक काजल

ब्रॉड ब्लैक काजल एक क्लासिक लुक है, जिसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। यह लुक आंखों को गहरा और एक्सप्रेसिव बनाता है। आमतौर पर ब्लैक काजल को पतला लगाया जाता है, लेकिन जब इसे ब्रॉड तरीके से लगाया जाता है, तो यह ज्यादा ड्रामेटिक और ग्लैमरस दिखता है। यह खासतौर पर पारंपरिक ड्रेस जैसे साड़ी, सलवार-कुर्ता या किसी भी प्रकार के इंडियन आउटफिट के साथ बहुत अच्छा लगता है। इस लुक को बेहतर बनाने के लिए आप सिल्वर ज्वेलरी और न्यूड बेज लिपस्टिक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके लुक को बैलेंस और एलीगेंट बनाए रखेगी।

कैट आई काजल

कैट आई काजल लुक एक ट्रेंडी और ग्लैमरस डिज़ाइन है, जिसे कई सेलेब्स और स्टाइलिश महिलाएं अपने लुक को एलेवेट करने के लिए अपनाती हैं। इस लुक में काजल को आंखों के बाहरी कोने तक फैलाया जाता है, जिससे आंखों का आकार और ज्यादा बड़ा और सेक्सी नजर आता है। इस लुक के लिए आप ग्रीन, ब्लू या रेड काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैट आई काजल के साथ न्यूड लिप्स और हल्के आई शैडो का इस्तेमाल करें ताकि काजल और लुक दोनों को पूरी तरह से हाईलाइट किया जा सके। यह लुक खासकर वेस्टर्न कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इसे पारंपरिक ड्रेस के साथ भी अपनाया जा सकता है।

स्मोकी काजल

स्मोकी काजल लुक एक और खूबसूरत और सेक्सी आई मेकअप स्टाइल है। इसमें काजल को आंखों के बाहरी कोने से अंदर की ओर अच्छे से स्मज किया जाता है, जिससे एक स्मोकी और ड्रामेटिक लुक मिलता है। यह लुक नाइट पार्टीज, डेट नाइट्स या किसी खास अवसर के लिए परफेक्ट होता है। इस लुक को आप ब्लैक, ब्राउन या पर्पल काजल के साथ बना सकती हैं। इसके बाद हल्के आई शैडो से स्मज करें और वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं, जिससे आपका लुक पूरे दिन सही रहे।

कलर्ड काजल

आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्ड काजल उपलब्ध हैं, जैसे पिंक, गोल्ड, पर्पल, ब्लू और ग्रीन। कलर्ड काजल न सिर्फ आंखों को फ्रेश और यंग लुक देता है, बल्कि यह आपके लुक को भी एक अलग ही डिमेंशन देता है। आप इस काजल को न केवल अपनी आंखों के पानी की लाइन में, बल्कि आंखों के नीचे भी लगा सकती हैं, जिससे आपको एक अलग और यूनिक लुक मिलता है। कलर्ड काजल को आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं, और यह किसी भी पार्टी में आपकी आंखों को आकर्षक बना सकता है।

स्मूद और नैचुरल काजल

यदि आप एक नैचुरल लुक चाहती हैं, तो स्मूद और हल्का काजल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसे हल्के हाथों से अपनी वाटरलाइन पर लगाकर अपनी आंखों को थोड़ी सी डिफिनिशन दे सकती हैं। यह लुक खासतौर पर उन महिलाओं के लिए है जो एक डेली वियर लुक चाहती हैं, जिसमें बहुत ज्यादा मेकअप न हो। यह काजल हर दिन के लुक के लिए परफेक्ट होता है और इसे किसी भी सादा ड्रेस के साथ कैरी किया जा सकता है।

इन सभी काजल डिज़ाइनों के साथ आप अपने आई मेकअप को नया और ट्रेंडी बना सकती हैं। हर लुक को अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से चुनें और अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाएं।

कमाल का रिजल्ट देता है

मूंगफली का फेस पैक, मिनटों में त्वचा बनेगी मुलायम और चमकदार

सर्दी के दस्तक देते हैं घरों में मूंगफली आनी शुरू हो जाती है। यह सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि आपके चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद है। भिगोई हुई मूंगफली का फेस पैक बनाकर आप अपनी त्वचा को पोषण दे सकते हैं। मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण देकर नमी बनाए रखते हैं और इसे दमकाने में मदद करते हैं। इसे घर पर बनाकर उपयोग करें और महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें। आइए जानते हैं भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने और उपयोग करने का तरीका।

भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने की विधि

- मूंगफली को 5-6 घंटे या रातभर पानी में भिगो दें।
- भीगी हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर बारीक पेस्ट बना लें।
- इसमें शहद और दूध (या दही) मिलाएं। यदि चाहें तो कुछ बूंदें गुलाबजल भी मिला सकते हैं।
- इस पेस्ट को अच्छी तरह से मिलाकर स्मूद फेस पैक तैयार करें।
- तैयार फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।
- 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें, हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को मसाज करते हुए पैक हटाएं।
- अंत में चेहरे को ताजे पानी से धो लें और मॉइश्चराइजर लगाएं।

मूंगफली फेस पैक के फायदे

- मूंगफली में मौजूद प्राकृतिक तेल त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है।
- मूंगफली के छोटे कण स्क्रब की तरह काम करते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।
- मूंगफली में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को पोषण देकर एक्ने और दाग-धब्बे कम करने में सहायक होते हैं।
- दूध या दही त्वचा को मुलायम और लचीला बनाता है।

सावधानियां

1. मूंगफली से एलर्जी होने पर इस फेस पैक का उपयोग न करें।
2. हमेशा फेस पैक को ताजा बनाएं और तुरंत इस्तेमाल करें।
3. सप्ताह में 1-2 बार इसका उपयोग करें।
4. इस्तेमाल से पहले चेहरे पर पैच टेस्ट जरूर करें।

घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

- 500 ग्राम आंवला
- एक कप गुड़
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- काला नमक एक चम्मच
- काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
- भुना जीरा एक चम्मच
- आधा कप पिसी चीनी
- एक चौथाई चम्मच हींग
- नींबू का रस

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने की विधि

- इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।
- उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।
- अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।
- इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।
- धीरे-धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।
- आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।
- तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी आंवले की गोली।

सेहत के लिए वरदान औषधीय गुणों से भरपूर ये फल

शरीफे को सीताफल के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेजी में इस फल का नाम कस्टर्ड एप्पल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फल में एक से बढ़कर एक औषधीय गुणों को अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस फल को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। शरीफे में विटामिन सी, पोटैशियम, विटामिन ए, कॉपर, फॉस्फोरस, फाइबर और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए इस फल से मिलने वाले कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

फैट बर्न करने में कारगर

अगर आप अपने बढ़ते हुए वेट पर काबू पाना चाहते हैं तो इस फल का सेवन करना शुरू कर दीजिए। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस फल को खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा शरीफे में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को भी सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस फल का सेवन किया जा सकता है।

कंट्रोल करे बीपी-शुगर

इस फल को खाकर आप अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि इस फल को हार्ट के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं इस फल में पाए जाने वाले तत्व आपके ब्लड शुगर लेवल को काबू करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। यानी शरीफे को सही तरीके से और सही मात्रा में कंज्यूम कर डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

रेगुलरली इस फल का सेवन कर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। इसके अलावा शरीफा आपके दिमाग को तेज और मजबूत बना सकता है। इस फल का सेवन कर आप अपनी बोन हेल्थ को भी काफी हद तक स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं। शरीफे में पाए जाने वाले तत्व आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं।

इन दालों के ज़्यादा सेवन से बढ़ सकती है पेट में गैस की समस्या

ज्यादातर लोगों को खाने के बाद पेट फूलने या ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। पेट फूलने के बाद कई बार खट्टी डकार या जलन होने लगती है। ऐसी स्थिति में लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। बता दें ब्लोटिंग या गैस के पीछे दाल का सेवन भी हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कुछ दाल का सेवन करने से पेट में गैस बनने लगती है। ऐसे में जो लोग ब्लोटिंग या गैस की समस्या से पपरेशान होते हैं उन्हें इन दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए हम आपको बताते हैं पेट को फूलने से बचाने के लिए आपको किन दाल को नहीं खाना चाहिए?

चना दाल

चने की दाल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिनप्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह दाल पेट में गैस बनाती है और ब्लोटिंग की समस्या को तेजी से बढ़ाती है। ऐसे में जिन लोगों को गैस की समस्या होती है उन्हें इस दाल को कम खाने की सलाह दी जाती है।

उड़द की दाल

गैस की संसय से परेशान लोगों को काली उड़द की दाल नहीं खानी चाहिए। यह दाल आसानी से पचती नहीं है। ऐसी में इस दाल का सेवन करने से कब्ज, पेट में गैस, ब्लोटिंग की परेशानी हो सकती है।

मसूर की दाल

मसूर दाल भी पेट की कई परेशानियों का कारण बनती है। इसे खाने से ब्लोटिंग और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

गैस की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इन चीज़ों का भी रखें ध्यान-

खाना चबाकर खाएं-खाने के छोटे-छोटे टुकड़े बड़े टुकड़ों की तुलना में पचाने में आसान होते हैं, जिससे यह संभावना कम हो जाती है कि रात का खाना आपके पेट में ज्यादा देर तक रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें- आपको गैस और ब्लोटिंग का सामना न करना पड़े इसलिए अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ज़्यादा पानी पीने से आपके जीआई ट्रैक्ट में चीजें ठीक से काम करती हैं।

ज़्यादा न खाएँ- बहुत ज़्यादा खाने से पाचन तंत्र ओवरलोड हो जाता है इसलिए खानपान में होने वाले बदलावों के प्रति सचेत रहें। आपका शरीर एक हद तक आपके खाने के हिसाब से खुद को ढाल लेता है। लेकिन अगर आप अचानक अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं, तो पाचन तंत्र इस बदलाव को संभालने में संघर्ष करता है।

दाल में घी मिलाकर खाना चाहिए या फिर नहीं

घी में पाए जाने वाले तमाम पौष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। अब सवाल ये उठता है कि घी को डाइट में शामिल करने का सही तरीका क्या है? कुछ लोग रोटी में घी लगाकर खाते हैं, तो कुछ लोग दाल में घी मिक्स कर खाना पसंद करते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आयुर्वेद के मुताबिक दाल में घी मिलाकर सेवन करना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। दाल में महज एक चम्मच घी मिलाकर खाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

अगर आप दाल में घी डालकर खाएंगे तो आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने के लिए इस तरह से घी का सेवन किया जा सकता है। सही मात्रा में घी कंज्यूम करने से आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं। दाल में घी मिक्स कर खाने से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी जिससे आप जोड़ों के दर्द की समस्या का शिकार बनने से बच सकते हैं।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपको दाल में घी मिक्स करके जरूर खाना चाहिए। इस तरीके से घी को अपने डाइट प्लान में शामिल करके आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। दिल की सेहत के लिए भी घी में पाए जाने वाले तत्व फायदेमंद साबित हो सकते हैं। शरीर की थकान और कमजोरी दूर करने के लिए भी घी को दाल में मिलाकर कंज्यूम किया जा सकता है।

गौर करने वाली बात

घी आपकी ब्रेन हेल्थ को भी इम्प्रूव कर सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए घी को लिमिटेड मात्रा में ही कंज्यूम करना चाहिए। इसके अलावा आपको घी की शुद्धता की जांच भी कर लेनी चाहिए। मिलावटी घी कंज्यूम करने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी प्वाइंट टेबल में पहले स्थान पर पहुंचा, जानें कैसे फाइनल में पहुंचेगा भारत

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के आखिरी दिन सोमवार को श्रीलंका को 109 रनों से हराकर श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में पहले स्थान पर पहुंच कर फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया। दक्षिण अफ्रीका को अब अपनी घरेलू सरजमीं पर पाकिस्तान के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

रविवार को डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत 57.29 के पीसीटी के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया था। रोहित शर्मा की टीम के पास अगले साल फाइनल के लिए दावा पेश करने के लिए मौजूदा चक्र में केवल तीन और टेस्ट हैं। अन्य प्रमुख दावेदार दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के पास क्रमशः पाकिस्तान (एच) और श्रीलंका (ए) के खिलाफ एक और श्रृंखला में है।

दक्षिण अफ्रीका बनाम श्रीलंका मैच

जीत लिए 348 रन का पीछा कर रहे श्रीलंका को मैच के पांचवें दिन जीत के लिए और 143 रन की जरूरत थी जबकि उसके पांच विकेट बचे थे। कप्तान धनंजय डिसिल्वा (50) और कुसल मेंडिस (46) की छठे विकेट की 97 रन की साझेदारी टूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने पुछल्ले बल्लेबाजों को बिना समय गवांए चलता कर दिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 238 रन पर सिमट गई। वामहस्त स्पिनर केशव महाराज ने 76 रन पर पांच विकेट झटके। टेस्ट करियर में उन्होंने 11वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 358 बनाने के बाद श्रीलंका को 328 रन पर आउट किया था। उसने दूसरी पारी में 317 रन बनाये। श्रीलंका को आखिरी दिन कल के नाबाद बल्लेबाज डिसिल्वा और मेंडिस से चमत्कार की उम्मीद थी। दोनों ने दिन की शुरुआत में एक समान 39 रन पर थे। दिन के सातवें ओवर में महाराज ने मेंडिस को एडेन मारक्रम के हाथों कैच कराया। डिसिल्वा अर्धशतक पूरा करने के बाद कैगिसो रबाडा की गेंद को विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में खेल गए जिससे श्रीलंका की हार तय हो गयी। श्रीलंका ने छह रन के अंदर आखिरी तीन विकेट गंवा दिए।

भारत अभी भी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए कैसे क्वालीफाई कर सकता है?

अगर भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए सभी टेस्ट जीतता है, तो उसका पीसीटी 64.04 हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ 2-0 की सीरीज जीतने पर भी उस अंक से पीछे रह जाएगा।

श्रीलंका पर दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद भारत दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया से ऊपर भी रह सकता है।

यदि भारत इस श्रृंखला में एक और टेस्ट हार जाता है, तो उसका पीसीटी ऑस्ट्रेलिया से नीचे चला जाएगा और उसकी योग्यता श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के परिणामों पर निर्भर करेगी।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

अबुधाबी (एजेंसी)। भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है।

इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

दक्षिण अक्रीका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अक्रीका की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। दक्षिण अफ्रीका की टीम को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 109 रनों की जीत का लाभ मिला है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को भारत को दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हराकर नंबर एक पर पहुंची थी पर वह इस स्थान पर 24 घंटे भी नहीं टिक पायी। अब दक्षिण अफ्रीका 63.33 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की घरेलू सीरीज 2-0 से जीतकर दूसरे से पहला स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 60.71 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं भारतीय टीम 57.29 प्रतिशत अंक के साथ ही तीसरे नंबर पर है।

इससे भारतीय टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह अब और भी कठिन हो गई है। खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए टॉप-2 में रहना जरूरी है। ऐसे में अगर भारतीय टीम को सीधे फाइनल में पहुंचना है तो उसे ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के बचे तीन मैचों में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से एक भी मैच में हारी तो समीकरण उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर सहना पड़ेगा। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र की अपनी आखिरी सीरीज खेल रही है जबकि ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान के विरुद्ध दो टेस्ट खेलने हैं ऐसे में उसके पास जीतकर अपना स्थान पक्का करने का अवसर है।

एडिलेड टेस्ट में हुए विवाद को लेकर सिराज और हेड पर जुर्माना लगा सकता है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड पर एडीलेट टेस्ट में बहसबाजी के लिए जुर्माना लगा सकती है। एक रिपोर्ट के अनसुार इन दोनो पर ही आचारसंसहिता उल्लंघन का आरोप है पर इस मामले में इनके निलंबन की संभावना नहीं है। दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी द्वारा दोषी पाया गया और ऐसे में इस मामले में अब इन्हें क्या सजा मिलती है ये देखना होगा।

वहीं इस घटना को लेकर हेड ने कहा, शायद यह थोड़ा आगे बढ़ गया, इसलिए मैं अपनी प्रतिक्रिया से निराश हूं, लेकिन मैं अपने लिए भी खड़ा होने जा रहा हूं। हमारी टीम में ऐसा सोचना पसंद है, हम ऐसा नहीं करेंगे। वह तरीका नहीं है जिस तरह से मैं खेल खेलना चाहता हूं और मुझे लगता है कि मेरे साथी भी ऐसे ही हैं। अगर मैं ऐसा देखता हूं, तो शायद मैं इसकी निंदा करता हूं, जो मैंने किया। वहीं सिराज ने कहा, जब आप एक अच्छी गेंद पर छक्का खाते हैं, तो यह आपको अलग तरह से परेशान करता है। जब मैंने उसे बोल्ड किया, तो मैंने केवल जश्न मनाया और उसने मुझे

अपशब्द कहे, आपने इसे टीवी पर भी देखा। मैंने सिर्फ शुरुआत में जश्न मनाया पर उससे कुछ नहीं कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उसने जो कहा वह सही नहीं था। हम सभी का सम्मान करते हैं, ऐसा नहीं है कि हम दूसरे खिलाड़ियों का अनादर करते हैं। मैं सभी का सम्मान करता हूं क्योंकि क्रिकेट सज्जनों का खेल है, लेकिन उसने जो किया वह सही नहीं था।

भारत 14 मार्च से एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी शुरू करेगा, कोच मार्केज ने लंबे शिविर की मांग की

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के लिए अपनी तैयारी 14 मार्च से राष्ट्रीय शिविर के साथ शुरू करेगी जो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आखिरी लीग मैच के दो दिन बाद होगा। ड्रॉ की पूर्व संध्या पर भारत के कोच मनोलो मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे को 'लंबे शिविर' का प्रस्ताव दिया। इगोर स्टिमक से पदभार संभालने के बाद मार्केज ने चार मैचों में अभी तक सफलता का स्वाद नहीं चखा है। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, ''अपने विपणन भागीदारों से परामर्श करने के बाद एआईएफएफ को लगा कि राष्ट्रीय शिविर इंडियन सुपर लीग 2024-25 के आखिरी लीग मैच के दो दिन बाद 14 मार्च को शुरू हो सकता है।'' 56 वर्षीय मार्केज ने कहा, ''दो दिनों तक मेरी एआईएफएफ अध्यक्ष, सीनियर अधिकारियों और एआईएफएफ के तकनीकी सदस्यों के साथ बैठकें हुईं। मुझे यकीन है कि हमने जिस तरह की तैयारियां की हैं उससे राष्ट्रीय टीम एशियाई कप क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करेगी।'' अंतिम दौर के लिए ड्रॉ सोमवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 12.30 बजे होगा।

हरभजन ने बुमराह को मैक्ग्रा, वाल्श और एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना करते हुए उन्हें ग्लेन मैक्ग्रा, कोर्टनी वाल्श और कर्टली एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया है। हरभजन ने कहा कि कहा, बुमराह रन नहीं देते और विकेट पर गेंदबाजी करते हैं जिससे उनकी गेंबाजी खेलना काफी मुश्किल होता है। वह विरोधियों को रन बनाने के अवसर नहीं देते जिसेस बल्लेबाज उनके खिलाफ गलतियां कर देते हैं। उन्होंने कहा कि, मैकग्राथ, वॉल्श और कर्टली एम्ब्रोस भी कुछ ऐसे ही गेंदबाज थे। उन्होंने बहुत अधि विकेट लिए और बुमराह भी यही कर रहे हैं। विकेट लेने की उनकी क्षमता के कारण उनका स्ट्राइक रेट भी कम है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए दोनो ही मैच में अच्छी गेंदबाजी की। पहले टेस्ट में बुमराह ने कुल 8 विकेट लिए थे। उसी कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रही। वहीं दूसरे टेसट में भी बुमराह ने पहली पारी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे। बुमराह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा 52 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वह इस प्रकार एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जहीर खान के नाम थी।

कप्तान को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं, रोहित के समर्थन में आए कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर कपिल देव ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा की वापसी करने की क्षमता पर संदेह नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आलोचनाओं से घिरे भारतीय कप्तान को अपने करियर के इस चरण में खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। एडीलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट में रोहित ने मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए तीन और छह रन बनाए थे। प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने नरम रुख के लिए उनकी आलोचना की थी। भारत ने ढाई दिन में मैच 10 विकेट से गंवा दिया।

कपिल ने यहां दिल्ली गोल्फ क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उसे खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। वह कई वर्षों से ऐसा करता आ रहा है इसलिए हमें किसी पर संदेह नहीं करना चाहिए। मैं उस पर संदेह नहीं करूंगा। मुझे उम्मीद है कि वह फॉर्म में वापस आ जाएगा, यह

महत्वपूर्ण है। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण शुरुआती टेस्ट में नहीं खेले थे। सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने अधिकांश रन बनाने के बावजूद 37 वर्षीय रोहित दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे लोकेश राहुल को पारी का आगाज करने का मौका मिला जिन्होंने पर्थ में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कपिल ने कहा कि एक या दो प्रदर्शन के आधार पर, अगर आपको किसी की कप्तानी पर संदेह है। मेरा मतलब है कि सिर्फ 6 महीने पहले जब उसने टी20 विश्व कप जीता था तो आपने यह सवाल नहीं पूछा होता। इसे जाने दीजिए, उसकी क्षमता और प्रतिभा को जानते हुए, वह वापसी करेगा। वह मजबूती से वापसी करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या दूसरे टेस्ट में युवा हर्षित राणा को शामिल करना एक गलती थी, कपिल ने कहा कि मैं कोई नहीं हूं। मैं कैसे फैसला कर सकता हूं? वहां ऐसे लोग हैं जिनके पास यह तय करने की जिम्मेदारी है कि टीम में किसे होना चाहिए।

रोहित की अनुपस्थिति में उपकप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में पर्थ में भारत को 295 रन से जीत दर्ज की। यह पूछे जाने पर कि क्या बुमराह रोहित से कमान संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं, कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। एक प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह सर्वश्रेष्ठ है और एक खराब प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह इसके लायक नहीं हैं।

पीसीबी अब कड़ा रुख अपनाय : अफरीदी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अब कड़ा रुख अपनाना चाहिये। अफरीदी ने कहा कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) अगर अपनी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए नहीं भेजती तो हमें भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम नहीं भेजनी चाहिये। एक कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा कि पीसीबी को क्रिकेट संबंधों पर कड़ा रुख अपनाना होगा। इसके साथ ही उसे मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर भी बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पीसीबी को मजबूत और आत्मनिर्भर होने के साथ ही सैद्धातिक फैसले भी लेने चाहिए। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकती है तो हमें भी भारत जाकर नहीं खेलना चाहिये। गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च के बीच पाकिस्तान में होने वाली है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाक में खेलने से इनकार कर दिया है और उसकी जगह पर टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल में कराने को कहा है जिससे पीसीबी सहमत नहीं है और उसने शर्त रखी है कि उसके भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबले भी तटस्थ स्थल पर रखे जाने चाहिये। अफरीदी ने कहा कि आईसीसी को भी अब यह तय करना है कि क्या वह केवल पैसा कमाना चाहता है या प्रत्येक सदस्य देश को क्रिकेट खेलने का पूरा अवसर देना चाहता है। अगर वह ऐसा नहीं करता तो ये विश्व क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहेगा।

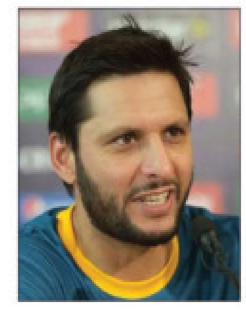

गेंदबाजी के बाद अब बल्लेबाजी में भी छाए शमी, मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेली 32 रन की शानदार पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के वरिष्ठ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को बेंगलुरु में चंडीगढ़ के खिलाफ चल रहे सैयद मुश्ताक अली प्री क्वार्टर फाइनल में बंगाल के लिए 17 गेंदों में नाबाद 32 रनों की शानदार पारी खेली। शमी ने डेथ ओवरों में चंडीगढ़ के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए तीन चौके और दो शानदार छक्के लगाए।

16वें ओवर में जब बंगाल का स्कोर 8 विकेट पर 114 रन था, तब शमी आए और उन्होंने तलवार की तरह अपना बल्ला घुमाया और विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। उनकी पारी 188.24 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई और उन्होंने बंगाल को मुश्किल स्थिति से 9 विकेट पर 159 रन तक पहुंचाया। शमी बंगाल के लिए खेल में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि करण लाल ने 25 गेंदों में 33 रन की पारी खेली। प्रदीप्त प्रमाणिक ने 24 गेंदों पर 30 रन बनाए, जबकि रितिक चटर्जी ने 12 गेंदों पर 28 रन बनाए, जिसमें चंडीगढ़ द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद बंगाल ने 159 रन बनाए।

शमी के ऑस्ट्रेलिया में चल मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के अंतिम दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी को अभी भी एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिली है, जो 'औपचारिकता का मामला' है। सैयद मुश्ताक अली टी20 खेलते समय उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई, जो जाहिर तौर पर टेस्ट मैच खेलने के लिए उनकी तैयारी में बाधा डाल रही है। एक साल की चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने 8 एसएमएटी टी20 मैचों के अलावा रणजी ट्रॉफी के एक मैच में 42 ओवर गेंदबाजी की।

आकाश दीप को मिल सकता है बचे हुए मैचों में अवसर

एडीलेड। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर क्रिकेट सीरीज के बचे हुए मुकाबलों में खेलने का अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नही मिल पायी है। आकाश दीप ने अपने टेस्ट करियर में कुल 10 विकेट लिए हैं, जिसमें से 8 बार उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाजों का शिकार किया है। ऐसे में वह ट्रेविस हेड सहित बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। पिछले कुछ समय से हेड भारतीय टीम की हार के लिए जिम्मेदार रहे हैं फिर चाहते वह गत वर्ष हुए एक दिवसीय विश्वकप को लें या पिछल साल हुआ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल। इन दोनो में ही हेड ने बड़ी पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम अभी तक हेड के खिलाफ प्रभावी रणनीति नही बना पायी है। ऐसे में अगर अकाश दीप मैदान पर उतरते हैं तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से काम का बोझ भी कम होगा।

पहली बाजी गंवाने के बाद मैंने मानसिक मजबूती दिखाकर पलटवार किया: डी गुकेश

सिंगापुर (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 11वें दौर में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराने के बाद रविवार को यहां कहा कि पहली बाजी गंवाने के बाद उन्होंने मानसिक मजबूती दिखाई जिससे वह पलटवार करके वापसी करने में सफल रहे। गुकेश ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पहली बाजी में हार झेलने के बाद मुझे मानसिक मजबूती दिखाने की जरूरत थी। विश्व चैंपियनशिप की पहली बाजी गवाना अच्छा नहीं माना जा सकता है लेकिन मैंने पलटवार किया और इसके बाद अच्छी शतरंज खेली।''

गुकेश पहली बाजी हार गए थे लेकिन उन्होंने तीसरी बाजी जीत कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया था। इसके बाद लगातार सात बाजी ड्रॉ रही लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अब 6-5 की बढ़त हासिल करके खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि वापसी करवाने में उनकी टीम की भूमिका बहुत अहम रही और जोखिम उठाने का अपने फायदा मिला।

भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''इस बीच मुझे वापसी दिलाने के लिए मेरी टीम ने बहुत अच्छा काम किया। मैं यही सोच रहा था कि यह मुकाबला बेहद दिलचस्प है और मुझे जोखिम उठाने का भी फायदा मिला क्योंकि इससे मैंने उसे निश्चित तौर पर हैरानी में डाल दिया।'' गुकेश ने यह मानने से इनकार कर दिया कि चीन का खिलाड़ी 11वीं बाजी में भी ड्रॉ के लिए खेल रहा था। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं मानता कि मेरा प्रतिद्वंदी अंक बांटने के लिए खेल रहा था। इस मुकाबले में वह भी कुछ अवसरों पर बेहतर स्थिति में था। यह 14 दौर का मुकाबला है और आप शुरू में ही इसे टाइब्रेक तक ले जाने की योजना नहीं बना सकते हैं क्योंकि शतरंज में गलतियां हमेशा होती हैं। यह मुकाबला अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है।

शमी पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें : रोहित

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद तेज गेंदबाज मो शमी को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि शमी जब भी चाहें टीम में शामिल हो सकते हैं पर मेरा मानना है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में शामिल होना चाहिये। टीम उनको शामिल करने को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नही चाहती है। उन्होंने कहा, 'शमी की प्रगति पर लगातार हमारी नजरें हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए, उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई थी। उस कारण से टेस्ट मैच खेलने के लिए वह जो तैयारी कर रहे हैं, उसको थोड़ा झटका लगा है। हम उनको लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि वापसी के बाद उन्हें फिर कोई समयस्या नहीं हो।

एक नजर

सीरिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है भारत

नई दिल्ली: सीरिया में विद्रोही समूह की ओर से किए गए सत्ता परिवर्तन पर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा है कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सोमवार को विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हम सीरिया में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर वहां की स्थिति पर नजर रखे हैं। हम इस बात पर जोर देते हैं कि सभी पक्षों को सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। इसमें कहा गया है, हम सीरियाई समाज के सभी वर्गों के हितों और आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत करते हैं। साथ मंत्रालय ने बताया है कि दमिश्क में भारतीय दूतावास वहां के भारतीय समुदाय की सुरक्षा और संरक्षा के लिए उनके संपर्क में है। उल्लेखनीय है कि सीरिया में विद्रोही समूह ने वहां की सत्ता पर काबिज बशर अल असद का तख्तापलट कर दिया है।

भारत में डिजिटल क्रांति से सुगम हुआ है जीवन : कीर्ति वर्धन

नई दिल्ली: केंद्रीय विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व व सोच का प्रभाव है कि आज पूरी दुनिया भारत में हुए डिजिटल क्रांति की तारीफ कर रही है। मोदी सरकार द्वारा 01 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजिटल सेवाओं, डिजिटल पहुंच, डिजिटल समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण को सुनिश्चित करके भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और डिजिटल रूप से सशक्त समाज में परिवर्तित करना था। आज अगर आप एक क्लिक से पैसा ट्रांसफर करने से लेकर तमाम जरूरी काम कर पाते हैं तो इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक सोच है। केंद्रीय राज्य मंत्री सोमवार को जोरबाग स्थित पर्यावरण भवन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने 2047 में विकसित भारत की नींव रख दी है। पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने देश में डिजिटल क्रांति लाने और लोगों को डिजिटली काम करने के लिए प्रेरित किया है, जो अभूतपूर्व है। इसका सीधा सकारात्मक असर 140 करोड़ देशवासियों पर हो रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भारत में डिजिटल क्रांति को लेकर विदेश में हो रही चर्चा व अनुभव से भी अवगत कराया।

भारत का पर्यटन क्षेत्र असाधारण संभावनाओं से भरा है : शेखावत

जयपुर: केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र विश्व के किसी भी अन्य देश की तुलना में असाधारण संभावनाओं से भरा हुआ है। पांच हजार से अधिक वर्षों का सभ्यतागत इतिहास, 43 विश्व धरोहर स्थल, 56 संभावित विश्व धरोहर स्थल और लगभग 3,500 राष्ट्रीय महत्व के स्मारक हमारे सांस्कृतिक सामर्थ्य के जीवंत साक्ष्य हैं। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में 'एम्ब्रैसिंग डिवर्सटी: प्रमोटिंग इन्क्लूसिव टूरिज्म' सत्र में शेखावत ने कहा कि पर्यटन का महत्व आर्थिक या व्यापारिक से ज्यादा सांस्कृतिक है। यही इस क्षेत्र की खूबी है। इसलिए यह जरूरी है कि भारत राष्ट्र के निर्माण से जुड़े सांस्कृतिक तत्वों और कारकों को लेकर हमारी समझ साफ हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते एक दशक में भारत के विकास को भारत की श्रेष्ठता, उसकी पारंपरिक विलक्षणता से जोड़ते हुए विरासत भी, विकास भी के विजन से साथ निरंतर आगे बढ़ाया है।

दिव्यांग बच्चों के लिए आगामी बजट में सरकार लाएगी नई योजना : मुख्यमंत्री

एजेंसी

शिमला : मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य के वितीय वर्ष 2025-26 के बजट में दिव्यांग बच्चों के कल्याण के लिए नई योजना लाने जा रही है। राज्य सरकार ने पहले बजट में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना और दूसरे बजट में प्रदेश में विधवाओं के 23 हजार बच्चों को शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सुक्खू सोमवार को शिमला के हीरानगर में 6.67 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों के विशेष आवासीय विद्यालय के उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश निराश्रित बच्चों की उचित देखभाल एवं शिक्षा के लिए कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना शुरू कर उन्हें चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाया है। इन बच्चों की पढ़ाई के खर्च के अतिरिक्त प्रदेश सरकार उन्हें जेब खर्च के लिए 4 हजार रुपये प्रतिमाह प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत गत दो वर्षों में प्रदेश में 38.50 करोड़ रुपये के लाभ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पहले बजट में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना आरंभ की गई। दूसरे बजट में प्रदेश में विधवाओं के 23 हजार बच्चों को शिक्षा का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करने का प्रावधान किया गया है। अब तीसरे में बजट में बौद्धिक रुप से दिव्यांग बच्चों के लिए विस्तृत योजना का प्रावधान किया जाएगा। इसके लिए इन बच्चों के अध्यापकों से भी चर्चा की जाएगी, ताकि उनकी जरूरतों का समावेश योजना में किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हीरानगर में प्रदेश का पहला विशेष आवासीय स्कूल है, जो 6-18 वर्ष की आयु के बौद्धिक रूप दिव्यांग बच्चों के लिए निर्मित किया गया है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क गुणात्मक शैक्षणिक और व्यवसायिक शिक्षा सहित आवासीय सुविधाओं से युक्त यह प्रदेश का पहला संस्थान है। स्कूल ब्लॉक में आधुनिक सुविधाओं वाली 16 कक्षाओं सहित कम्प्यूटर लैब, संगीत कक्ष, एक बहुउद्देशीय हॉल, हॉस्टल ब्लॉक में 50 बच्चों के लिए छात्रावास के साथ-साथ चिकित्सा कक्ष तथा कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र पर विशेष ध्यान है और इसी को देखते हुए जिला सोलन के कंडाघाट में नौ हजार दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य दो वर्षों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगों को शिक्षित व प्रशिक्षित कर समाज में सम्मानपूर्ण स्थान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

आईआईटी भिलाई की यात्रा में सीसीएलटी मील का पत्थर साबित होगा : राज्यपाल

एजेंसी

रायपुर : राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि, आईआईटी भिलाई की यात्रा में संस्कृति भाषा और परम्परा केंद्र महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस केंद्र की स्थापना आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान, लुप्तप्राय भाषाओं और सतत विकास पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता के लिए एक अंतःविषय केंद्र के रूप में की गई है। केंद्र का मिशन छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों की भाषाई विविधता, सांस्कृतिक बहुलवाद, पारिस्थितिक ज्ञान और सामूहिक स्मृति को भारत में सामने लाना है। राज्यपाल श्री डेका आज सोमवार को आईआईटी भिलाई में संस्कृति, भाषा और परम्परा केंद्र के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री डेका ने आगे कहा कि यह केंद्र छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर एक नोडल ज्ञान केंद्र बनाने के लिए काम कर रहा है। इसमें आईआईटी भिलाई में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर एक पुस्तकालय और अत्याधुनिक विस्तारित वास्तविकता संग्रहालय शामिल होगा। इस ज्ञान केंद्र को राज्य के आदिवासी समुदायों के मौखिक इतिहास और सामूहिक सांस्कृतिक यादों के भंडार के रूप में योजनाबद्ध किया गया है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि, विकसित भारत 2047 के हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस तरह की पहल समय की मांग है। तेजी से हो रहे वैश्वीकरण के हमारे समकालीन युग में, एक जोखिम यह है कि अपने राष्ट्र के विकास में, हम अपने इतिहास, विरासत और विरासत से संपर्क खो सकते हैं। हमारी साझेदारी, सामूहिक एकता, अपने समाज को ऊपर उठाने और इसे दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में शामिल करने की इच्छा कभी-कभी हमें यह भूलने पर मजबूर कर देती है कि हम कौन हैं और हम कहाँ से आए हैं। यह याद रखना और खुद को लगातार याद दिलाना महत्वपूर्ण है कि विकास का मतलब एकरूपता नहीं है, इसका मतलब हमारी सांस्कृतिक और जातीय पहचान का नुकसान नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि हम भारत के लोग दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक होने के लिए भाग्यशाली हैं। भारतीय दर्शन, कला और वास्तुकला की जड़ें हजारों साल पुरानी हैं, और जाति, पंथ और समुदायों के विचारकों की अनगिनत पीढ़ियों के योगदान के माध्यम से परिष्कृत हुई हैं। राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी हमारे भारतीय ज्ञान प्रणालियों की इस विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए शोध के विभिन्न तरीकों पर काम कर रहा है।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ढाका पहुंचे

ढाका : भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत और बांग्लादेश के बीच पहली उच्चस्तरीय बैठक के लिए आज सुबह ढाका पहुंचे। वो आज अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जसीम उद्दीन के साथ बैठक करेंगे। यह जानकारी द डेली स्टार समाचार पत्र ने दी।राजनयिक सूत्रों ने पुष्टि की कि मिस्री और अन्य अधिकारियों को लेकर भारतीय वायु सेना की एक विशेष उड़ान सुबह लगभग 9:00 बजे ढाका हवाई अड्डे पर उतरी। विक्रम मिस्री और बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन सुबह 11:00 बजे राज्य अतिथि गृह में मिलेंगे। मिस्री का आज रात ढाका से प्रस्थान करने से पहले राज्य अतिथि गृह जमुना में मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने का कार्यक्रम है। उम्मीद है कि बैठक में पांच अगस्त को जन विद्रोह के माध्यम से अवामी लीग सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद उभरे द्विपक्षीय संबंधों में तनाव को कम करने पर चर्चा होगी।

टेक्नो फैंटम वी2 सीरीजः प्रोडक्टिविटी क्रिएटिविटी और स्टाइल में सबसे आगे

एजेंसी

- 79,999 रुपए और 34,999 रुपये की शुरूआती कीमतों पर उपलब्ध
- सबसे मजबूत फोल्डेबल डिजाइन, सबसे बड़ी बैटरी और एडवांस एआई फीचर्स
- 13 दिसंबर, 2024 से अमेजन पर खरीदी के लिए उपलब्ध

नयी दिल्ली : टेक्नो ने फोल्डेबल स्मार्टफोन सेगमेंट में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए फैंटम वी2 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें फैंटम वी फोल्ड 2 और फैंटम वी फ्लिप 2 शामिल हैं। यह क्राँतिकारी सीरीज उन यूजर्स के लिए बनाई गई है, जो सबसे अलग दिखना पसंद करते हैं और जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, बेहतरीन मजबूती और स्लीक डिजाइन वाले स्मार्टफोन्स चाहते हैं। यह सीरीज कभी-भी और कहीं-भी प्रोडक्टिव तथा क्रिएटिव होने को पुनः परिभाषित करती है। फैंटम वी सीरीज के पहले संस्करण पर यूजर्स से मिली प्रतिक्रिया और सीरीज का टिकाऊपन, डिस्प्ले, बैटरी और समग्र अनुभव से संबंधित चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, फैंटम वी2 सीरीज को सबसे बेहतर बनाकर पेश किया गया है, ताकि तमाम यूजर्स की चिंताओं को खत्म किया जा सके। फैंटम वी2 सीरीज 13 दिसंबर, 2024 से खरीदी के लिए ऑनलाइन उपलब्ध है। विशेष लॉन्च ऑफर के रूप में इस फोल्डेबल फोन को सिर्फ 79999 रुपए और 34999 रुपए की बेमिसाल कीमत पर पेश किया गया है, ताकि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों के लिए सुलभ हो सके। टेक्नो की उन्नत डिजाइन और शानदार फीचर्स के साथ, फैंटम वी2 सीरीज यूजर्स के लिए प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु बनाई गई है। इसमें इंडस्ट्री-लीडिंग एयरसेल बैटरी टेक्नोलॉजी, स्लीक और हल्की डिजाइन और उन्नत एआई-पॉवर्ड टूल्स हैं, जो रोजमर्रा के अनुभवों को बेहतर बनाने का काम करते हैं। चाहे काम का बहुत प्रेशर हो, क्रिएटिविटी बढ़ाना हो, या फिर इमर्सिव मनोरंजन का आनंद लेना हो, ये दोनों ही फोन्स तेजी से काम करने वाली डिवाइसेस की माँगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक येओल पर यात्रा प्रतिबंध लगाने पर विचार

एजेंसी

सियोल : दक्षिण कोरिया में नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव से किसी तरह बचकर निकले राष्ट्रपति यून सुक येओल पर यात्रा प्रतिबंध लगाने पर विचार हो रहा है। पुलिस ने आज कहा कि इस बात की समीक्षा की जा रही है कि येओल पर देशद्रोह और पिछले सप्ताह मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा से संबंधित अन्य आरोपों की जांच करने के लिए उयात्रा प्रतिबंध लगाया जाए या नहीं। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, येओल, कई वरिष्ठ सरकारी और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए राजद्रोह, विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं। पुलिस और अभियोजन पक्ष दोनों ने जांच में यून को संदिग्ध के रूप में दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विचार-विमर्श में राष्ट्रपति के देश छोड़ने की संभावना भी शामिल है। जब अधिकारी से बिना वारंट के यून को गिरफ्तार करने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह परिस्थितियों पर निभार करेगा। पुलिस ने यून से व्यक्तिगत पूछताछ करने से इनकार नहीं किया। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी में राष्ट्रीय जांच कार्यालय के प्रमुख वू जोंग-सू ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि लगभग 150 जांच अधिकारियों की विशेष टीम बनाई गई है। इस बीच रक्षा मंत्रालय ने आज कहा कि दक्षिण कोरिया के सैन्य बलों का नियंत्रण वर्तमान में प्रमुख कमांडर के रूप में राष्ट्रपति यून सुक येओल के पास है।

हिमाचल में पहली बर्फबारी में फंसे 800 पर्यटकों का हुआ सुरक्षित रेस्क्यू

एजेंसी

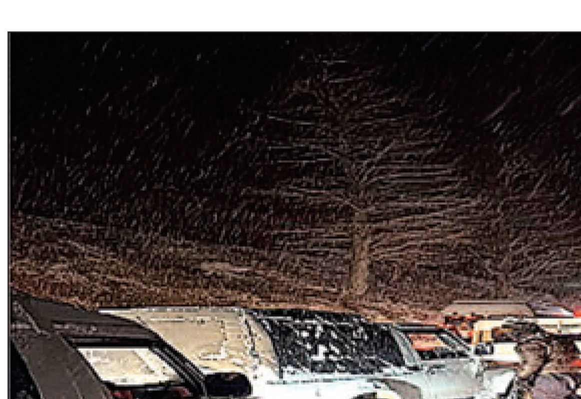

कुल्लू : हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का लुफ्त लेने आए पर्यटकों के सैकड़ों वाहन अटल टनल और आसपास पहली बर्फबारी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू किया है। पुलिस ने अटल टनल के दोनों छोर, उतरी व दक्षिण में फंसे वाहनों और करीब 800 से अधिक पर्यटकों को रेस्क्यू करते हुए देर रात तक मनाली की तरफ भेजा। पहाड़ों में बर्फबारी का लुत्फ लेने भारी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। बीती शाम पहाड़ों में बर्फबारी का आनंद लेकर कुल्लू में अटल टनल से होते हुए सैकड़ों वाहनों से पर्यटक गुजर रहे थे। इस बीच रविवार को पहली बर्फबारी के चलते टनल के आसपास जमा बर्फ में गुजरते हुए सैकड़ों वाहनों में सवार पर्यटकों समेत अन्य लोग फंस गए। बर्फबारी में फंसे वाहनों को निकलवाने पुलिस ने मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ??अभियान चलाया गया। रेस्क्यू के दौरान अटल टनल रोहतांग के उतरी व दक्षिण छोर में फंसे काफी संख्या में पर्यटक व अन्य वाहनों को निकलवाया गया। यह रेस्क्यू करीब 11 बजे रात तक चला और इस दौरान सैकड़ों पर्यटकों को वाहन समेत सुरक्षित मनाली की तरफ भेजा गया। सिस्सू की तरफ ज्यादा बर्फबारी होने के कारण भारी संख्या में पर्यटक वाहनों में फंसे थे। इन सभी वाहनों को रात के समय लाहौल-स्पिति पुलिस ने अटल टनल की तरफ भेजा। जहां से 474 वाहनों को मनाली की तरफ रवाना किया गया। जबकि करीब 100-150 वाहनों को अटल टनल रोहतांग के दक्षिण छोर पर सुरक्षित खड़ा करवाया गया। इन वाहनों में फंसे पर्यटकों को 474 निजी वाहनों से देर रात से सोमवार अल सुबह तक सुरक्षित मनाली तक रेस्क्यू करवाया गया। यह अभियान करीब 3-4 बजे तक चला। डीएसपी मनाली क्षमादत शर्मा ने कहा अभी भी लगातार बर्फबारी जारी है जिस कारण सोलंगनाला से आगे केवल 474 वाहनों को ही भेजा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात में दो कारों की भिड़ंत में पांच विद्यार्थी समेत सात की मौत

अहमदाबाद: गुजरात के जूनागढ़ के मालिया हटिया के समीप जूनागढ़-वेरावल हाईवे पर भंडूड़ी के पास दो कारों की सोमवार सुबह भीषण टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई। घटना में एक कार का गैस का सिलेंडर फटने से पास स्थित झोपड़ी में आग भी लग गई। मृतकों में पांच विद्यार्थी शामिल है जो परीक्षा देने जा रहे थे। घटना के संबंध में पुलिस उपाध्यक्ष दिनेश कोडियातर ने बताया कि मालिया के भंडूड़ी गांव के पास दो कारों की जोरदार टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए मालिया के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, उसकी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड समेत स्थानीय प्रशासन और पुलिस पहुंची। कार के सिलेंडर से झोपड़ी में लगी आग को फायर ब्रिगेड के जवानों ने बुझाया। मृतकों में दो जानुदा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि दूसरी कार में सवार पांच मृतक विद्यार्थी हैं और वह सभी केशोद गांव के आसपास रहने वाले बताए गए हैं, जो गडू गांव में परीक्षा देने जा रहे थे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार पर होगा बड़ा प्रदर्शन

लखनऊ: बांग्लादेशी हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति ने मंगलवार अर्थात दस दिसम्बर को लखनऊ विश्वविद्यालय के मैदान में पचास हजार लोगों के पहुंचने का आह्वाहन किया है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार के विरोध में लखनऊ में यह अभी तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन होगा। बांग्लादेशी हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति के तमाम कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने बड़े प्रदर्शन की तैयारी पूरी कर ली है। संघर्ष समिति में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे आकाश मिश्रा और उनके साथियों ने बताया कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार जारी है। हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध देशभर में प्रदर्शन हो रहे है। इसी में उत्तर प्रदेश की राजधानी में लखनऊ विश्वविद्यालय के खेल मैदान में अपराह्न दो बजे के करीब प्रत्येक हिन्दू को पहुंचने का आह्वाहन किया गया है। आकाश ने कहा कि राष्ट्र हित चिंतकों के समूह ने बांग्लादेशी हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति गठन किया है। ये समिति बड़े प्रदर्शन के बाद भी चुप नहीं बैठेगी और हिन्दुओं पर अत्याचार नरसंहार रूकने तक संघर्ष करेगी। इसी क्रम में लखनऊ में कुछ स्थानों पर विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम हुए है। फिर भी एक बड़े विरोध प्रदर्शन की जरूरत है, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में होने जा रहे विरोध प्रदर्शन में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं को भी पहुंचने के लिए कहा गया है। पूरे प्रदर्शन के दौरान हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों को भी अपने संगठन के लोगों तक प्रदर्शन की जानकारी देने के लिए आग्रह किया गया है। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री को आगे बढ़कर हिन्दुओं के हित में कोई ठोस कदम उठाना चाहिए, इसके लिए यह प्रदर्शन होने जा रहा है।

यूथ कांग्रेस ने यंग इंडिया के बोल अभियान का पांचवां चरण शुरू किया

नई दिल्ली: भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को यहां अपने ंयंग इंडिया के बोल अभियान के 5वें चरण का शुभारम्भ किया। यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने यंग इंडिया के बोल-सीजन 5 का आगाज करते हुए पोस्टर लॉन्च किया। इस मौके पर चिब ने कहा कि संगठन की ओर से एक अभियान शुरू किया गया है, जिसका नाम ंनौकरी दो, नशा नहींं है। इस अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में देश के युवाओं के बीच जागरुकता बढ़ाना है। आज बेरोजगारी बहुत बढ़ चुकी है। नशाखोरी व्यापक स्तर पर बढ़ चुकी है। हजारों लाखों करोड़ का नशा हमारे देश के युवाओं के बीच खप रहा है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार पर दोषारोपण करते हुए कहा कि देश के युवाओं का भविष्य संवारने की ओर उसका कोई ध्यान नहीं है।

चिब ने कहा कि युवा की समस्याओं के प्रति सरकार को जगाने के लिए यूथ को इससे जोड़ेंगे। नशाखोरी और बेरोजगारी पर जो युवा सार्वजनिक तौर पर अपनी बात नहीं रख पाते हैं, वे यंग इंडिया के बोल से जुड़कर अपनी बात अच्छी तरह से इस प्लेटफार्म पर रख सकेंगे। इसमें कोई भी भाग ले सकता है, चाहे वह किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि से हो अथवा नहीं हो। जो अच्छी तरह से बात रखेंगे, उन्हें संगठन में भी जगह दी जाएगी। यह नौकरी दो, नशा नहींं के लिए एक उचित प्लेटफॉर्म है। इस पर रजिस्टर करने के लिए ंइ्रउँ कउरं ऐप डाउनलोड करना होगा। इस अवसर पर एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि आज देश में बेरोजगारी का यह आलम है कि आईआईटी के 50 प्रतिशत पास आउट को नौकरी नहीं मिल रही है। आए दिन नौकरी मांग रहे छात्रों पर पुलिस की लाठियां बरस रही हैं। दुनिया का हर पांचवां यूथ भारत का है लेकिन प्रति घंटे दो नौजवान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। देश में नौजवानों की आत्महत्या दर चिंताजनक है। देश में आर्थिक विषमता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हाथी खिचड़ी खा रहा है। देश में हजारों करोड़ों के ड्रग्स तो पकड़े जाते हैं लेकिन जो नहीं पकड़े जाते, उसके माध्यम से नौजवानों को साजिशन नशे की ओर धकेला जा रहा है, ताकि वह होश में न रहे अन्यथा वह नौकरी मांगेगा। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या को सरकार द्वारा सृजित समस्या करार दिया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**